दैनिक
किस्मत भीलवाड़ा

आवश्यकता है
राजस्थान के भीलवाड़ा से प्रकाशित सबसे तेज समाचार पत्र दैनिक किस्मत भीलवाड़ा को तहसील और जिला स्तर पर महिला/पुरुष संवाददाताओं की आवश्यकता है।
संपर्क करें
दैनिक किस्मत भीलवाड़ा
मो. 9214345421, 8233210027, 9828402526, 6376577605

Email. kismatbhilwara8888@gmail.com | वर्ष 3 अंक-38 | भीलवाड़ा शनिवार 19 जुलाई 2025 | मूल्य- 2 रूपये | REGN.NO .RAJHIN/2023/87379

ईडी की रडार पर अब 'आप' नेता

मनी लॉन्ड्रिंग के 3 नए मामले दर्ज, बड़े नेताओं से जल्द होगी पूछताछ

मामले अस्पताल निर्माण, सीसीटीवी परियोजना और शेल्टर होम से संबंधित

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी (आप) के नेता एक बार फिर ईडी की रडार पर आ गए हैं। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने दिल्ली सरकार के कार्यकाल के दौरान सामने आए 3 बड़े कथित घोटालों में मनी लॉन्ड्रिंग के केस दर्ज कर लिए हैं। ये मामले अस्पताल निर्माण, सीसीटीवी परियोजना और शेल्टर होम से संबंधित हैं। ईडी ने इन मामलों में इन्फोर्समेंट केस इन्फॉर्मेशन रिपोर्ट दर्ज की है और जल्द ही आम आदमी पार्टी के शीर्ष नेताओं को पूछताछ के लिए समन भेजे जा सकते हैं।

सौरभ और जैन की भूमिका पर सवाल

पहला मामला 5,590 करोड़ रुपए के अस्पताल निर्माण घोटाले से जुड़ा हुआ है। इस घोटाले में पूर्व स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज और सत्येंद्र जैन की भूमिका पर सवाल उठ रहे हैं। साल 2018-19 में दिल्ली सरकार द्वारा 24 अस्पताल परियोजनाएं मंजूर की गई थीं। इन आईसीयू अस्पतालों को 6 महीने में तैयार करना था, लेकिन 3 साल बाद भी निर्माण कार्य अधूरा है। अब तक करीब 800 करोड़ रुपए खर्च हो चुके हैं, लेकिन सिर्फ 50 प्रतिशत काम ही पूरा हुआ है। एलएनजेपी अस्पताल की लागत 488 करोड़ से बढ़कर 1,135 करोड़ रुपए तक पहुंच गई है।

दूसरा मामला 571 करोड़ रुपए के सीसीटीवी घोटाले से जुड़ा

दूसरा मामला 571 करोड़ रुपए के सीसीटीवी घोटाले से जुड़ा है। 2019 में दिल्ली के 70 विधानसभा क्षेत्रों में 1.4 लाख सीसीटीवी कैमरे लगाने की योजना बनाई गई थी। यह ठेका भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (भेल) को दिया गया, लेकिन परियोजना समय पर पूरी नहीं हुई। भेल पर 17 करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया गया, जिसे बाद में बिना किसी स्पष्ट कारण के माफ कर दिया गया था।

207 करोड़ की गड़बड़ी का डीयूएसआईबी शेल्टर होम घोटाला

तीसरा मामला 207 करोड़ की गड़बड़ी का डीयूएसआईबी शेल्टर होम घोटाले से जुड़ा है। दिल्ली अर्बन शेल्टर इंप्रूवमेंट बोर्ड से जुड़ी परियोजनाओं में भी गंभीर वित्तीय अनियमितताओं का खुलासा हुआ है। आरोप है कि फर्जी फिक्स्ड डिपॉजिट रसीद के जरिए 207 करोड़ रुपए की हेराफेरी की गई। लॉकडाउन के दौरान कागजों में दिखाया गया कि 250 करोड़ रुपए का शेल्टर होम का काम 'घोस्ट वर्कर्स' के नाम पर दर्शाया गया। इन कर्मचारियों की सैलरी नेताओं तक कमीशन के रूप में पहुंचाने का आरोप है।

चार्जशीट पर भड़के राहुल मेरे बहनोई को परेशान किया जा रहा

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को केंद्र सरकार पर अपने बहनोई रॉबर्ट वाड्रा को परेशान करने का आरोप लगाया। प्रवर्तन निदेशालय ने हरियाणा के शिकोहपुर में एक जमीन सौदे में कथित अनियमितताओं से जुड़े धन शोधन के एक मामले में रॉबर्ट के खिलाफ आरोप-पत्र दायर किया है। उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'मेरे बहनोई को पिछले 10 साल से यह सरकार परेशान कर रही है। यह हालिया आरोप-पत्र उसी प्रताड़ना अभियान का एक और हिस्सा है।

आतिशी का पलटवार

एजेंसियों का दुरुपयोग किया जा रहा

दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री और आप नेता आतिशी ने ईडी के द्वारा आम आदमी पार्टी के नेताओं पर केस दर्ज करने पर कहा कि भाजपा ने जांच एजेंसियों का दुरुपयोग करना फिर शुरू कर दिया है। आप के नेताओं पर फर्जी मामले दर्ज करना शुरू कर दिया गया है।

शरद गुट के हाथापाई करने वाले विधायक जितेंद्र पर एफआईआर, 2 गिरफ्तार

मुंबई। महाराष्ट्र विधानभवन परिसर में गुरुवार को बड़ा सियासी हंगामा देखने को मिला। भाजपा धायक गोपीचंद पडलकर और एनसीपी (शरद पवार गुट) के विधायक जितेंद्र आव्हाड के समर्थकों के बीच जमकर लात-घूंसे चले। पुलिस ने आव्हाड के समर्थक नितीन देशमुख को हिरासत में लिया। आव्हाड ने पुलिस की वैन के नीचे लेटकर रास्ता रोक दिया। मरीन ड्राइव पुलिस स्टेशन में जितेंद्र के खिलाफ सरकारी काम में बाधा डालने के आरोप में केस दर्ज किया गया है।

खबर संक्षेप

अश्विनी गुप्ता पीएचडी की उपाधि से सम्मानित

नई दिल्ली। नई दिल्ली में आयोजित एक समारोह में कैलिफोर्निया यूएसए की अमेरिकन मैनेजमेंट यूनिवर्सिटी ने एसीबी इंडिया ग्रुप के पूर्व एचआर हेड अश्विनी गुप्ता को उनके 40 वर्षों के योगदान के लिए इंडस्ट्रियल रिलेशन्स एंड लेबर लॉ में मानद डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी की उपाधि से सम्मानित किया गया।

ट्रेन से कटकर 3 हाथियों की मौत

बासतोला। झारखंड और पश्चिम बंगाल से सीमा से सटे बासतोला से रेल हादसे में 3 हाथियों की मौत की खबर है। घाटशीला के चाकुलिया से सटे बंगाल के बासतोला में ट्रेन की चपेट में आने से 3 हाथी की मौत हो गई। मृत हाथियों में एक वयस्क और दो बच्चा हाथी शामिल हैं। 7 हाथियों का एक झुंड रेलवे लाइन पार कर रहा था। इसी दौरान एक ट्रेन आ गई।

जस्टिस को हटाने प्रस्ताव लाना सांसदों का विषय

नई दिल्ली। केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश यशवंत वर्मा के खिलाफ संसद में महाभियोग प्रस्ताव लाना पूरी तरह से सांसदों का विषय है और सरकार इसमें कहीं भी शामिल नहीं है। जांच को तत्कालीन सीजेआई संजीव खन्ना द्वारा गठित आंतरिक समिति रिपोर्ट दे चुकी है।

सांगली का 'इस्लामपुर' अब होगा 'ईश्वरपुर'

सांगली। महाराष्ट्र सरकार ने शुक्रवार को घोषणा की कि सांगली जिले के इस्लामपुर का नाम बदलकर ईश्वरपुर कर दिया गया है। यह घोषणा राज्य विधानसभा में मानसून सत्र के अंतिम दिन की गई। यह कदम हिंदूवादी संगठन शिव प्रतिष्ठान की ओर से सांगली कलेक्ट्रेट को एक ज्ञापन भेजकर इस्लामपुर का नाम बदलकर ईश्वरपुर करने की मांग के बाद उठाया गया।

ट्रक के पिछले हिस्से से टकराई कार, 5 की मौत

हैदराबाद। हैदराबाद के आउटर रिंग रोड पर शुक्रवार तड़के एक कार ने एक ट्रक के पिछले हिस्से में टक्कर मार दी। इस हादसे में 5 लोगों की मौत हो गई। हादसे में 3 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 2 अन्य ने अस्पताल में दम तोड़ा। पुलिस ने बताया कि संभवतः तेज गति के कारण यह हादसा हुआ। कार चालक को नींद का झोंका आया जिसके बाद यह घटना घटी।

मोतिहारी में प्रधानमंत्री मोदी का 'लालू के परिवार पर वार'

एक तरफ लालटेन राज, दूसरी तरफ विकास की रोशनी

हम बनाएंगे समृद्ध व नया बिहार साथ ही हर युवा को देंगे रोजगार

नीतीश की खुलकर की सराहना, राजद-कांग्रेस को दिया उलाहना

एजेंसी ▶▶ मोतिहारी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को बिहार के मोतिहारी में गांधी मैदान में एक जनसभा को संबोधित करते हुए विपक्ष पर जोरदार निशाना साधा और राजद-कांग्रेस पर आरोप लगाए। पीएम मोदी ने कहा कि बिहार आगे बढ़ेगा, तभी देश आगे बढ़ेगा। हमारा संकल्प है समृद्ध बिहार, हर युवा को रोजगार। बिहार के नौजवानों को बिहार में ही रोजगार के ज्यादा से ज्यादा मौके मिलें। इसके लिए केंद्र कंधे से कंधा मिलाकर सीएम नीतीश कुमार का साथ दे रही है। उन्होंने बताया कि कुछ दिन पहले ही हमने एक बड़ी योजना शुरू की है। प्राइवेट नौकरी में जिसे पहली बार मौका मिलेगा, उसे 15 हजार रुपए केंद्र सरकार देगी। ये योजना अगस्त से ही लागू होने जा रही है। इसका फायदा बिहार के नौजवानों को भी होगा। पीएम मोदी ने कहा कि उन्होंने पिछड़े जिले की जगह आकांक्षी जिला बनाकर विकास किया। अब वे देश का पहला गांव कहलाते हैं। इस दौरान सीएम नीतीश कुमार की तारीफ की।

ओबीसी आयोग पर हमारी सरकार ने ही काम किया

उन्होंने कहा कि दशकों तक ओबीसी आयोग संवैधानिक दर्जे की मांग कर रहा था, हमारी सरकार ने ही यह काम भी किया। पीएम मोदी ने कहा कि बिहार के पास न सामर्थ्य की कमी है और न ही संसाधन की। एनडीए सरकार आने के बाद ही मखाना की कीमत बढ़ी है, जिससे किसानों को फायदा हो रहा है। इसके अलावा लीची, जर्दालु आम, मगही पान और कतरनी चावल जैसे कई उत्पाद हैं, जिन्हें दुनिया भर के मार्केट से जोड़ा जाएगा।

हम काम करके दिखाते हैं

उन्होंने कहा कि न हम नारों तक अटकते हैं, न वादों तक सिमटते हैं, हम काम करके दिखाते हैं। जब हम कहते हैं कि पिछड़ों और अति पिछड़ों के लिए काम कर रहे हैं, तो ये हमारी नीतियों में नजर आता है। उन्होंने बिहार में नक्सलवाद समाप्त करने की चर्चा करते हुए कहा कि यह नया भारत दुश्मनों को सजा देने के लिए जमीन आसमान एक कर देता है। बिहार की धरती से ही मैंने ऑपरेशन सिंदूर का संकल्प लिया था और आज इसकी सफलता को पूरी दुनिया देख रही है।

संपूर्ण बिहारवासियों के जीवन में सुख शुभ होखे

पीएम मोदी ने बिहार को कई सौगातें भी दीं। बिहार चुनाव से पहले पीएम मोदी का यह दौरा अहम माना जा रहा है। पीएम मोदी ने भोजपुरी में संबोधन को शुरू करते हुए कहा कि सावन के इ पवित्र माह में हम बाबा सोमेश्वर नाथ के चरण में प्रणाम करत बानी। आ उनका से हम आशीर्वाद मांगताती की संपूर्ण बिहारवासियों के जीवन में सुख शुभ होखे। पीएम मोदी ने कहा कि चंपारण की धरती ने इतिहास बनाया है।

प्रधानमंत्री की जय हो

पटना-नई दिल्ली अमृत भारत एक्सप्रेस को दिखाई हरी झंडी, लोगों ने नारे लगाए

पीएम मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बापूधाम मोतिहारी से चार नई अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनों का शुभारंभ किया। उन्होंने राजेंद्र नगर टर्मिनल-नई दिल्ली अमृत भारत एक्सप्रेस सहित चार ट्रेनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस मौके पर विशेष ट्रेन में सवार छात्रों ने प्रधानमंत्री मोदी को धन्यवाद देते हुए कहा कि यह ट्रेन अब पटना, भोजपुर, बक्सर समेत बिहार के कई जिलों के लोगों को आधुनिक और सुलभ रेल यात्रा का अनुभव देगी। लोगों ने पटना से चली इस ट्रेन का स्वागत रास्ते में जोरदार ढंग से किया। आरा स्टेशन पर भारत माता और प्रधानमंत्री मोदी के जयकारे लगाए।

नार्वे, न्यूजीलैंड और सिंगापुर की आबादी के बराबर गरीबों को घर दिए

नार्वे, न्यूजीलैंड और सिंगापुर की जितनी कुल आबादी है, उससे ज्यादा हमने अकेले बिहार में गरीबों को घर दिए हैं। हमारे अकेले मोतिहारी जिले में 3 लाख के करीब गरीब परिवारों को पक्के घर मिले हैं और ये गिनती लगातार तेजी से आगे बढ़ रही है। घर के लिए राशि भी दे रहे हैं।

7217 करोड़ की विकास परियोजनाओं की सौगात दी

पीएम मोदी ने मोतिहारी से बिहारवासियों को 7217 करोड़ रुपए की विकास परियोजनाओं की सौगात दी है। उन्होंने पीएम ने ऑपरेशन सिंदूर, रोजगार, विकास, माओवाद और इंडिया गठबंधन पर बातें की। राजद और कांग्रेस राजद की याद भी दिलाई। उनके शासन को बताया।

राजद और कांग्रेस ने केवल अपना परिवार देखा

पीएम मोदी ने कहा कि राजद और कांग्रेस के राज में विकास पर ब्रेक था, गरीब का पैसा गरीब तक पहुंचना असंभव था। जो शासन में थे, उनमें बस यही सोच थी कि कैसे गरीब के हक का पैसा लूट लें। वे गरीबों, दलितों, पिछड़ों और वंचित वर्गों के नाम पर मात्र राजनीति किए।

ममता के आरोप पर बोले सरमा

असमिया, हिंदू और बंगाली मुख्यमंत्री बेनर्जी को छोड़ेंगे नहीं

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बेनर्जी पर जमकर निशाना साधा है। सरमा ने कहा कि ममता को केवल बंगाली भाषी मुसलमानों की चिंता है। इसके अलावा उन्होंने चेतावनी दी कि यदि वह मुस्लिम-बंगालियों के लिए असम आती हैं, तो असमिया और हिंदू-बंगाली उन्हें नहीं छोड़ेंगे। गुरुवार को पश्चिम बंगाल की सीएम ममता ने भाजपा पर राजनीतिक लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए भाषाई पहचान को हथियार बनाने का आरोप लगाया था। ममता के इन्हीं आरोपों पर सरमा ने पलटवार किया है। सरमा ने पलटवार करते हुए कहा कि सवाल यह है कि क्या ममता बंगालियों को पसंद करती हैं या केवल मुस्लिम-बंगालियों को। मेरा जवाब केवल मुस्लिम-बंगाली है। उन्होंने कहा कि यदि वे मुस्लिम-बंगालियों के लिए असम आती हैं, तो असमिया लोग और हिंदू-बंगाली उन्हें नहीं छोड़ेंगे।

बंगाल में क्यों नहीं लागू किया सीएए?

सरमा ने सवाल करते हुए पूछा कि अगर बेनर्जी बंगाली भाषी लोगों की सुरक्षा में रुचि रखती हैं, तो उन्होंने अपने राज्य में नागरिकता (संशोधन) अधिनियम या सीएए क्यों लागू नहीं किया? बंगाली भाषी हिंदू वृहत्तर असमिया समाज में समाहित हो गए हैं और उनकी भाषा, संस्कृति, धर्म और सभी पहलुओं को यहां संरक्षित किया जाता है। हिमंत ने कहा कि ममता को यह समझना चाहिए कि असम में बंगाली-हिंदुओं को न केवल संरक्षित किया गया है, बल्कि उन्हें वृहत्तर असमिया परिदृश्य में समाहित भी किया गया है। उनके अपने मंत्री और विधायक हैं।

बिरमा नदी में बाढ़ में 3 पुल डूबे, 12 गांव मुख्यालय से कटे

कई राज्यों में बारिश का कहर

एजेंसी ▶▶ हमीरपुर

यहां लगातार हो रही वर्षा से बांध से पानी छोड़े जाने से बिरमा नदी का जलस्तर बढ़ गया है। 12 गांवों का संपर्क ब्लाक व मुख्यालय से टूट गया है। नदी किनारे बसे गांवों में बाढ़ का पानी घुस आया है। ग्राम बंडवा, उपरहका व बिलगांव जाने वाले मुख्य सड़क में बने 3 पुल बाढ़ से डूब गए हैं।

लाल घेरे में वैन

राजसमंद में सैलाब में फंसी स्कूली वैन, बच्चे मदद को चिल्लाए

राजसमंद। राजस्थान के राजसमंद जिले के कुंभलगढ़ क्षेत्र में बारिश ने जमकर तांडव किया। पानी के तेज बहाव में स्कूली वैन फंस गई। घटना कुंभलगढ़ क्षेत्र में उदयपुर रोड पर स्थित होटल लेक एलपी के पास हुई। लखेला तालाब का तटबंध टूट गया जिससे केलवाड़ा इलाके में पानी का वेग अचानक बढ़ गया। इसमें स्कूली वैन फंस गई। इसमें 10 बच्चे सवार थे। 2 बच्चे अपनी जान बचाने के लिए पास के पेड़ पर चढ़ गए और चिल्लाने लगे। सभी बच्चों और स्कूल स्टाफ को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है। परशुराम महादेव रोड पर बने पुल से एक मंदबुद्धि महिला बह गई।

अजमेर रेलवे स्टेशन बन गया झील!

अजमेर। राजस्थान के अजमेर शहर में गुरुवार देर रात से लगातार हो रही मूसलाधार बारिश ने पूरे शहर की व्यवस्था को बुरी तरह प्रभावित कर दिया है। शहर का प्रमुख माने जाने वाले अजमेर रेलवे स्टेशन का नजारा शुक्रवार सुबह कुछ ऐसा था, जैसे किसी झील या तालाब के किनारे खड़े हो।

मुंबई हाई कोर्ट ने सुनाया अहम फैसला

पति से संबंध बनाने से इनकार

विवाहेत्तर संबंध रखने का संदेह करना तलाक का ठोस आधार

एजेंसी ▶▶ मुंबई

हाई कोर्ट ने एक फैमिली कोर्ट के तलाक संबंधी आदेश को चुनौती देने वाली महिला को राहत देने से इनकार करते हुए कहा कि पति के साथ शारीरिक संबंध बनाने से इनकार करना और उस पर विवाहेत्तर (शादी के बाहर) संबंध रखने का संदेह करना क्रूरता है। इसलिए यह तलाक का आधार है। जज रेवती मोहिते डेरे और नीला गोखले की खंडपीठ ने कहा कि महिला के आचरण को उसके पति के प्रति 'क्रूरता' माना जा सकता है।

फैमिली कोर्ट के आदेश को चुनौती

कोर्ट ने महिला की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें उसने फैमिली कोर्ट के आदेश को चुनौती दी थी। उक्त आदेश में पति की तलाक याचिका को मंजूरी दी गई थी। महिला ने याचिका में अपने पति से एक लाख मासिक गुजारा भत्ता दिलाने के लिए निर्देश देने का अनुरोध किया था।

2013 में शादी, 2014 से रहने लगे अलग

इस जोड़े की शादी साल 2013 में हुई थी, लेकिन दिसंबर 2014 से वे अलग रहने लगे। साल 2015 में पति ने क्रूरता के आधार पर तलाक के लिए पुणे की परिवार अदालत का रुख किया, जिसे मंजूरी मिल गई। महिला ने याचिका में कहा कि उसके ससुराल वालों ने उसे परेशान किया था, लेकिन वह अब भी पति से प्यार करती है और इसलिए वह विवाह संबंध खत्म नहीं करना चाहती।

चांदनी चौक में अवैध निर्माण पर सुप्रीम कोर्ट की सख्ती

एक भी ईंट रखी तो गिरफ्तार करें, संपत्ति सील करें

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली के ऐतिहासिक चांदनी चौक में अवैध निर्माणों को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने सख्ती दिखाई है। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच ने अदालत के आदेश का उल्लंघन करते हुए बड़े पैमाने पर हुए अवैध और अनधिकृत निर्माणों गहरी चिंता जताई है। कोर्ट ने दिल्ली पुलिस से कहा है कि जो लोग अवैध निर्माण में एक भी ईंट जोड़ते हुए पाए जाएं, उन्हें गिरफ्तार करें। ऐसी सभी संपत्तियों को सील भी किया जाए।

पुलिस को दिया गिरफ्तारी का आदेश

सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली नगर निगम के अधिकारियों पर बड़ा सवाल उठाते हुए कहा कि नगर निगम के अधिकारियों की मिलीभगत से ये बड़ा घोटाला हो रहा है। इसे फौरन रोका जाना चाहिए वरना हम पुलिस को भी इस काम में लगाएंगे। बेंच ने दिल्ली पुलिस से कहा कि आप रोज इलाके में गश्त के लिए जाते हैं। अगर कोई अवैध निर्माण में ईंट भी जोड़ते पाया जाए तो उसे तुरंत गिरफ्तार किया जाए।

पुलिस आयुक्त को दिया गश्त करने का जिम्मा

जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि दिल्ली पुलिस आयुक्त क्षेत्र में गश्त के लिए पुलिस दल की तैनाती करते रहेंगे। वह यह सुनिश्चित करेंगे कि एमसीडी द्वारा पारित अवैध निर्माण ध्वस्तीकरण के ऐसे सभी नोटिस, जिन पर अदालतों ने स्थगन नहीं दिया है, उनका सावधानी और सख्ती के साथ पालन किया जाए। अदालत ने पूरे प्रकरण की स्थानीय डीसीपी से अनुपालन रिपोर्ट दाखिल करने का भी निर्देश दिया।

स्वर्ण मंदिर के पास बड़ी इमारतें क्यों बनी?

अमृतसर। यहां के ऐतिहासिक स्वर्ण मंदिर के आसपास ऊंची इमारतों के बनाए जाने पर स्थानीय निकाय विभाग ने सवाल उठाया है। इतना ही नहीं विभाग की तरफ से इन इमारतों की ऊंचाई को नियंत्रित करने के लिए सख्त निर्देश भी जारी किए गए हैं। इन निर्देशों के तहत नगर निगम अधिकारियों को आसपास के क्षेत्रों में चल रहे और भविष्य में होने वाले निर्माण कार्यों को नियंत्रित करने के निर्देश दिया गया है।

संसद सत्र के लिए भाजपा ने बनाई रणनीति

राजनाथ के आवास पर शाह-नड्डा समेत कई नेताओं ने किया मंथन

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के आवास पर भाजपा नेताओं ने एक रणनीतिक बैठक की। इसमें केंद्रीय मंत्री अमित शाह, पीयूष गोयल, किरेन रिजिजू, मनोहर लाल, जेपी नड्डा, एल. मुरुगन, अर्जुन राम मेघवाल और सीआर पाटिल समेत कई नेता शामिल हुए। पार्टी नेतृत्व ने आगामी संसद सत्र से संबंधित कई मुद्दों पर चर्चा की। संसद का मानसून सत्र 21 जुलाई से शुरू होगा और 21 अगस्त तक चलेगा। रविवार को होने वाली पारंपरिक सर्वदलीय बैठक के साथ माना जा रहा है कि मंत्रिसमूह ने बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर), प ह ल गा म हमले और ऑपरेशन सिंदूर सहित कई मुद्दों पर विपक्ष द्वारा उठाए जा रहे हंगामे के बीच प्रासंगिक मुद्दों पर सरकार के रुख पर रणनीति बनाई। इस बैठक के एजेंडे पर कोई आधिकारिक टिप्पणी नहीं की गई है।

जिले के सभी डाकघरों में एडवांस पोस्टल टेक्नोलोजी (एपीटी) 22 जुलाई से लागू

किस्मत भीलवाड़ा

भीलवाडा, भारतीय डाक विभाग द्वारा तकनीकी दक्षता को सुदृढ़ बनाने हेतु नई पीढ़ी की एडवांस पोस्टल टेक्नोलोजी (एपीटी) को लागू किया जा रहा है। यह व्यवस्था जिले के सभी डाकघरों में मंगलवार 22 जुलाई से लागू हो जाएगी। अधीक्षक डाकघर शैलेन्द्र कुमार ने बताया कि एडवांस पोस्टल टेक्नोलोजी (एपीटी) को सुचारू रूप से लागू करने हेतु जिले के सभी डाकघरों में सोमवार को किसी भी प्रकार का वित्तीय लेनदेन नहीं किया जायेगा। सभी डाकघरों में शनिवार शाम के लेनदेन के बाद ही डेटा माईग्रेशन, सोफ्टवेयर अपडेशन आदि का कार्य किया जायेगा। इस व्यवस्था के सुचारू रूप से क्रियान्वन के लिए जिले के सभी पोस्टमास्टर को प्रशिक्षण भी दिया जा चुका हैं। साथ ही रविवार को भी जिले के सभी पोस्टमास्टर हेतु प्रधान डाकघर भीलवाड़ा में रिफ्रेशर ट्रेनिंग का भी आयोजन किया जायेगा। जिले के सभी डाकघरों में मंगलवार 22 जुलाई से आमजन के कार्य पुनः सुचारू रूप से जारी रहेंगे। भीलवाड़ा डाक मण्डल में 01 प्रधान डाकघर, 42 उप डाकघर के साथ 351 शाखा डाकघर ग्रामीण स्तर तक डाक विभाग की विभिन्न सेवाएँ- डाक डिलीवरी, वित्तीय लेनदेन, डोर स्टेप बैंकिंग सुविधाएँ एवं बीमा सुविधाएँ प्रदान कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि "एडवांस पोस्टल टेक्नोलोजी (एपीटी) को लागू कर राष्ट्र निर्माण में डाक विभाग की यह परिवर्तनकारी पहल का उद्देश्य हर नागरिक को निर्बाध, सुरक्षित रूप से बेहतर एवं अधिक सशक्त डिजिटल सेवाए प्रदान करना हैं, जिससे डाक विभाग की सेवाओं की गुणवत्ता और विश्वसनीयता में और अधिक वृद्धि होगी।

अमरनाथ यात्रा में शिवगंज के धनराज गेहलोत की अनुकरणीय सेवा

तेरहवें वर्ष भी निःस्वार्थ भाव से दे रहे सेवाएं

शिवगंज, शिवगंज के समाजसेवी धनराज गेहलोत इस वर्ष अमरनाथ यात्रा में तेरहवीं बार निःस्वार्थ सेवाएं दे रहे हैं। उन्होंने सात जुलाई को शिवगंज से प्रस्थान कर बालटाल-दोमेल मार्ग स्थित उत्तरप्रदेश के बदायूं भंडारे में सेवा प्रारंभ की। यहां वह 24 घंटे यात्रियों के लिए भोजन, चाय, कॉफी, रात्रि विश्राम, गर्म कंबल व स्वच्छ शौचालय की उत्तम व्यवस्था संभाल रहे हैं। बाबा अमरनाथ यात्रा में उनके सतत योगदान के लिए श्री शिव शक्ति मानव सेवा समिति, बदायूं द्वारा उन्हें सदस्य नियुक्त किया गया है। जम्मू के रघुनाथजी कोरिडोर आयोजन में भी उन्हें विश्व हिंदू परिषद के प्रधान राजेश गुप्ता द्वारा सम्मानित किया गया। गेहलोत ने बताया कि प्रशासन इस बार सुरक्षा को लेकर सतर्क है और बिना रजिस्ट्रेशन यात्रियों को अनुमति नहीं दी जा रही। वे इस सेवा को सनातन संस्कृति की सेवा मानते हैं।

बड़गांव में कलश यात्रा के साथ श्रीराम कथा का भव्य शुभारंभ

251 कलशों के साथ निकली यात्रा, श्रद्धा व उत्साह का अद्भुत संगम

बड़गांव, गोपेश्वर महादेव मंदिर में राम कथा के शुभारंभ अवसर पर शुक्रवार सुबह हनुमान मंदिर से गाजे-बाजे के साथ 251 कलशों की भव्य यात्रा निकाली गई। कलश यात्रा में रथ पर श्रीमद् जगतगुरू रामानंदाचार्य श्री रामानंददास जी महाराज, महामंडलेश्वर श्री अयोध्यादास जी महाराज सहित कई संत-महात्मा विराजमान थे। शिवगंज, सुमेरपुर, छावनी और बड़गांव की महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। गोपेश्वर महादेव पहुंचने पर महाराज जी द्वारा पोथी पूजन और स्वागत किया गया। ट्रस्ट व सनातन धर्म महिला सेवा समिति द्वारा श्रद्धालुओं को प्रसाद और कलश उठाने वाली महिलाओं को साड़ी वितरित की गई। राम कथा का शुभारंभ दोपहर 2 बजे महामंडलेश्वर श्री अयोध्यादास जी ने किया। कार्यक्रम में क्षेत्र के गणमान्य नागरिक और गोपेश्वर ट्रस्ट व महिला समिति के सदस्यगण उपस्थित रहे।

पुष्कर से केकड़ी तक भक्ति से ओतप्रोत कावड़ यात्रा 22 जुलाई को होगी सम्पन्न

श्रद्धा, सेवा और अनुशासन के साथ तैयारियां पूरी

केकड़ी, श्रावण मास के अवसर पर विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल द्वारा आयोजित पुष्कर-केकड़ी कावड़ यात्रा की तैयारियां पूरी हो गई हैं। यात्रा को लेकर शिवम वाटिका में समीक्षा बैठक हुई, जिसमें यात्रा की रूपरेखा और व्यवस्थाएं तय की गईं। यात्रा संयोजक रामावतार चौधरी ने बताया कि 19 जुलाई को केकड़ी से बसों द्वारा श्रद्धालु पुष्कर पहुंचेंगे। 20 जुलाई सुबह जल भरने के बाद पैदल यात्रा शुरू होगी। 21 जुलाई को यात्रा सरवाड़ पहुंचेगी और 22 जुलाई को केकड़ी आकर निर्मलेश्वर महादेव मंदिर में जलाभिषेक के साथ यात्रा पूर्ण होगी। जिला सह संयोजक ऋषिराज चौधरी ने बताया कि श्रद्धालुओं के लिए विश्राम, जलपान, चिकित्सा आदि की व्यवस्थाएं पूरी कर ली गई हैं। आयोजन में सैकड़ों कार्यकर्ता जुटे हैं, जिनमें अनुराग शर्मा, गोविंद वैष्णव, रमेश शास्त्री, मुकेश शर्मा सहित कई सक्रिय हैं।

इमाम हुसैन की याद में रक्तदान शिविर, 125 यूनिट रक्त संग्रहित

किस्मत भीलवाड़ा

आसींद, शुक्रवार को इमाम हुसैन की याद में रंगरेज समाज खारी का ढावा द्वारा आयोजित रक्तदान शिविर में 125 यूनिट रक्त का संग्रहण हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन पूर्व विधायक हगामी लाल मेवाड़ा, हुरड़ा प्रधान कृष्णा सिंह राठौड़, पूर्व चेयरमैन धनराज गुर्जर और चंद्रवीर सिंह जगपुरा ने किया। समाज के सदर हाजी मोहम्मद शरीफ और सेक्रेटरी यूनुस नीलगढ़ ने बताया कि शिविर में युवाओं व महिलाओं ने उत्साह से भाग लिया। रक्त संग्रहण महात्मा गांधी हॉस्पिटल, भीलवाड़ा की टीम द्वारा किया गया। मौलाना मुमताज़, हाजी दाऊद अली, रणजीत सिंह राणा, हाजी रमजान, गिरधारी लाल मूसा, आरिफ मास्टर, शब्बीर बिहारी सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे। आयोजकों ने बताया कि हर वर्ष मुहर्रम के मौके पर रक्तदान शिविर आयोजित किया जाएगा।

MP का घूसखोर नारकोटिक्स इंस्पेक्टर और दलाल गिरफ्तार

1 करोड़ की रिश्वत मांगी,53 लाख में सौदा हुआ,44 लाख ले चुके थे

किस्मत भीलवाड़ा

चित्तौड़गढ़ केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (CBI) की जयपुर टीम ने मध्यप्रदेश के केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो (CBN) के घूसखोर इंस्पेक्टर और दलाल को पकड़ा। इंस्पेक्टर ने नारकोटिक्स के केस में परिवार को नहीं फंसाने की एवज में 1 करोड़ रुपए की रिश्वत की मांगी थी। सौदा 53 लाख रुपए में तय हुआ था। 3 किश्त में दलाल के जरिए 44 लाख ले चुका था। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (CBI) जयपुर में 15 जुलाई को परिवादी बड़ीसादड़ी निवासी मांगीलाल गुर्जर ने शिकायत दी थी। मांगीलाल ने बताया था कि नीमच में तैनात नारकोटिक्स इंस्पेक्टर महेंद्र सिंह ने बड़ीसादड़ी स्थित उसके घर पर 27 मार्च को छापा मारकर 400 किलो डोडाचूरा जब्त किया था। छापे के बाद, महेंद्र सिंह ने मांगीलाल के

परिवार से कहा था कि वे चित्तौड़गढ़ के डूंगला में आला खेड़ी निवासी जगदीश मेनारिया से संपर्क कर लें। थोड़े दिन बाद जगदीश ने खुद मांगीलाल से संपर्क किया। महेंद्र सिंह ने जगदीश के जरिए मांगीलाल को धमकी दी कि अगर वह 1 करोड़ रुपए की रिश्वत नहीं देगा, तो उसे और उसके पूरे परिवार को नारकोटिक्स के केस में फंसा देगा। उसके बाद सौदा 53 लाख में तय हो गया। मांगीलाल तीन किश्त में दलाल के जरिए 44 लाख रुपए आरोपी को दे चुका था, लेकिन रिश्वत का सिलसिला यहीं नहीं रुका। महेंद्र सिंह और जगदीश मेनारिया ने नौ लाख रुपए की और मांग की। परेशान होकर मांगीलाल ने सीबीआई जयपुर की टीम को शिकायत की। सीबीआई टीम ने शिकायत का सत्यापन करवाया, तो सही निकली। इसके बाद सीबीआई की टीम की योजना के अनुसार पीड़ित ने तीन लाख रुपए देने के बहाने गुरुवार रात दलाल को सांवलिया जी के पास एक होटल में बुलवाया। जैसे ही दलाल पैसे लेने आया, सीबीआई की टीम ने उसे पकड़ लिया।

महेंद्र सिंह को उज्जैन से गिरफ्तार किया

दलाल की गिरफ्तारी के बाद पूछताछ की गई, तो पूरे मामले में नारकोटिक्स इंस्पेक्टर महेंद्र सिंह का नाम आया। इसके बाद सीबीआई की टीम ने शुक्रवार को महेंद्र सिंह को उज्जैन से गिरफ्तार किया। जांच में यह भी पता चला कि आरोपी महेंद्र सिंह ने सीकर, जयपुर और नीमच में गलत तरीके से कमाए गए पैसे से कई संपत्तियां खरीदी है।

चित्तौड़गढ़ में टीचर ने अपने स्टूडेंट्स के अश्लील वीडियो बनाए

बच्चों से आपस में घिनौनी हरकत करवाता था; शिक्षा मंत्री बोले- यह शिक्षक नहीं, राक्षस है

बेगूं (चित्तौड़गढ़) चित्तौड़गढ़ में 59 साल के सरकारी टीचर ने स्कूल में अपने ही स्टूडेंट्स का अश्लील वीडियो बनाए। बच्चों से आपस में अश्लील हरकतें करवाता था। 2 साल से टीचर यह घिनौनी हरकत कर रहा था। वह बच्चों को फेल करने की धमकी देता था। आरोपी शिक्षक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। टीचर को निलंबित कर दिया है। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कहा- वीडियो देखकर लगता है यह टीचर नहीं, राक्षस है।

टीचर की घिनौनी हरकतें कैसे हुई उजागर...

मामला बेगूं इलाके का है। एक स्टूडेंट ने घरवालों को स्कूल में आगे की क्लास में एडमिशन कराने से मना कर दिया। बच्चा स्कूल से टीसी कटाने की जिद करने लगा। बच्चे को विश्वास में लेकर घरवालों ने कारण पूछा तो उसने पूरी घटना बताई। घरवालों को मामले का पता चलते ही उन्होंने गांव के लोगों को शिक्षक की हरकत के बारे में बतया। इसके बाद गांव वाले आज सुबह 9 बजे स्कूल पहुंचे और हंगामा किया। लोगों ने स्कूल के गेट पर ताला लगाने की कोशिश की। लोग स्कूल के बाहर प्रदर्शन करने लगे। नायब तहसीलदार विष्णु यादव, थानाधिकारी शिवलाल मीणा मौके पर पहुंचे और

गांव वालों से समझाइश की।

दो साल से चल रहा था टीचर का गंदा खेल...

एक बच्चे के परिजन ने बताया- टीचर 2 साल से स्कूल में बच्चों के साथ अश्लील हरकतें कर रहा था। जिससे लड़के और लड़कियां परेशान थे। टीचर खुद बच्चों के साथ अश्लील हरकतें करता और बच्चों से आपस में अश्लील हरकतें करने को कहता। इनके वीडियो बनाकर अपने मोबाइल में रखता। फिर बच्चों को धमकियां देता कि किसी को बताया तो फेल कर दूंगा। अश्लील हरकतों से पीड़ित बच्चे 12 से 18 साल तक के है।

7 साल से स्कूल में पढ़ा रहा था शिक्षक

गांव के व्यक्ति ने बताया- आरोपी ग्रेड थर्ड टीचर है। वह पिछले 7 साल से इस स्कूल में कार्यरत है। वह पहली से 5वीं कक्षा को अंग्रेजी और गणित पढ़ाता है। जानकारी के अनुसार- शिक्षक का इसी साल 30 नवंबर 2026 को रिटायर था।

ACBEO बालूराम भील ने बताया-

टीचर की अश्लील हरकतों की पहले कभी शिकायत नहीं मिली थी। आज मामला सामने आया तो डूंगला CBEO अनिल पोरवाल के नेतृत्व में टीम गठित की गई। टीम की ओर से जांच की जा रही है। चित्तौड़गढ़ से पहुंची टीम ने पीड़ित बच्चों का मेडिकल कराया गया है।

आरोपी शिक्षक को किया गिरफ्तार

थानाधिकारी शिवलाल मीणा ने बताया-आरोपी शिक्षक को गिरफ्तार कर लिया है। करीब 10-15 बच्चों के अलग-अलग बयान लिए गए हैं, जिनका मेडिकल कराया गया है। पॉक्सो, एससी-एसटी एक्ट, आईटी एक्ट समेत कई धाराओं में मामला दर्ज किया गया है।

आज भारी बारिश की चेतावनी, 6-जिलों में स्कूलों की छुट्टी

जयपुर में रातभर बरसात, बूंदी, प्रतापगढ़ और धौलपुर में 5 इंच से ज्यादा पानी बरसा

किस्मत भीलवाड़ा

जयपुर बंगाल की खाड़ी से आए डिप्रेशन सिस्टम की राजस्थान में एंट्री हो गई। इसके साथ ही भारी बारिश का दौर शुरू हो गया। शुक्रवार को बूंदी, अजमेर, राजसमंद, पाली, कोटा, प्रतापगढ़, जोधपुर, धौलपुर समेत कई जिलों में भारी बारिश हुई। वहीं, शनिवार को भी 6 जिलों (जोधपुर, नागौर, पाली, अजमेर, सिरोही, जालोर) में भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट है। वहीं, 8 जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है। जयपुर में शुक्रवार शाम को शुरू हुआ बारिश का दौर आज सुबह भी जारी है। इस बीच कोटा, बारां, झालावाड़, अजमेर, बूंदी और राजसमंद में स्कूलों की छुट्?टी रहेगी। शनिवार को बूंदी में 7.87 इंच, प्रतापगढ़, धौलपुर में 5-5 इंच पानी बरसा। राजसमंद में तालाब फूटने से 3 स्कूली बच्चों सहित 7 लोग पानी के बहाव में फंस गए। जोधपुर के अरना-झरना क्षेत्र में

डूबने से युवक की मौत हो गई। सीकर में 13 साल के बच्चे की डूबने से मौत हो गई। राजस्थान में बारिश से हुए हादसों में बीते चार दिन में राजस्थान में 23 लोगों की जान गई है।

प्रतापगढ़, धौलपुर में 5-5 इंच पानी बरसा

पिछले 24 घंटे के दौरान सबसे ज्यादा बरसात प्रतापगढ़ जिले में 148MM हुई। धौलपुर के सरमथुरा में 140, अजमेर के मां गलियावास में 89, पीसांगन में 65, बांसवाड़ा के सलोपत में 50, बूंदी के नैनवां में 98 एमए पानी बरसा। वहीं, इंद्रगढ़ में 55, जोधपुर के बालेसर में 98, शेरगढ़ में 60, कोटा के पीपल्दा में 66, पाली के देसूरी में 96, राजसमंद के कुंभलगढ़ में 75, देवगढ़ में 60, नागौर के रियाबड़ी में 57, सवाई माधोपुर के तलवाड़ा में 51 और उदयपुर के झाड़ोल में 50MM बरसात दर्ज हुई। भारी बारिश के कारण राजसमंद, पाली, अजमेर, जोधपुर, धौलपुर में कई इलाके जलमग्न हो गए। तेज बरसात के कारण इन इलाकों में तापमान में 5 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया।

19 जुलाई से कोर्ट्स मे होंगे काम ठप्प

प्रदेश एवम जिला न्यायिक कर्मचारी संघ के आह्वान पर न्यायिक कर्मी रहेंगे सामूहिक अवकाश पर

किस्मत भीलवाड़ा

केकड़ी -अजमेर प्रदेश एवम जिला न्यायिक कर्मचारी संघ के आह्वान पर 19 जुलाई से समस्त न्यायिक कर्मचारी सामूहिक अवकाश पर रहेंगे जिसके कारण सभी न्यायालयों मे कार्य ठप्प हो जायेंगे अजमेर जिले मे जिला न्यायिक कर्मचारी संघ की शुक्रवार को अजमेर मे संपन्न आमसभा मे प्रदेश कार्यकारिणी द्वारा आहूत सामूहिक अवकाश पर जाने के निर्णय का सर्व सम्मति से अनुमोदन किया गया जिसकी लिखित सूचना जिला न्यायाधीश अजमेर को दे दीं गई है न्यायिक कर्मचारियों के राज्य भर मे

सामूहिक अवकाश पर जाने का प्रमुख कारण राज्य सरकार द्वारा राजस्थान उच्च न्यायालय की फुल बेंच द्वारा पारित केडर पूनर्गठन सम्बन्धी प्रस्ताव को 6-5-2023 से नजर अंदाज करते हुए लंबित रखा जाना है न्यायिक कर्मचारी संघ के नेताओं का कहना है की राजस्थान उच्च न्यायालय द्वारा राज्य सरकार को जिला न्यायालय लिपिक वर्गीय संस्थापन नियम 1986 में भी संशोधित करवाकर दिनांक 06.05.2023 को भेजा गया था परन्तु राज्य सरकार द्वारा लम्बे समय से उक्त प्रस्ताव को लंबित रखकर राज्य सरकार माननीय राजस्थान उच्च न्यायालय की पूर्णपीठ से पारित आदेश / प्रस्ताव की पालना सुनिश्चितनहीं कर रही है, जो कि संवैधानिक संस्था के आदेशों की अवज्ञा/ अवहेलना है।

सड़क हादसे में ड्राइवर की मृत्यु होने पर ड्राइवर भाइयों ने इकट्ठा की सहयोग राशि

किस्मत भीलवाड़ा

पंडेर - 18 जुलाई पंडेर उप तहसील के गोकुलपुरा गांव के निवासी राकेश गुर्जर पिता लक्ष्मण गुर्जर की विगत महीने दिनांक 12 जून 2025 को सड़क हादसे में मृत्यु हो गई थी। जिस पर ड्राइवर भाइयों ने 14 जून 2025 को एक ग्रुप बनाया। जिसमें मृतक ड्राइवर के परिवार को सहयोग प्रदान करने हेतु एक अपील की थी। जिस पर सैकड़ो की संख्या में ड्राइवर भाइयों ने सहयोग करते हुए कुल राशि 111687 रुपए की की सहयोग राशि इकट्ठा कर। आज मृतक राकेश गुर्जर के घर गोकुलपुरा पहुंचकर ड्राइवर मृतक राकेश गुर्जर के पिताजी लक्ष्मण जी गुर्जर को सहयोग राशि सौंप कर सहयोग प्रदान किया। इस मौके पर संतराम वैष्णव, रामजस गुर्जर, घनश्याम दरोगा, भागचंद गुर्जर, दिलखुश गुर्जर, शिवराज मीणा, प्रकाश गुर्जर, चेतन गुर्जर, कालू जी गुर्जर, बनवारी गुर्जर, जसवंत मीणा के साथ कहीं ड्राइवर भाई मौजूद थे।

वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित

किस्मत भीलवाड़ा

आकोला राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय मेहता जी का खेड़ा में राजस्थान सरकार के हरियालो राजस्थान योजना के तहत् पौधारोपण कार्यक्रम युवराज सिंह राणावत अध्यक्ष व उपाध्यक्ष कालू सिंह चौहान ,प्रधानाचार्य कालू लाल बातेड़ा के सानिध्य में आयोजित हुआ । राणावत ने बताया कि पेड़ हमारे जीवन में अहम भूमिका निभाते हैं इनका संरक्षण हम सभी को करना चाहिए । चौहान ने बताया कि जहां पेड़ है वहां खुशहाली है पर्यावरण को शुद्ध रखने के लिएअधिक से अधिक पेड़ लगा उनकी सुरक्षा करें । इस अवसर पर विद्यालय परिसर में फलदार व छायादार पौधे लगाए गए । कार्यक्रम में बालू लाल तेली, मिट्ठू लाल प्रजापत, सोलाल सिंह चौहान ,उदय लाल धाकड़ , गोपाल सुथार , महराम धाकड़ सहित विद्यालय स्टाफ , बालक बालिकाएं उपस्थित थे।

बारिश के कारण फसलें पानी में डूबी नुकसान

किस्मत भीलवाड़ा

आकोला क्षेत्र के गेणोली गांवों में लगातार एक सप्ताह से बारिश होने के कारण मूंगफली मक्का एवं अन्य फसलें पानी में डूब गई है किसानों ने बताया कि हजारों रुपए की लागत से खाद डालकर फसलों को बोया था लेकिन लगातार बारिश के कारण सभी फसलें खराब हो गई वहीं धाकड़ खेड़ी गांवों में किसानों ने बताया कि फसलों में पानी भर गया सरकार से उचित मुआवजा की मांग की है

पुष्कर से जल लेकर आये कावड़ यात्रियों का ग्रामीणों ने किया स्वागत

किस्मत भीलवाड़ा

गुलाबपुरा निकटवर्ती ग्राम भोजरास में पहली बार पुष्कर से पैदल कावड़ में जल ले कर पहुचे अशोक कुम्हार, सोलिन राय, रामेश्वर पुरी, मुकेश चौहान का ग्रामीणों ने जगह-जगह पर पुष्प वर्षा, माला, दुपट्टे के साथ जय भोले के जयकारो के साथ डी. जे. पर भव्य स्वागत किया गया। इसके पश्चात शिव मंदिर पर अभिषेक किया गया। इस अवसर पर सलोनी रॉय, अशोक कुमार प्रजापत,रामेश्वर पुरी,मुकेश दरोगा ,उपसरपंच ओमप्रकाश प्रजापत,भोपाल सिंह गहलोत, दुर्गेश जाट, जगदीश टेलर, घेवर गुर्जर, घनश्याम नागला, पंडित हरिओम शास्त्री सहित ग्रामीण मौजूद थे।

गायत्री चेतना केन्द्र द्वारा प्रतिभाओ का किया सम्मान

किस्मत भीलवाड़ा

गुलाबपुरा गायत्री चेतना केन्द्र बिजयनगर द्वारा प्रतिभाओ का किया सम्मान। अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार द्वारा वर्ष 2024 में आयोजित भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा में तहसील स्तर पर उत्कृष्ट परिणाम प्राप्त करने वाले छात्र छात्राओं को पुरस्कार वितरण एवं सहयोगी संस्था प्रधान एवं प्रभारी शिक्षकों के सम्मान का दो दिवसीय कार्यक्रम गायत्री चेतना केन्द्र विजयनगर द्वारा किया गया, परिक्षेत्र के 12 विद्यालयों में चेतना केन्द्र प्रभारी रामगोपाल जोशी के नेतृत्व में परिवार के सदस्य गोपाल स्वरूप राठौड़, ललित कुमार वैष्णव, संपत सिंह परिहार खारी का लाम्बा, श्रीमति पुष्पा देवी जोशी, श्रीमति पार्वती देवी वैष्णव सहित विद्यालय के शिक्षकों एवं छात्र छात्राओं की सहभागिता रही।

भीलवाड़ा सांसद अग्रवाल के प्रयासों से भीलवाड़ा को मिली काचीगुड़ा तक नई ट्रेन की सौगात

किस्मत भीलवाड़ा

भीलवाड़ा । भीलवाड़ा सांसद दामोदर अग्रवाल के प्रयासों से भीलवाड़ा को जोधपुर काचीगुड़ा ट्रेन की नई सौगात मिली है । साँसद प्रवक्ता विनोद झुरानी ने बताया कि ट्रेन नम्बर 17605/ 17606 प्रतिदिन चलेगी। यह ट्रेन जोधपुर से शुरू होकर मारवाड़ जंक्शन, अजमेर, भीलवाड़ा, रतलाम, भोपाल, खंडवा, अकोला होते हुए काचीगुड़ा जाएगी । साँसद अग्रवाल ने रेल मंत्री से मिलकर भीलवाड़ा के लिये भारतवर्ष के विभिन्न शहरों से भीलवाड़ा की सीधी कनेक्टिविटी मांग की थी । इसी मांग पर अमल करते हुए यह सौगात दी । सांसद दामोदर अग्रवाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव का आभार व्यक्त किया व कहा कि इस नई ट्रेन के चलने से भीलवाड़ा के व्यापार को नई दिशा मिलेगी । भीलवाड़ा कपड़ा मंडी के नाम से जाना जाता हैं इस ट्रेन से टेक्सटाइल व्यवसाय को भी पंख लगेंगे।

चौधरियास तालाब की रपट की दिवार जर्जर टूटने की कगार पर

किस्मत भीलवाड़ा

भीलवाड़ा क्षेत्र की सूठेपा ग्राम पंचायत क्षेत्र के चौधरियास गांव का तालाब की रपट की दीवार जर्जर होकर कई जगह से क्षतिग्रस्त हो गई, जो पानी के दबाव के चलते टूट सकती हैं, जिससे लेकर ग्रामीण काफी चिंतित है । ग्रामीणों ने बताया कि गांव के सबसे बड़े तालाब की रपट की दीवार कई जगहों से क्षतिग्रस्त हो रही है, वही दीवार पर बड़ी-बड़ी दरारे आ गई, क्षेत्र में सुबह से हो रही बारिश के चलते तालाब में पानी की आवक बनी हुई है, तालाब लबालब होता है तो रपट की दीवार का टूटने का खतरा बना रहेगा, जिससे लेकर ग्रामीण व किसान काफी चिंतित है, क्यों की अगर रपट की दीवार टूटती हैं तो इसकी चपेट में आने से कई बीघा फसल पानी से नष्ट होगी, ग्रामीण ने इसे लेकर कई बार अधिकारी व जनप्रतिनिधियों को अवगत करा चुके हैं ।

बड़लियास में रविवार को कावड़ यात्रा

किस्मत भीलवाड़ा

भीलवाड़ा क्षेत्र के बड़लियास कस्बे में रविवार 20 जुलाई को विशाल कावड़ यात्रा का आयोजन किया जाएगा, यह कावड़ यात्रा चंवरा के हनुमान जी के यहां से प्रारंभ होगी । सखी मित्र मंडल के द्वारा आयोजन किया जाएगा । सदस्यों ने बताया कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी श्रावण मास में मुख्य बस स्टैंड पर बालाजी की बगीचे में स्थित शिवालय पर कावड़ यात्रा के जल से अभिषेक किया जाएगा, इसी को लेकर रविवार 20 जुलाई को प्रातः 8:00 बजे चंवरा के हनुमान जी के यहां से कावड़ यात्रा प्रारंभ होगी, जो विभिन्न मार्गो से होते हुए बालाजी की बगीची में पहुंचेगी, जहां कावड़ के जल से भोलेनाथ का अभिषेक किया जाएगा, सखी मित्र मंडल के सदस्यों द्वारा कावड़ यात्रा की तैयारी की जा रही है ।

बनेड़ा पुलिस को बड़ी कामयाबी, 5 हजार का इनामी अपराधी गिरफ्तार

किस्मत भीलवाड़ा

बनेड़ा, जिला स्पेशल टीम भीलवाड़ा और थाना बनेड़ा पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए 5,000 रुपये के इनामी वांछित अपराधी शैतान पुत्र ब्रदीलाल बंजारा (उम्र 27), निवासी बंजारों का खेड़ा, तस्वारिया, थाना शाहपुरा को गिरफ्तार किया है। यह विभिन्न आपराधिक मामलों में वांछित था। गिरफ्तारी पुलिस अधीक्षक धर्मेन्द्र सिंह (आईपीएस) के निर्देशन और एएसपी शाहपुरा राजेश आर्य एवं वृत्ताधिकारी औमप्रकाश विश्नोई की निगरानी में हुई। आरोपी के खिलाफ थाना बनेड़ा में दर्ज प्रकरण के तहत कार्रवाई की गई है। गिरफ्तारी में विशेष भूमिका निभाने वाले पुलिसकर्मियों में उ.नि. महेन्द्र सिंह, हेड कांस्टेबल प्रतापराम, सत्यनारायण, रिषिकेश, अमृतसिंह, अजय कुमार और विक्रमसिंह शामिल रहे। पुलिस आरोपी से अन्य मामलों में भी पूछताछ कर रही है।

22 जुलाई को विशाल रक्तदान शिविर, शिक्षक निभाएंगे अग्रणी भूमिका

किस्मत भीलवाड़ा

केकड़ी, राजस्थान शिक्षक संघ राष्ट्रीय उपशाखा केकड़ी की बैठक शुक्रवार को पीएमश्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में जिला संरक्षक बिरदीचन्द वैष्णव की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में 22 जुलाई को आयोजित होने वाले विशाल रक्तदान शिविर की तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की गई। अध्यक्ष नवलकिशोर जांगिड़ ने सभी शिक्षक कार्यकर्ताओं से बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की। विभाग संगठन मंत्री जितेन्द्र सिंह राठौड़ और जिलाध्यक्ष महेश शर्मा ने भी शिविर को सफल बनाने के लिए सुझाव दिए। विभिन्न व्यवस्थाओं हेतु कार्यकर्ताओं के दल गठित कर उन्हें जिम्मेदारियां सौंपी गईं। बैठक में सदस्यता अभियान, मेरा विद्यालय मेरा तीर्थ, गुरु वंदन और 3 अगस्त को प्रस्तावित वन भ्रमण कार्यक्रम पर भी विचार हुआ। कोषाध्यक्ष प्रदीप जैन ने आभार प्रकट किया। बैठक में कई शिक्षक कार्यकर्ता व पदाधिकारी उपस्थित रहे।

श्रावण मास की कांवड़ यात्रा में प्लास्टिक पर रोक की मांग

मणी एजुकेशनल सोसाइटी ने जिला प्रशासन को सौंपा ज्ञापन

भीलवाड़ा, 18 जुलाई। श्रावण मास के दौरान जिले में चल रही कांवड़ यात्राओं को लेकर मणी एजुकेशनल सोसाइटी ने पर्यावरण संरक्षण की दिशा में पहल करते हुए जिला प्रशासन से कांवड़ यात्रा में प्लास्टिक उपयोग पर रोक लगाने की मांग की है। सोसाइटी की सचिव अनुराधा झा ने ज्ञापन सौंपते हुए कहा कि भंडारों, जलसेवा और प्रसाद वितरण में उपयोग हो रहे प्लास्टिक बैग, गिलास, बोतलें व थैलियां पर्यावरण को नुकसान पहुंचा रही हैं और धार्मिक स्थलों की पवित्रता भी प्रभावित हो रही है। उन्होंने सुझाव दिया कि प्रशासन अधिसूचना जारी कर प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगाए, जागरूकता अभियान चलाए और आयोजकों को इको-फ्रेंडली विकल्प अपनाने के निर्देश दे। डस्टबिन, सफाई व्यवस्था और कचरा पृथक्करण की व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाए। अनुराधा झा ने कहा कि श्रद्धा के साथ प्रकृति का संरक्षण भी जरूरी है।

चातुर्मास में आध्यात्मिक चेतना का संचार भीलवाड़ा में उमड़े श्रावक-श्राविकाएं

कुमुदलताजी म.सा. बोलीं - "जो गम खाता है, इतिहास में नाम अमर करता है"

किस्मत भीलवाड़ा

भीलवाड़ा, सुभाषनगर स्थानक पर आध्यात्मिक चातुर्मास आयोजन समिति एवं श्रीसंघ के तत्वावधान में शुक्रवार को आयोजित धर्मसभा में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। अनुष्ठान आराधिका महासाध्वी डॉ. कुमुदलताजी म.सा. ने कहा कि जो व्यक्ति जीवन में नमना और गम खाना सीख जाता है, वही इतिहास के स्वर्णिम पृष्ठों में अपना नाम दर्ज कराता है। उन्होंने तप, संयम और स्वाध्याय के महत्व पर बल देते हुए कहा कि चातुर्मास के दौरान आत्मशुद्धि का यह उपयुक्त समय है। उन्होंने श्रावकों से कम से कम चार मासखमण और 108 अठाई करने की प्रेरणा दी। महासाध्वी ने कहा कि "जैसा अन्न, वैसा मन, और जैसा जल, वैसी वाणी" – इसलिए सात्विक भोजन व संयमित जीवन शैली अपनाने की सीख दी। उन्होंने आहार पर नियंत्रण को निरोगी जीवन का मूल बताया। साथ ही जिनशासन की सेवा में जीवन समर्पित करने वाले परिवारों की सराहना की। धर्मसभा में महासाध्वी महाप्रज्ञाजी म.सा. ने भजन प्रस्तुत किया। साध्वी पद्मकीर्तिजी म.सा. ने सुखविपाक सूत्र का वाचन करते हुए कहा कि सुख-दुख जीवन के दो पहलू हैं, समभाव से जीने वाला ही सच्चा सुखी होता है। इस अवसर पर पद्मावती एकासन विधि सम्पन्न हुई, जिसमें 550 से अधिक श्रद्धालु शामिल हुए। कई परिवारों ने तपस्या का लाभ लिया व स्वागत सत्कार हुआ। समिति अध्यक्ष दौलतमल भड़कत्या, सचिव राजेन्द्र सुराना, श्रीसंघ अध्यक्ष हेमन्त कोठारी सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। संचालन राजेन्द्र सुराना ने किया। चातुर्मासिक आराधना के दौरान भीलवाड़ा सहित आसपास क्षेत्रों से अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे और तप, त्याग व आराधना से जुड़कर आध्यात्मिक ऊर्जा प्राप्त की।

जोधपुर जेल में शिफ्ट कराने के लिए फर्जी मामला बनाया

एसएचओ और कॉन्स्टेबल निलंबित,हिसार जेल में बंद आरोपी के भाई ने बनाई प्लानिंग

किस्मत भीलवाड़ा

जोधपुर हरियाणा के हिसार की जेल में बंद कैदी को जोधपुर सेंट्रल जेल शिफ्ट करने के लिए पुलिस ने फर्जी मामला बना दिया। जांच में खुलासा होने पर शुक्रवार को एसएचओ और कॉन्स्टेबल को सस्पेंड कर दिया गया। भोपालगढ़ डीएसपी भूराराम खिलेरी ने बताया- जोधपुर के नांदिया प्रभावती निवासी जोराराम बिश्नोई फतेहाबाद में नशे की तस्करी में पकड़ा गया था। हरियाणा पुलिस ने 2 जुलाई को गिरफ्तार किया, जो वर्तमान में हिसार की जेल में बंद है। आरोपी के परिजन चाहते थे कि उसे जोधपुर ले आए। जोराराम के भाई रामनिवास ने नांदिया के सरपंच प्रतिनिधि महेंद्र से बात की। उससे बात कर ये प्लानिंग की गई थी कि जोराराम के खिलाफ आर्म्स एक्ट में एक मामला दर्ज करवाते हैं। पुलिस उसे पूछताछ के लिए यहां लाएगी। बाद में उसे हिसार से जोधपुर जेल शिफ्ट कर देंगे। इस प्लानिंग के तहत रामनिवास ने विष्णु विश्नोई को 30 हजार रुपए देकर आर्म्स एक्ट के मामले को उसके खिलाफ दर्ज करवाने के लिए तैयार किया। तय हुआ कि उसे पुलिस को सूचना देकर गिरफ्तार करवाया जाएगा। बाद में पूछताछ में जोराराम का नाम ले लेगा, जिससे कि पुलिस उसे पूछताछ के लिए हिसार से यहां ला सके। सरपंच प्रतिनिधि महेंद्र ने जोराराम के भाई रामनिवास के साथ मिलकर 9 जुलाई को भोपालगढ़ थाने में बात की। यहां पर प्लानिंग के तहत मामला दर्ज करवाने की बात को लेकर भोपालगढ़ थाना प्रभारी ने इनकार कर दिया।

कॉन्स्टेबल ने की थी सेटिंग

भोपालगढ़ पुलिस के मना करने पर जोराराम के भाई रामनिवास और सरपंच प्रतिनिधि महेंद्र ने मिलकर खेड़ापा थाने के कॉन्स्टेबल राकेश बिश्नोई से संपर्क कर उसे पूरी प्लानिंग के बारे में बताया। उसके हां करने के बाद तय प्लानिंग के तहत विष्णु को 12 जुलाई को खेड़ापा पुलिस ने एक ढाबे से अवैध हथियार के साथ गिरफ्तार किया था। जिसे थाने लाकर पूछताछ करने पर उसने बताया कि उसने अवैध हथियार जोराराम से खरीदा था।

हुरडा मे काबरा परिवार व श्री लखदातार मित्र मंडल के तत्वाधान मे नि:शुल्क चिकित्सा शिविर शनिवार को

किस्मत भीलवाड़ा

गुलाबपुरा = हुरडा ग्राम मे शनिवार को काबरा परिवार व श्री लखदातार मित्र मंडल के तत्वाधान मे नि:शुल्क परामर्श शिविर महेश भवन मे आयोजित होगा। शिविर स्व. श्री मोहन लाल काबरा की पुण्य स्मृति मे आयोजित किया जा रहा है, जिसमे नेत्र, हड्डी, दंत, नाक कान, चर्म व रक्त रोग, स्त्री प्रसूति इत्यादि का विशेषज्ञो द्वारा नि:शुल्क परामर्श व दवाई दी जायेगी। शिविर महेश भवन बस स्टेड पर सुबह दस बजे से दोपहर दो बजे तक चलेगा।

हिस्ट्रशीटर के बर्थ-डे में शामिल होना पड़ा भारी

भीलवाड़ा भीलवाड़ा के मांडल थाना क्षेत्र में गुरुवार को एक हिस्ट्रीशीटर ने मंदिर में बर्थडे पार्टी का आयोजन किया। इसमें बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। अधिकतर लोग बिना नंबर की कारों और बाइकों से पहुंचे। पुलिस को मामले का पता चला तो टीम मौके पर पहुंच गई। वहां से डंडे फटकार कर लोगों को भगाया। बिना नंबर की 11 कारें और 10 बाइकें जब्त की गई। एसपी धर्मेंद्र सिंह ने बताया- मांडल थाने के हिस्ट्रीशीटर गोपाल गुर्जर ने आयोजन किया था। शाम को पुलिस को इसकी सूचना मिली कि गोपाल गुर्जर पुत्र कानाराम इलाके के एक देवस्थान पर असामाजिक तत्वों को इकट्?ठा कर रहा है। इससे कानून व्यवस्था को प्रभावित किया जा सकता है।

सजनाबाद मे श्री पीकेवी होस्पीटल द्वारा आयोजित शिविर मे 103 लोग लाभान्वित

किस्मत भीलवाड़ा

गुलाबपुरा श्री पी. के. वी. हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर, विजयनगर व मोहसिन मेडिकल के संयुक्त तत्वावधान में शुक्रवार को सजनाबाद - गुलाबपुरा में निशुल्क चिकित्सा परामर्श एवं फिजियोथैरेपी शिविर का आयोजन किया गया। शिविर मे जनरल मेडिसिन 48 मरीज व नेत्र रोग 15 मरीज, दंत रोग 5 मरीज, नाक कान गली 5 मरीज, आर्थो / फिजियोथैरेपी 30 मरीज, कुल 103 रोगियो का निशुल्क जांच परामर्श किया गया, साथ ही ब्लड शुगर, बीपी, ईसीजी जैसी जांचें भी नि:शुल्क की गईं। गोपीचंद चौरड़िया, कार्याध्यक्ष पीकेवी हॉस्पिटल ने संस्थान के कार्यकलापों और भविष्य की योजनाओं के बारे में प्रसन्नता व्यक्त की और सभी को निस्वार्थ भाव से मरीजों की सेवा करने की प्रेरणा दी। उन्होंने बताया कि संस्थान समाज के कमजोर वर्ग के लिए निरंतर काम कर रहा है। मंत्री अंकित तातेड़ ने RCM Group भीलवाड़ा के डायरेक्टर त्रिलोकचन्द छाबड़ा का धन्यवाद प्रेषित किया, जिनके सहयोग से ग्रामीण क्षेत्र में मेडिकल कैम्प आयोजित करने के लिए सहयोग प्रदान किया व शिविर में आए मरीजों को पीकेवी हॉस्पिटल की सेवाओं के बारे में जानकारी दी। शिविर में पार्षद सलाम भाई , हाजी निजामुद्दीन व मुख्यतार हुसैन का श्री पी. के. वी. हॉस्पिटल परिवार द्वारा स्वागत किया गया। बद्री नारायण नवाल ने अस्पताल प्रशासन की और से सजनाबाद - गुलाबपुरा के सभी निवासियों व का आभार व्यक्त करते हुए बताया कि **PKV** हॉस्पिटल में सरकारी कर्मचारियों का RGHS व आम नागरिकों का मुख्यमंत्री आयुष्मान योजना के अंतर्गत निःशुल्क उपचार किया जा रहा है व **PKV** हॉस्पिटल जो कि बिजयनगर शहर के प्रथम आधुनिक सुविधाओं युक्त अस्पताल है , जहाँ चिकित्सा क्षेत्र के लगभग सभी विभाग संचालित किए जा रहे है और ष्ट्रञ स्कैन की सुविधा भी उपलब्ध है।

हरिद्वार से कामेश्वर महादेव तक 1030 KM पैदल कांवड़ यात्रा पर निकले राजेन्द्र सोलंकी

भगवान शिव की प्रतिमा कंधों पर लेकर कर रहे कठिन तपस्या

शिवगंज, 18 जुलाई। गांधी नगर, शिवगंज निवासी राजेंद्र सोलंकी पुत्र पूरण सिंह सोलंकी जाति माली, हरिद्वार से कामेश्वर महादेव तक की 1030 किलोमीटर लंबी कांवड़ यात्रा पर पैदल निकल चुके हैं। 27 जून 2025 को हरिद्वार से रवाना हुए सोलंकी भगवान शिव की प्रतिमा को कंधों पर लेकर हर हर महादेव की गूंज के साथ प्रतिदिन लगभग 30 किलोमीटर पैदल चल रहे हैं। रात्रि विश्राम वे गांवों और शहरों के मंदिर परिसरों में करते हैं। रास्ते में भोजन की व्यवस्था सहयोगियों द्वारा की जा रही है। तीन दिन वे पाली में विश्राम करेंगे और 2 अगस्त को शिवगंज पहुंचेंगे। राजेन्द्र की यह आस्था और तपस्या शिवभक्तों के लिए प्रेरणास्रोत बन रही है। "जय भोले" की गूंज और महादेव की महिमा के साथ यह यात्रा भक्ति और समर्पण की अनूठी मिसाल है।

इन्द्रमल भील बने मदारिया पंचायत के नए प्रशासक, अंबालाल गुर्जर को हटाया गया

किस्मत भीलवाड़ा

देवगढ़ (राजसमंद), – जिला कलेक्टर राजसमंद के आदेशानुसार ग्राम पंचायत मदारिया में इन्द्रमल भील को प्रशासक नियुक्त किया गया है। वे अब तक उप प्रशासक (उप सरपंच) के पद पर कार्यरत थे। जैसे ही नियुक्ति की सूचना मिली, मदारिया गांव में खुशी की लहर दौड़ गई। सोशल मीडिया पर बधाइयों का तांता लग गया। स्थानीय भाजपा पदाधिकारियों, समाजसेवियों और ग्रामीणों ने इन्द्रमल को शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर पंचायत सचिव सुनील कुमार, बालचंद सेन, किशन गुर्जर, शंकर गुर्जर, लादू नाथ योगी सहित अनेक गणमान्य मौजूद रहे। पूर्व प्रशासक अंबालाल गुर्जर को विधायक को सरकारी कार्यक्रम में आमंत्रित नहीं करने और शिलापट्ट पर उनका नाम न अंकित करने के आरोप में पद से हटाया गया। जांच में आरोप प्रमाणित पाए जाने के बाद शासन ने उन्हें पदमुक्त किया।

मांडलगढ़ में 20 जुलाई को निकलेगी भव्य कांवड़ यात्रा

किस्मत भीलवाड़ा

मांडलगढ़, – मांडलगढ़ में रविवार 20 जुलाई को भव्य कांवड़ यात्रा निकाली जाएगी। यात्रा का शुभारंभ सुबह 6:15 बजे त्रिवेणी संगम से बैंड-बाजे और भगवान शंकर की झांकी के साथ होगा। यह यात्रा होड़ा, राजावत का खेड़ा होते हुए नई आबादी स्टैचू सर्किल, जालेश्वर महादेव मंदिर, सदर बाजार, गांधी चौक और अंबा की बावड़ी से होकर गुप्तेश्वर महादेव पहुंचेगी। विभिन्न स्थानों पर जल अर्पण व महाआरती की जाएगी। आयोजन को लेकर तैयारियां जोरों पर हैं और यात्रियों की सुविधा हेतु बस स्टैंड से त्रिवेणी तक बस सेवा उपलब्ध कराई जाएगी।

सिंगोली चारभुजा में कावड़ यात्रा का स्वागत

किस्मत भीलवाड़ा

आकोला मेवाड़ के धार्मिक तीर्थ स्थल सिंगोली श्याम में शिव शक्ति सेवादल झालर बावड़ी कावड़ यात्रा का स्वागत सिंगोली श्याम मित्र मंडल के तत्वाधान में ग्राम वासियों द्वारा किया गया । यात्रा संरक्षक विष्णु प्रकाश टेलर ने बताया कि अध्यक्ष प्रदीप वैष्णव के साथ 30 सेवादल सदस्यों की कावड़ यात्रा 25 जून से श्री केदारनाथ ज्योतिर्लिंग से प्रारंभ होकर रावतभाटा राजस्थान पहुंचेगी। यात्रा का सिंगोली श्याम पहुंचने पर तिलक माल्यार्पण पुष्प वर्षा कर ग्राम वासियों द्वारा स्वागत किया । इस अवसर पर पंचायत प्रशासक राकेश कुमार आर्य ,राधेश्याम सेन, श्री राम सोमानी ,गौतम तिवाड़ी, शिवकुमार भट्ट , फतेह लाल सेन, दिनेश कुमार सेन, संदीप कुमार शर्मा ,अंकित कुमार सारस्वत , रतन सोलंकी , पप्पू सोलंकी सहित ग्राम वासी उपस्थित थे ।

नगर निगम का विशिष्ट आयोजन - वार्ड 64, 41 व 37 में हुआ सहस्त्रधारा अभिषेक, उमड़े श्रद्धालु

किस्मत भीलवाड़ा

भीलवाड़ा नगर निगम भीलवाड़ा द्वारा श्रावण मास के पावन अवसर पर महापौर राकेश पाठक के नेतृत्व में 70 वार्डों के 70 मंदिरों में 70 अभिषेक कार्यक्रम के सातवें दिन 3 वार्डों में आयोजन सम्पन्न हुए। वार्ड 64 में बायोस्कॉप के निकट स्थित शिव मंदिर में पार्षद जगदीश गुर्जर की उपस्थिति में, वार्ड 41 में पीपलेश्वर महादेव मंदिर में कैलाश शर्मा की उपस्थिति एवं वार्ड 37 में माणिक्यनगर स्थित शिव मंदिर में पार्षद मोहिनी माली, सागर माली, मंशापूर्ण महादेव समिति अध्यक्ष सत्यनारायण सोमानी, आचार्य धर्मेश व्यास की उपस्थिति में मंत्रोच्चार के साथ सहस्त्रधारा अभिषेक संपन्न हुआ। आचार्य योगेंद्र शास्त्री एवं सहयोगी पंडितों ने कार्यक्रम सम्पन्न कराया। अभिषेक के दौरान बड़ी संख्या में पुरुष और महिलाओं ने पूर्ण श्रद्धा और भक्ति के साथ पूजा अर्चना की। अभिषेक के दौरान भाजपा जिला मंत्री सुरेंद्र सिंह मोटरास,सुभाष मंडल अध्यक्ष ऋतु शेखर शर्मा, श्याम ओझा, अनिल कोठारी, सत्यनारायण गुर्जर, गजेंद्र सिंह, केपी व्यास, मदन माली, कालू सिंह भाटी, लाल जीनगर, भेरू सिंह, जगदीश सालवी, सावन सुखवाल, सुरेंद्र सिंह, राकेश कोठारी, कैलाश जागेटिया, महेन्द्र भांडिया, राजेश राठी, ललित सेन, श्याम शर्मा, अनुराग गट्टाणी, सुखमाल चौधरी, सुनील ओझा, ममता सोनी, उमा तोषनीवाल सहित अनेक वार्डवासी एवं श्रद्धालु मौजूद रहे।

जनसुनवाई में उत्कृष्ट प्रदर्शन, राज्य स्तर पर प्रशंसा

100 से अधिक प्रकरणों का निस्तारण, कलक्टर ने दिए शत-प्रतिशत समाधान के निर्देश

किस्मत भीलवाड़ा

भीलवाड़ा, जिला स्तरीय जनसुनवाई एवं जन अभाव अभियोग सतर्कता समिति की बैठक शुक्रवार को सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग के वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कक्ष में सम्पन्न हुई। बैठक में 100 से अधिक जनसुनवाई प्रकरणों और 4 सतर्कता मामलों की सुनवाई की गई, जिनमें से अधिकांश का समाधान मौके पर ही कर दिया गया। इनमें अतिक्रमण, रास्तों के विवाद, जलभराव, गंदगी, पेयजल, राशन कार्ड, पुलिस से संबंधित शिकायतें प्रमुख रहीं। जिला कलेक्टर जसमीत सिंह संधु ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी आवेदनों का शीघ्र और संतोषजनक समाधान किया जाए। भीलवाड़ा जिला प्रदेश स्तर पर जनसुनवाई प्रकरणों के समयबद्ध निस्तारण में पुनः प्रथम स्थान पर रहा, जिसे लेकर राज्य के मुख्य सचिव सुधांश पंत ने जिला प्रशासन की सराहना की। उन्होंने अन्य जिलों को भी भीलवाड़ा से प्रेरणा लेने को कहा। कलेक्टर संधु ने कहा कि जनसुनवाई का उद्देश्य आमजन को राहत देना है। सभी विभागीय अधिकारी संवेदनशीलता के साथ कार्य करें और जनहित के हर प्रकरण को गंभीरता से लें। बैठक में एडीएम प्रतिभा देवठिया, जिले के अधिकारीगण तथा उपखंड व ब्लॉक अधिकारी वर्चुअल रूप से शामिल हुए।

चिंतन

टीआरएफ के आतंकी संगठन घोषित होने से पाक बेनकाब

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की दूसरी पारी में अमेरिकी नीतियों में अस्थिरता और पाकिस्तान के प्रति झुकाव के बावजूद अमेरिका का पहलगाम हमले के लिए जिम्मेदार 'द रेजिस्टेंस फ्रंट' को विदेशी आतंकवादी संगठन घोषित करना न केवल भारत की कूटनीतिक जीत है, बल्कि इस आतंकी हमले में पाकिस्तान स्थित आतंकवादी गुटों के हाथ की पुष्टि भी है। पाकिस्तान के आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा का मुखौटा संगठन 'द रेजिस्टेंस फ्रंट' (टीआरएफ) है। पहलगाम आतंकी हमले की जिम्मेदारी टीआरएफ ने ली थी, हालांकि बाद में पाकिस्तान एस्टाब्लिशमेंट के कहने पर टीआरएफ अपने दावे से पीछे हट गया था। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा है कि यह कार्रवाई पहलगाम हमला मामले में न्याय संबंधी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के रुख पर काम करने की अमेरिका की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। हालांकि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान विदेश नीति व कूटनीतिक परिपाटी का उल्लंघन करते हुए ट्रंप ने भारत व पाक के बीच युद्ध विराम पर सहमति का पहले ऐलान कर नई दिल्ली को असहज कर दिया था। इस दौरान ऐसी स्थिति बनी कि अमेरिका पाकिस्तान के साथ खड़ा दिखा। पाक के सेना प्रमुख ने पीओके में भारत व हिंदुओं के खिलाफ भड़काऊ बयान दिया, उसके कुछेक दिनों बाद ही पहलगाम में आतंकवादी हमला हुआ, जिसमें धर्म पूछ कर निहत्थे निर्दोष पर्यटकों को निशाना बनाया। इस आतंकी हमले में पाकिस्तान स्थित आतंकी गुटों का स्पष्ट हाथ था, जिसके खिलाफ भारत ने ऑपरेशन सिंदूर किया। इस दौरान भारतीय सेना ने पाक सरकार के प्रतिष्ठानों, सैन्य ठिकाने और आम नागरिकों को निशाना नहीं बनाया, केवल आतंकवादी गुटों के अड्डों पर टार्गेटेड हमले किए। लेकिन पाकिस्तान ने भारत पर हमले शुरू कर दिए, सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया, जिसका भारत ने करारा जवाब दिया। यह सब जानते हुए भी ट्रंप ने पाक सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर को ह्वाइट हाउस में दावत पर बुलाया और स्पेशल ट्रीटमेंट दी। हालांकि अमेरिका की यह कूटनीतिक कवायद पाकिस्तान को साधने की थी कि जब वो ईरान पर हमला करे, तो पाकिस्तान ईरान का साथ न दे। लेकिन इसकी टाइमिंग ने ट्रंप को आतंकवाद के पालक-पोसक और पहलगाम आतंकी हमले के जिम्मेदार पाकिस्तान के साथ खड़ा कर दिया। अब अमेरिका द्वारा टीआरएफ को आतंकवादी संगठन घोषित करने से पाकिस्तान वैश्विक स्तर पर बेनकाब हो गया है। भारत ने अमेरिका के इस फैसले का स्वागत किया है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने आतंकवाद रोधी अमेरिकी प्रतिबद्धता की सराहना की है, लेकिन अमेरिका की अस्थिर नीतियों के चलते अभी भारत को पैनी नजर वाशिंगटन पर रखनी चाहिए कि उसकी प्राथमिकताओं में आतंकवाद को खाद-पानी देने वाला पाकिस्तान कहां है। कहीं टैरिफ वार्ता से पहले अमेरिका का फैसला भारत को संतुष्ट करने के लिए तो नहीं है? भारत ने कई वैश्विक मंचों और द्विपक्षीय वार्ता में पाकिस्तान को आतंकवादी देश घोषित किए जाने की वकालत की है। अब देखना है कि अगर अमेरिका आतंकवाद के खिलाफ इतना ही प्रतिबद्ध है तो क्या वह पाकिस्तान को आतंकवादी देश घोषित करेगा? इस दिशा में वह कोई कदम उठाता है या नहीं। पहलगाम हमला 2008 में लश्कर-ए-तैयबा द्वारा किए गए मुंबई हमलों के बाद भारत में नागरिकों पर सबसे घातक हमला था। टीआरएफ ने भारतीय सुरक्षा बलों के खिलाफ कई हमलों की जिम्मेदारी भी ली है, जिनमें 2024 में किया गया हमला भी शामिल है।

विश्लेषण

अवधेश कुमार

छांगुर का इस्लामीकरण जाल

छांगुर उर्फ जिंदा पीर ऊर्फ जलालुद्दीन को जिन्होंने कपड़ों की फेरी लगाते, अंगूठी, नग, माला देते देखा होगा, उन्होंने सपने में भी उसके वर्तमान रूप की कल्पना नहीं की होगी। ऐसा व्यक्ति, जिसका अपने समाज में भी महत्व नहीं हो, 500 करोड़ से ज्यादा का साम्राज्य खड़ा कर ले, विदेशों में भी उसका नेटवर्क हो जाए, हिंदू लड़कियों -महिलाओं को मुसलमान बनाता रहे और उसके विरुद्ध शिकायत करने वाले की ही शामत आ जाए तो इसके विश्लेषण के लिए शब्द ढूंढने पड़ेंगे। भारत के हिंदुओं या सनातनियों को समझ में आना चाहिए कि चारों तरफ उनके विरुद्ध अलग-अलग तंत्र के रूप में घात लगाए हर अस्तर से शक्तिशाली शिकारियों का झुंड बैठा है।

उत्तर प्रदेश के बलरामपुर में हिंदुओं को मुसलमान बनाने का जैसा तंत्र सामने है, वह देश के प्रत्येक व्यक्ति के लिए चेतावनी है। यह स्वतंत्र भारत का अब तक का एक व्यक्ति केंद्रित हिंदुओं को मुसलमान बनाने का ऐसा सबसे बड़ा तंत्र सामने आया है जो कंपनी की तरह व्यवस्थित है, जिसकी अनेक परतें हैं। इसमें हिंदुओं को फंसाने, बरगलाने के लिए युवक - युवतियों की तैयार फौज सक्रिय है। उनकी संख्या बढ़ाई जा रही है और तंत्र के स्थायी देशव्यापी ठोस ढांचे के रूप में विस्तृत होने की प्रक्रिया भी जारी है। छांगुर उर्फ जिंदा पीर ऊर्फ जलालुद्दीन को जिन्होंने कपड़ों की फेरी लगाते, अंगूठी, नग, माला देते देखा होगा, उन्होंने सपने में भी उसके वर्तमान रूप की कल्पना नहीं की होगी। ऐसा व्यक्ति, जिसका अपने समाज में भी महत्व नहीं हो, 500 करोड़ से ज्यादा का साम्राज्य खड़ा कर ले, विदेशों में भी उसका नेटवर्क हो जाए, हिंदू लड़कियों - महिलाओं को मुसलमान बनाता रहे और उसके विरुद्ध शिकायत करने वाले की ही शामत आ जाए तो इसके विश्लेषण के लिए शब्द ढूंढने पड़ेंगे। देश-विदेश में मोटा-मोटी तीन दर्जन बैंक खाते, जिनमें लगातार धन आ और निकल रहे हों, किसी बड़ी कंपनी की गतिविधियों जैसी है। बलरामपुर का मधुपुर गांव उत्तर प्रदेश एटीएस यानी आतंक विरोधी दस्ता, पुलिस, प्रशासनिक अधिकारियों, आयकर विभाग, ईडी से लेकर मीडिया की गतिविधियों का केंद्र बना है।

प्राथमिक सूचना थी कि वह लगभग 1500 हिंदुओं को इस्लाम मजहब में ला चुका है किंतु अब कई गुना ज्यादा संख्या सामने आ सकती है। इस घटना के अभी अनेक पहलू रहस्य में हैं। उसके बारे में नियमित हैरत में डालने वाली नई जानकारियां सामने आ रहीं हैं जो धरातल पर थीं। गांव में तीन बीघे में बना हुआ 70 कमरे का आलीशान मकान जिसमें सारी आधुनिक सुख - सुविधायें और निर्माण ऐसा कि लोगों को बंद कर कुछ भी कर दिया जाए तो बाहर पता न चले। आठ बुलडोजर को 40 कमरे वाले हिस्से को तोड़ने में तीन दिन लगे। उसकी कहानी पर सहसा विश्वास नहीं होता। उसकी ताबीज या नगों से कुछ लोगों को कठिनाइयों से थोड़ी बहुत मुक्ति मिली तो उन्होंने छांगुर को पीर मानना शुरू किया और उसकी ख्याति बढ़ी। पत्नी को प्रधानी का चुनाव लड़वाया, वह दो बार जीती और क्षेत्र में उसका कद बढ़ा। इसके पीछे भी कितने लोगों का दिमाग था इसकी परतें खुलनी अभी बाकी हैं। नीतू और नवीन के मुसलमान बनने के दस्तावेज दुबई के हैं। यह कैसे संभव हुआ? वे अनेक बार विदेश गए। दोनों के 19 बार दुबई जाने के रिकॉर्ड हैं जिनमें केवल एक बार साथ गये! अजीब रहस्य है। ईसाई मिशनरियां दलितों व जनजातियों को लक्ष्य बनाकर धर्मांतरण करतीं हैं। उनके पास हर क्षेत्र का जनांकिकीय डाटा है। उसने वहां से डाटा हासिल किया और उत्तर प्रदेश के अलावा 550 से ज्यादा जिलों की पहचान की थी, जहां हिंदू युवतियों-महिलाओं को मुस्लिम बनाने का योजनाबद्ध अभियान चलना था। सोचिए, कितनी बारीकी से वह भारत के इस्लामीकरण पर काम कर रहा था और हिंदू या गैर मुस्लिम बहुसंख्य समाज में उसका बाल तक बांका नहीं हुआ। उसके अकेले के दिमाग की बात नहीं हो सकती। क्या यह आपको नए सिरे से ऐसे तत्वों के मुकाबले के लिए

भूमिका तैयार करने की चेतावनी नहीं है? हिंदू जाति व्यवस्था का ताना देने वाले ध्यान रखें कि बड़ी संख्या में ब्राह्मण और राजपूतों की लड़कियों ने छांगुर तंत्र के प्रभाव- दबाव में इस्लाम कबूल किया है। नीतू वोरा और नवीन वोरा ही नसरीन और जमालुद्दीन कैसे बन गए? इनके मामले में जाति पहलू नहीं है। मुंबई में व्यापार करने वाले दोनों पति-पत्नी कठिनाई में संपर्क में आए। वह मुंबई जाने पर उन्हीं के यहां ठहरने लगा। इन दोनों ने तय कर लिया कि गांव में उसके साथ ही रहना है और इसलिए संपत्ति बेची। छांगुर की हिंदुओं के इस्लामीकरण की कल्पना को साकार करने के लिए जिंदगी लगा दी। घर के साथ शहर की जमीन, दुकानें भी नीतू के नाम है। इनके खातों में ही ज्यादा धन आए और निकले। कोई अपने विचार से मजहब बदले यह उसका अधिकार है। किंतु धन, बाहुबल और हर तरीके से जाल में लाकर, विवश कर इस्लामीकरण का यह तंत्र अपराधियों माफियाओं का गिरोह जैसा था। शायद छांगुर का भयानक तंत्र कायम रहता यदि चंगुल में फंसी कुछ लड़कियां, महिलायें बाहर नहीं आती। एक घटना में अनाम से संगठन विश्व हिंदू रक्षा परिषद ने जब लखनऊ में कुछ की हिंदू धर्म में वापसी का हवन किया और मीडिया में बातें आई, तब देश के संज्ञान में आया कि छांगुर इन सबके पीछे है। यह स्थिति डराने के साथ खीझ भी पैदा करती है कि एक व्यक्ति सरेआम हिन्दुओं को मुस्लिम बनाने की इस्लामी कॉर्पोरेट शैली में कंपनी खड़ी कर उत्तर प्रदेश से विदेश तक विस्तारित कर लेता है और पुलिस, प्रशासन, संगठनों, जनप्रतिनिधियों को इतने वर्षों तक पता नहीं चलता। उसने मुख्य मार्ग से अपने किले तक 500 मीटर सड़क बना ली। 50 कमांडो तैयार किए जो खुलेआम चलते थे। ऐसा संभव नहीं कि लोग पुलिस, प्रशासन, जनप्रतिनिधियों तक शिकायत लेकर नहीं गये हों। पुलिस प्रशासन में हैसियत ऐसी कि छांगुर के सहयोगी ने भागकर पुलिस में शिकायत की, पर उसके विरुद्ध ही धारा 307 के तहत मुकदमा दर्ज हो गया। उसके खातों में विदेश से पैसे आते रहे, उसके लोग असामान्य रूप से विदेश जाते- आते रहे और केंद्रीय एजेंसियों के कान खड़े नहीं हुए। तो इसके अर्थ क्या हैं? यह सच है कि केंद्र और अनेक प्रदेशों में भाजपा की सरकारें आने के बाद स्थिति बदली है और आज केंद्र तथा प्रदेश की भाजपा सरकार के कारण ही कार्रवाई संभव हो सकी। बावजूद स्वीकारना होगा कि अभी भी मजहबी मतांतरण, लव जिहाद, मजार, मदरसों के नाम जमीन कब्जा करने आदि अनेक मामलों की आरंभिक शिकायत पुलिस प्रशासन गंभीरता से नहीं लेता।

प्रायः संगठनों, राजनीति का रवैया भी उत्साहजनक नहीं रहता तथा उनके विरुद्ध काम करने वालों के जीवन में ही संकट पैदा हो जाते हैं। अभी तक भाजपा विरोधी पार्टियों, एक्टिविस्टों, मीडिया के पुरोधाओं में से किसी ने इस पर सामान्य विरोधी प्रतिक्रिया भी व्यक्त नहीं की है। क्या निर्दोष, निरपराध हिंदू लड़कियों-महिलाओं की इज्जत, गरिमा, उनके मानवाधिकार का महत्व नहीं? इसका उत्तर उनसे मांगा जाना चाहिए। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार के अंदर ऐसा होना बताता है कि पूरे एप्रोच में आमूल बदलाव की आवश्यकता है। भारत में इस्लामिक कट्टरता का मुख्य आधार उत्तर प्रदेश है। पुलिस प्रशासन का भ्रष्टाचार, अनेक नेताओं की दिशाहीनता तथा कायरता ही इसके पीछे मूल कारण है। भारत के हिंदुओं या सनातनियों को समझ में आना चाहिए कि चारों तरफ उनके विरुद्ध अलग-अलग तंत्र के रूप में घात लगाए हर अस्तर से शक्तिशाली शिकारियों का झुंड बैठा है। आप चौकन्ने रहकर उनके मुकाबले के लिए तैयार नहीं हैं तो फिर कोई सरकार या व्यवस्था आपको हिंदू या सनातनी के रूप में बचा नहीं सकती।

उपलब्धि

हर्षवर्धन पान्डे

मप्र के स्वच्छता मॉडल ने पेश की नई मिसाल

मध्यप्रदेश की आर्थिक राजधानी इंदौर ने स्वच्छता सर्वेक्षण 2024-25 में लगातार आठवीं बार देश के सबसे स्वच्छ शहर का खिताब अपने नाम किया है। इंदौर ने 10 लाख से ज्यादा आबादी वाले शहरों की सुपर स्वच्छ लीग सिटीज कैटेगरी में ओवरऑल पहला स्थान हासिल किया है। यह उपलब्धि न केवल इंदौरवासियों के लिए गर्व का विषय है, बल्कि यह शहर की स्वच्छता के प्रति प्रतिबद्धता, नागरिकों की सक्रिय भागीदारी और नगर निगम के बेहतरीन नवाचारों का परिणाम है। स्वच्छ भारत मिशन के तहत आयोजित इस सर्वेक्षण में इंदौर ने एक बार फिर साबित कर दिया कि स्वच्छता केवल एक आदत नहीं, बल्कि एक संस्कृति है। इंदौर पूर्व में सात बार देश के स्वच्छतम शहर का पुरस्कार प्राप्त कर चुका है। उज्जैन को 3 से 10 लाख जनसंख्या वाले शहरों की श्रेणी में स्वच्छ लीग पुरस्कार प्राप्त हुआ, जो गर्व का विषय है। इसी प्रकार 20 हजार से कम आबादी वाले नगरों की श्रेणी में बुधनी नगर को भी सम्मानित किया गया। स्वच्छता सर्वेक्षण 2024-25 में मध्यप्रदेश के अन्य शहरों ने भी उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। इंदौर के साथ भोपाल, देवास, शाहगंज, जबलपुर, ग्वालियर, उज्जैन एवं बुधनी को भी विभिन्न श्रेणियों में स्वच्छता पुरस्कार मिला है। बाबा महाकाल की नगरी उज्जैन को 3 से 10 लाख जनसंख्या वाले शहरों की श्रेणी में शीर्ष स्थान मिला है जबकि 10 लाख से अधिक जनसंख्या वाले स्वच्छ शहरों में भोपाल दूसरे, जबलपुर पांचवें और ग्वालियर 14वें स्थान पर रहा है। स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 में स्वच्छता में प्रॉमिसिंग शहर का स्टेट अवार्ड ग्वालियर को मिला है। इसी तरह से 50 हजार से तीन लाख जनसंख्या वाले स्वच्छ शहरों में देवास प्रथम स्थान पर रहा। मध्यप्रदेश ने कुल आठ राष्ट्रीय पुरस्कार हासिल किए जिससे राज्य ने स्वच्छता के क्षेत्र में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज की।

इंदौर की स्वच्छता की सफलता का श्रेय शहर के कचरा प्रबंधन, जन जागरूकता और नवाचारों को जाता है। इंदौर के स्वच्छता मॉडल ने शहर को कचरा-मुक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इंदौर में खुले में कचरा फेंकना पूर्णतः प्रतिबंधित है। शहर में कचरा डंपिंग को शून्य करने के लिए सभी कचरे की प्रोसेसिंग की जाती है। गीले कचरे से खाद बनाई जाती है, जबकि सूखे कचरे को रिसाइकिल कर अनेक उत्पाद बनाए जाते हैं। इंदौर की सफलता का सबसे बड़ा आधार जनभागीदारी भी है। स्वच्छता के प्रति नागरिकों का जुनून और सामूहिक प्रयास इस मॉडल को अनूठा बनाते हैं। नगर निगम ने विभिन्न जागरूकता अभियानों के माध्यम से लोगों को स्वच्छता के प्रति प्रेरित किया है। इंदौर ने कचरा प्रबंधन के लिए हाई-टेक सिस्टम विकसित किया है। कचरा संग्रहण वाहनों की हर गतिविधि को जीपीएस के माध्यम से ट्रैक किया जाता है। एकीकृत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियंत्रण कक्ष से हर सेकंड की गतिविधि की निगरानी की जाती है। इंदौर में एशिया का सबसे बड़ा बायो-मीथेन गैस प्लांट स्थापित किया गया है जो गीले कचरे से बायो-गैस और खाद उत्पादन करता है। इसके अतिरिक्त, भारत का पहला पीपीपी मॉडल आधारित हरित कचरा प्रसंस्करण संयंत्र भी इंदौर में स्थापित है जो लकड़ी और पत्तियों से पर्यावरण-अनुकूल उत्पाद बनाता है। एक दौर ऐसा भी था जब इंदौर की सड़कों पर कचरा देखा जाता था लेकिन आज यह शहर कचरे से सीएनजी और खाद बनाने में अग्रणी है। इंदौर नगर निगम ने कचरे के शत-प्रतिशत पृथक्करण और रीसाइक्लिंग को सुनिश्चित किया है। भारत के सबसे स्वच्छ शहर के रूप में इंदौर ने न केवल देश में बल्कि वैश्विक स्तर पर भी अपनी पहचान बनाई है। आज इंदौर का स्वच्छता मॉडल जनभागीदारी, तकनीकी नवाचार और प्रशासनिक दक्षता का एक अनूठा संगम बना है। यह मॉडल भारत के अन्य शहरों के लिए भी एक प्रेरणा बन चुका है। इंदौर का स्वच्छता मॉडल न केवल एक शहर की स्वच्छता की कहानी है बल्कि यह दर्शाता है कि सामूहिक इच्छाशक्ति, तकनीकी नवाचार और प्रशासनिक दृढ़ता के साथ कोई भी लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है। नगर निगम ने कचरा प्रबंधन के लिए नवाचारी योजनाएँ बनाई और उन्हें प्रभावी ढंग से लागू किया। यह मॉडल न केवल स्वच्छ भारत मिशन का प्रतीक है बल्कि पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास का भी एक जीवंत उदाहरण है। यह मॉडल पूरे देश के लिए एक प्रेरणा है कि स्वच्छता केवल एक अभियान नहीं, बल्कि एक जीवनशैली हो सकती है। इंदौर ने आठवीं बार स्वच्छता रैंकिंग में देश में शीर्ष स्थान पर रहकर यह साबित कर दिया है कि यदि इरादे मजबूत हों तो देश का कोई भी इलाका कचरे के ढेर से निकलकर स्वच्छता की मिसाल बन सकता है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

प्रयास करके मानव खोल सकता है सफलता के द्वार

संकलित

दर्शन

मानव के विषय में धर्म शास्त्रों के स्वर बहुत उच्च कोटि के हैं। मानव को विश्व का श्रेष्ठ तम प्राणी तो स्वीकार किया ही है, मानव को अपार क्षमता का भंडार बताया गया है। यह सत्य है क्यों कि हम देखते हैं कि कुछ व्यक्ति निश्चित ही अद्भुत क्षमता, प्रतिभा लिए होते हैं। इसका अर्थ है सभी मानवों में वे योग्यताएं रही हुई है। अन्तर केवल इस बात का है कि कुछ व्यक्ति प्रयास करके अपनी क्षमताओं का जागरण कर लेते हैं कुछ यह नहीं कर पाते। जो यह प्रयास नहीं कर पाते, वे समझने लगते हैं कि उसको परमात्मा की देन है हम उससे वंचित है किन्तु वास्तविकता यह नहीं है। परमात्मा किसी को कुछ देता नहीं है और यदि वह देगा तो सभी को बराबर देगा। भेद भाव क्यों करेगा। उच्च पुरुष भी भेद भाव नहीं करते तो परमात्मा भेद भाव कैसे करेगा ? वास्तव में परमात्मा कुछ देता नहीं है किसी को। जिसको सफलताएं मिलती है उसे उसके प्रयास से मिलती है और जो जीवन में कुछ भी नहीं कर पाता है तो यह उसकी ही अकर्मण्यता है। परमात्मा को दोष नहीं देना चाहिए। कालीदास बचपन में निरक्षर थे किन्तु प्रयास कर के महान विद्वान बन गए। सफलता प्राप्त व्यक्तियों का सर्वदा एक ही मार्ग रहा है प्रयास। प्रयत्न करते हुए व्यक्ति को कोई परास्त नहीं कर सकता। मानव की चेतना का मौलिक स्वरुप परमात्मा मय है अतः आत्म विश्वास पूर्वक सही दिशा में प्रयत्न करें तो वह अपने जीवन की सफलता के सारे द्वार खोल सकता है। उसका प्रयत्न ही वह चाबी है जिसका उसे प्रयोग करना है। **-कांतिलाल मांडोत,** सूरत

गुरु का स्थान श्रेष्ठ

संकलित

प्रेरणा

एक राजा को पढ़ने लिखने का बहुत शौक था। एक बार उसने मंत्री-परिषद् के माध्यम से अपने लिए एक शिक्षक की व्यवस्था की। शिक्षक राजा को पढ़ाने के लिए आने लगा। गुरु तो रोज खूब मेहनत करते थे परन्तु राजा को उस शिक्षा का कोई लाभ नहीं हो रहा था। राजा बड़ा परेशान, गुरु की प्रतिभा और योग्यता पर सवाल उठाना भी गलत था क्योंकि वो एक बहुत ही प्रसिद्ध और योग्य गुरु थे। आखिर में एक दिन रानी ने राजा को सलाह दी कि राजन आप इस सवाल का जवाब गुरु जी से ही पूछ कर देखिये। राजा ने एक दिन हिम्मत करके गुरूजी के सामने अपनी जिज्ञासा रखी, हे गुरुवर क्षमा कीजियेगा, मैं कई महिनो से आपसे शिक्षा ग्रहण कर रहा हूँ पर मुझे इसका कोई लाभ नहीं हो रहा है। ऐसा क्यों है ? गुरु जी ने बड़े ही शांत स्वर में जवाब दियाः राजन इसका कारण बहुत ही सीधा सा है.. गुरूजी ने कहाः राजन बात बहुत छोटी है परन्तु आप अपने बड़े होने के अहंकार के कारण इसे समझ नहीं पा रहे हैं और परेशान और दुखी हैं। माना कि आप एक बहुत बड़े राजा हैं। आप हर दृष्टि से मुझ से पद और प्रतिष्ठा में बड़े हैं परन्तु यहाँ पर आप का और मेरा रिश्ता एक गुरु और शिष्य का है।.. गुरु होने के नाते मेरा स्थान आपसे उच्च होना चाहिए, परन्तु आप स्वंय ऊँचे सिंहासन पर बैठते हैं और मुझे अपने से नीचे के आसन पर बैठाते हैं। बस यही एक कारण है जिससे आपको न तो कोई शिक्षा प्राप्त हो रही है और न ही कोई ज्ञान मिल रहा है। आपके राजा होने के कारण मैं आप से यह बात नहीं कह पा रहा था।

सटाका

आज की पाती

जनप्रतिनिधियों की शपथ में हो समीचीन बदलाव

भारतीय संविधान में व्यवस्था है कि हर मंत्री, विधायक, सांसद और राष्ट्रपति तक, सभी जन-प्रतिनिधि शपथ उठाते हैं कि वे पद की गरिमा एवं गोपनीयता का निर्वहन करेंगे और संविधान तथा देश की जनता के प्रति उत्तरदायी रहेंगे। जवाबदेह रहना भी चाहिए। यह एक बहुत ही अच्छी व्यवस्था है। सब बेहतरी के लिए ही है। इस शपथ में और कुछ शब्द जोड़े जा सकते हैं, कि बड़बोलेपन, भाई-भतीजावाद, घोटालों और क्षेत्रवाद से दूर रहूंगा और पक्षपात से हमेशा तौबा करूंगा। यह भी शपथ में शामिल हो कि, यदि जनाकांक्षाओं पर खरा न उतरूं, तो पद त्याग दूंगा, क्योंकि निर्वाचन के बाद नेताओं का व्यवहार बदल जाता है। - **सचिन देशपांडे,** दुर्ग

ट्रेंड

घुसपैठियों पर कार्रवाई

अवैध प्रवासियों पर लगातार कार्रवाई। 12 अवैध बांग्लादेशी नागरिकों को हिरासत में लिया गया है और कछार व श्रीभूमि के रास्ते बांग्लादेश वापस भेज दिया गया है। हम अवैध घुसपैठियों पर कोई रहम नहीं करेंगे और अपना कड़ा रुख जारी रखेंगे।
-हिमंत बिस्वा सरमा, सीएम, असम

125 यूनिट बिजली मुफ्त

हम शुरू से ही सस्ती दरों पर सभी को बिजली उपलब्ध करा रहे हैं। अब हमने तय कर दिया है कि 1 अगस्त, 2025 से यानी जुलाई माह के बिल से ही राज्य के सभी घरेलू उपभोक्ताओं को 125 यूनिट तक बिजली का कोई पैसा नहीं देना पड़ेगा।
-नीतीश कुमार, सीएम, बिहार

इस्लाम-कुरान पर चुप्पी

कथित धर्मनिरपेक्ष नेताओं की सारी 'धर्मनिरपेक्षता' सिर्फ हिंदू धर्म और उसकी आस्थाओं पर टिप्पणी करने तक ही सीमित रहती है लेकिन जैसे ही बात इस्लाम और कुरान पर आती है तो वही नेता अचानक 'चुप्पी' साध लेते हैं।
-केशव प्रसाद मौर्य, डिप्टी सीएम, उप्र

मनुवादी व्यवस्था

हरियाणा के सिरसा में दलित युवक की हत्या और उसके परिवार के साथ बर्बरता सिर्फ एक अपराध नहीं है - यह भाजपा-आरएसएस के मनुवादी सिस्टम का वो घिनौना चेहरा है जो बहुजनों के जीवन को सस्ता समझता है।
-राहुल गांधी, सांसद, कांग्रेस

संपादकीय

करंट अफेयर

श्रीलंका में चेम्मानी सामूहिक कब्रगाह से बच्ची के अवशेष मिले

श्रीलंका के जाफना जिले में एक सामूहिक कब्रगाह से निकाले गए मानव अवशेषों में चार-पांच साल की एक लड़की के कंकाल की पहचान की गई है। 1990 के दशक के मध्य में लिट्टे संघर्ष के दौरान पहली बार यह कब्र चर्चा में आई थी। वकील जगनाथन तथपरन ने कहा, "फोरेंसिक पुरातत्वविद् राज सोमदेव ने चेम्मानी में स्थित सामूहिक कब्र की खुदाई के निष्कर्षों की रिपोर्ट 15 जुलाई को जाफना मजिस्ट्रेट की अदालत को दी थी।" राज सोमदेव इस खुदाई की देखरेख कर रहे थे।इस वर्ष के आरंभ में, न्यायालय ने सामूहिक कब्र स्थल पर नियमित विकास कार्य के दौरान मानव कंकाल के अवशेष मिलने के बाद कानूनी निगरानी में खुदाई का आदेश दिया था। तथपरन ने बताया कि बच्ची के अवशेष के साथ स्कूल बैग और खिलौने मिले हैं। सोमदेव ने अदालत को बताया कि वह 4-5 साल की उम्र की एक लड़की थी। वकील ने बताया कि कपड़ों और शारीरिक विशेषताओं में समानता के आधार पर दो और कंकाल भी बच्चों के होने का संदेह है। चेम्मानी स्थल ने पहली बार 1998 में सभी का ध्यान आकर्षित किया था, जब एक श्रीलंकाई सैनिक ने वहां सामूहिक कब्रों के अस्तित्व के बारे में गवाही दी थी। वहां 1990 के दशक के मध्य में लिबरेशन टाइगर्स ऑफ तमिल ईलम (लिट्टे) और श्रीलंका सरकार के बीच संघर्ष के दौरान कथित तौर पर मारे गए सैकड़ों नागरिकों की कब्रें थीं।

ऑफ बीट

50 हजार साल पहले से आग का इस्तेमाल किया जा रहा

2,50,000 साल पहले स्पेन में एक स्थान पर मनुष्यों के पूर्वजों या वनमानुष द्वारा आग के नियंत्रित इस्तेमाल के सबूत मिले हैं। यह यूरोप में आग नियंत्रण के शुरुआती सबूतों से 50,000 साल पुरानी बात है। यह अध्ययन 'नेचर साइंटिफिक रिपोर्ट्स' में प्रकाशित हुआ है। मनुष्यों के पूर्वजों तथा आग के अवशेषों का एक ही स्थान पर मिलना वाकई खास है। यूरोप के बाहर मनुष्यों द्वारा प्राकृतिक आग का इस्तेमाल करने के सबसे पुराने सबूत दक्षिण अफ्रीका में स्वार्टक्रान गुफा से मिलते हैं जहां 10 से 15 लाख वर्ष पहले पशुओं की सैकड़ों जली हुई हड्डियों के साथ वनमानुष के अवशेष पाये गये। मनुष्यों द्वारा जलाई आग के सबसे शुरुआती सबूतों से लगभग एक लाख साल आगे : इजराइल में 7,90,000 साल पुरानी ग्रेशर बेनोट याआकोव नामक एक खुली जगह है। इस स्थान पर मिले साक्ष्यों में जले हुए पौधे और पत्थर के जले हुए औजार शामिल हैं। इजराइल में क्वेसेम गुफा और ताबुन गुफा जैसे अन्य स्थानों पर ही आग जलाये जाने के ऐसे ही सबूत मिले हैं। यूरोप में आमतौर पर यह स्वीकार किया जाता है कि वनमानुष ने कम से कम 3,50,000 साल पहले आग का नियमित रूप से इस्तेमाल किया। कुछ संकेत मिले हैं कि अग्नि नियंत्रण का संबंध एश्यूलिन नामक पत्थर औजार तकनीक के विस्तार से जुड़ा है।

खबर संक्षेप

मसूद अजहर ने पीओके में बनाया नया ठिकाना

नई दिल्ली। पुलवामा हमले के साजिशकर्ता और जैश-ए-मोहम्मद के मुखिया मसूद अजहर को

बहावलपुर के पास पाकिस्तान के कब्जे वाले गिलगित-बाल्टिस्तान में देखा गया है। बहावलपुर मसूद का गढ़ माना जाता है जहां से वह अपने ऑपरेशन संचालित करता है। इससे पहले उसे स्कर्दू में सदपारा रोड इलाके में देखा गया था। मसूद को पाकिस्तान की सरकार और वहां की सेना से संरक्षण प्राप्त है। पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो ने हाल ही में दावा किया था कि मसूद अजहर अफगानिस्तान में हो सकता है।

जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा दें: फारूक

श्रीनगर। नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष डॉ. फारूक अब्दुल्ला ने जम्मू-कश्मीर को राज्य के दर्जे की

मांग को दोहराते हुए कहा कि यह हम पर कोई एहसान नहीं है, यह हमारा हक है और यह मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार को, पीएम और गृहमंत्री को जनता के साथ किए अपने वादे को पूरा करना चाहिए। जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा लौटाना न सिर्फ राजनीतिक रूप से जरूरी है बल्कि यह एक नैतिक जिम्मेदारी भी है, जिसे जल्द पूरा किया जाना चाहिए। इसे केंद्र शासित प्रदेश बनाकर संवैधानिक अधिकार से वंचित कर रखा है।

सेल्फ-ड्राइविंग टैक्सी सर्विस में उतरेगी उबर

नई दिल्ली। कैब सर्विस देने वाली कंपनी उबर ने इलेक्ट्रिक व्हीकल निर्माता ल्यूसिड मोटर्स में

300 मिलियन डॉलर (करीब 25 अरब रुपए) निवेश करने का ऐलान किया है। यह निवेश उनके रोबोटैक्सी प्रोजेक्ट को लेकर हुआ है, जिसकी शुरुआत 2026 से अमेरिका के एक बड़े शहर से होने की योजना है। इस जॉइंट डील का मकसद सेल्फ-ड्राइविंग टैक्सी सर्विस को दोबारा रफ्तार देना है। इस डील के तहत अगले छह वर्षों में उबर, ल्यूसिड 20,000 से ज्यादा ग्रेविटी एसयूवी खरीदेगा।

आयरम डोम डिफेंस सिस्टम भी होगा फेल

भारत और रूस बनाएंगे ब्रह्मोस हाइपरसोनिक मिसाइल, इसकी सीमा में अब पाक और चीन

ब्रह्मोस हाइपरसोनिक मिसाइल को लेकर काम शुरू हो चुका है। दोनों ही देश इस प्रोजेक्ट में जुट गए हैं। यह मिसाइल ध्वनि की गति से 8 गुना तेजी चलेगी। इसकी गति मैक-8 या मैक-9 तक हो सकती है

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

एडवांस कंट्रोल सिस्टम स्टेल्थ फीचर्स से होगी लैस

11 हजार किमी प्रति घंटे की रफ्तार से वार करेगी

1500 किमी से अधिक की की मारक क्षमता

इसकी मारक क्षमता 1500 किलोमीटर से अधिक होगी। ऐसे में कहा जा सकता है कि पाकिस्तान और चीन का बड़ा इलाका इसकी सीमा में होगा। इजराइल का आयरन डोम एयर डिफेंस सिस्टम को काफी एडवांस माना जाता है, इसके लिए भी ब्रह्मोस हाइपरसोनिक मिसाइल को रोकना मुश्किल होगा।

भारत की ब्रह्मोस सुपरसोनिक मिसाइल का दुनिया लोहा मानती है। कुछ गिने-चुने एयर डिफेंस सिस्टम ही इसे रोकने में सक्षम हैं। वहीं ऑपरेशन सिंदूर के दौरान इस मिसाइल ने दुनिया को अपनी ताकत दिखा दी।

अब जल्द ही ब्रह्मोस को हाइपरसोनिक वेरिएंट भी आने वाला है। चीन से लेकर अमेरिका तक के एयर डिफेंस सिस्टम इस मिसाइल के आगे पानी भरेंगे। जानकारी के मुताबिक भारत और रूस जल्द ही इस प्रोजेक्ट पर काम शुरू कर चुके हैं।

शुरू हुआ प्रोजेक्ट

ब्रह्मोस एयरोस्पेस के पूर्व महानिदेशक अतुल राणे ने बताया कि ब्रह्मोस हाइपरसोनिक मिसाइल को लेकर काम शुरू हो चुका है। दोनों ही देश इस प्रोजेक्ट में जुट गए हैं। यह मिसाइल ध्वनि की गति से 8 गुना तेजी चलेगी। इसकी गति मैक-8 या मैक-9 तक हो सकती है। यानी यह 11 हजार किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से वार कर सकती है। बता दें कि ब्रह्मोस मिसाइल का नाम ही भारत और रूस की दो नदियों ब्रह्मपुत्र और मोसकवा पर रखा गया है। इस प्रोजेक्ट में डीआरडीओ की 50.50 फीसदी और रूसी कंपनी की 49.50 फीसदी हिस्सेदारी है।

दुश्मन के लिए इसे रोकना नामुमकिन

ब्रह्मोस के इस वर्जन से डीप इनसाइड टारगेट्स को भी भेदा जा सकेगा। यह न केवल तेज गति से अपने लक्ष्य को निशाना बना सकती है बल्कि तेजी से मुड़ भी सकती है। ऐसे में दुश्मन के लिए इसे रोकना आसान नहीं होगा। यह दुश्मन के रडार सिस्टम को भी मात देने में सक्षम होगी। एडवांस कंट्रोल सिस्टम, स्टेल्थ फीचर्स और डिजाइन इसे और भी खास बना देते हैं।

एके-203 का स्वदेशी उत्पादन शुरू

भारत की रक्षा आत्मनिर्भरता की दिशा में और 'मेक इन इंडिया' के तहत एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए दिसंबर 2025 तक एके-203 असॉल्ट राइफल का पूरी तरह स्वदेशी उत्पादन शुरू हो जाएगा। इंडो-रशियन राइफल्स प्राइवेट लिमिटेड (आईआरआरपीएल) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी और प्रबंध निदेशक मेजर जनरल एस.के. शर्मा ने

बताया कि पिछले डेढ़ साल में हमने भारतीय सेना को 48,000 एके-203 राइफलें सौंपी हैं। अगले छह महीनों में 70,000 और राइफलें सेना को दी जाएंगी। इसके बाद, हमारा लक्ष्य उत्पादन क्षमता को बढ़ाकर प्रति वर्ष 1.5 लाख राइफलें करना है, ताकि 2030 तक भारतीय सेना को 6 लाख राइफलें उपलब्ध कराई जा सकें। एके-203 राइफल भारतीय सेना की जरूरतों को ध्यान में रखकर डिजाइन की गई है। यह 7.62×39 मिमी कैलिबर की राइफल है, जो उच्च सटीकता, लंबी रेंज, और कठिन परिस्थितियों में बेहतर प्रदर्शन प्रदान करती है।

सभी पुर्जे भारत में निर्मित हो रहे

यूपी के अमेठी जिले में स्थापित आईआरआरपीएल प्लांट, भारत और रूस के बीच रक्षा सहयोग का परिणाम है। यह संयुक्त उद्यम रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) और रूस की रोसोबोरोनएक्सपोर्ट के सहयोग से संचालित है। एके-203, जो विश्व प्रसिद्ध कलाश्निकोव राइफल का आधुनिक संस्करण है, अपनी विश्वसनीयता और कठिन परिस्थितियों में प्रदर्शन के लिए जानी जाती है। दिसंबर 2025 तक इस राइफल के सभी पुर्जे भारत में ही निर्मित होंगे, जिससे यह पूरी तरह स्वदेशी बन जाएगी।

भारत की कूटनीतिक जीत यूएस ने टीआरएफ को वैश्विक आतंकी संगठन घोषित किया

टीआरएफ ने पहलगाम आतंकी हमले की जिम्मेदारी ली थी

मंत्री जयशंकर ने जताई खुशी, कहा आतंकवाद के खिलाफ 'जीरो टॉलरेंस'

कोई भी व्यक्ति इस संगठन को चंदा या मदद नहीं दे सकेगा

▶▶ नई दिल्ली

भारतीय विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने अमेरिका द्वारा पहलगाम आतंकी हमले के लिए जिम्मेदार टीआरएफ को वैश्विक आतंकी संगठन घोषित किए जाने की सराहना की। विदेश मंत्री ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि भारत-अमेरिका की आतंकवाद के खिलाफ सहयोग की एक मजबूत पुष्टि।

लश्कर-ए-तैयबा के मुखौटा संगठन 'द रेजिस्टेंस फ्रंट' (टीआरएफ) को विदेशी आतंकवादी संगठन (एफटीओ) और विशेष रूप से नामित वैश्विक आतंकवादी (एसडीजीटी) घोषित करने के लिए विदेश मंत्री मार्को रुबियो और अमेरिकी विदेश विभाग की सराहना करता हूं। इसी संगठन ने 22 अप्रैल को हुए पहलगाम आतंकी हमले की जिम्मेदारी ली थी।

आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस (शून्य सहिष्णुता)। विदेश मंत्रालय के अनुसार, हमले की कड़ी निंदा करने वाले ट्रंप ने टीआरएफ हमले के तुरंत बाद पीएम नरेंद्र मोदी को फोन किया था और इस जघन्य हमले के दोषियों को न्याय के कटघरे में लाने के लिए भारत के प्रति पूर्ण समर्थन व्यक्त किया था।

'लश्कर-ए-तैयबा' की प्रॉक्सी विंग है टीआरएफ

बता दें, 'द रेजिस्टेंस फ्रंट' (टीआरएफ) ने ही पहलगाम आतंकी हमले की जिम्मेदारी ली थी। टीआरएफ के प्रमुख शेख सज्जाद गुल को भारत की राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने पहलगाम हमले का मास्टरमाइंड बताया है। टीआरएफ पाकिस्तान के आतंकी संगठन 'लश्कर-ए-तैयबा' की प्रॉक्सी विंग (मुखौटा शाखा) है। कई वर्षों से टीआरएफ, जम्मू कश्मीर में आतंकी हमलों को अंजाम दे रहा है। खासतौर पर, जम्मू कश्मीर में सुरक्षा बलों पर हमले और टारगेट किलिंग, ये टीआरएफ की रणनीति का हिस्सा रहा है।

टीआरएफ के वित्तपोषण पर लगेगी रोक

अमेरिका का विदेश विभाग किसी संगठन की गतिविधियों को देखते हुए उसे विदेशी आतंकी संगठन (एफटीओ) घोषित करता है। एफटीओ के जरिए आतंकी संगठन के वित्तपोषण पर रोक लगाई जाती है। इसके अलावा अब कोई भी व्यक्ति इस संगठन को चंदा या किसी भी तरह की मदद नहीं दे पाएगा। साथ ही अमेरिका द्वारा अन्य देशों से भी उस संगठन के खिलाफ कार्रवाई की अपील की जाती है। जिस संगठन को विदेशी आतंकी संगठन घोषित किया गया है, वह 30 दिनों के भीतर अमेरिका की अदालत में अपील कर सकता है। हर दो साल बाद अमेरिकी सरकार एफटीओ की समीक्षा करती है।

अमेरिकी विदेश मंत्री बोले

आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत के संग

मार्को रुबियो ने कहा कि यह कार्रवाई हमारे राष्ट्रीय सुरक्षा हितों की रक्षा और आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई के प्रति ट्रंप प्रशासन की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। यह कार्रवाई अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा, आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई, और भारत के साथ सहयोग का सबूत है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मांग पर ऐसा फैसला लिया गया है। इसे भारत की बड़ी कूटनीतिक सफलता माना जा रहा है।

अमेरिका ने गुरुवार को किया ऐलान

अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने गुरुवार को कहा कि ट्रंप प्रशासन ने टीआरएफ को एफटीओ और एसडीजीटी की सूची में डाल दिया है। उन्होंने कहा कि पहलगाम आतंकी हमला 2008 के मुंबई हमलों के बाद भारत में नागरिकों पर हुआ सबसे बड़ा आतंकी हमला था। 'लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) का एक मुखौटा और प्रॉक्सी, टीआरएफ ने 22 अप्रैल, 2025 को भारत के पहलगाम में हुए हमले की जिम्मेदारी ली थी, जिसमें 26 नागरिक मारे गए थे। यह 2008 में मुंबई हमलों के बाद लश्कर का भारत में नागरिकों पर किया गया सबसे घातक हमला था। अमेरिकी सरकार का यह फैसला राष्ट्रपति ट्रंप की ओर से पहलगाम हमले के दोषियों को न्याय के कठघरे में लाने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

ओआईसी में जाकर लगाई गुहार

सिंधु समझौते पर गिड़गिड़ाया पाक, किसी ने नहीं दिया साथ

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत की तरफ से सिंधु जल समझौते को रोके जाने का दुख पाकिस्तान ने मुस्लिम देशों के संगठन ओआईसी में भी सुनाया है। पाकिस्तान 57 मुसलमान देशों की संस्था इस्लामिक सहयोग संगठन (ओआईसी) की बैठक में यह बात रखी लेकिन ओआईसी ने इस मुद्दे पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। जेद्दा में आयोजित ओआईसी के ह्यूमन राइट्स कमिशन के 25वें सत्र में 'राइट टू वार' नाम से आयोजित सेशन को संबोधित करते हुए पाकिस्तान के स्थायी प्रतिनिधि सैयद फवाद शेर ने कहा कि हमारे अधिकारों का भारत की ओर से हनन किया जा रहा है। भारत का यह फैसला मनमाना है।

हमारे लिए यह बड़ी परेशानी

सैयद शेर ने कहा कि हमारे लिए यह बड़ी परेशानी है। हालांकि पाकिस्तान के इस रुख के बाद भी मुस्लिम देशों के संगठन ने अब तक कोई औपचारिक बयान जारी नहीं किया गया है, जिसमें इस मसले का कोई जिक्र हो। बता दें कि 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत ने सिंधु जल समझौते को रोक दिया है। इसके अलावा सिंधु समेत सभी नदियों पर बांध आदि परियोजनाओं पर तेजी लाई जा रही है। इनके माध्यम से पाकिस्तान की ओर से जाने वाले पानी का इस्तेमाल किया जाएगा।

पानी की कमी से खतरा पैदा होगा

सैयद शेर ने कहा कि पानी तो हमारे लिए मूल अधिकार की तरह है, लेकिन भारत उसे भी हमसे छीनने की कोशिश कर रहा है। हम तो पहले ही पानी के संकट का सामना कर रहे हैं। ऐसे में यदि भारत से आने वाली नदियों में पानी की कमी हुई तो हमारे आगे मुश्किल हालात होंगे। उन्होंने कहा कि इससे हमारे इलाके में जलवायु का संकट पैदा हो सकता है। पानी की किल्लत होगी और खेती से लेकर तमाम जरूरी चीजों पर खतरा पैदा होगा।

भारत और कोरिया ने लोकतांत्रिक आदान-प्रदान को गहराने की प्रतिबद्धता दोहराई

लोकसभा अध्यक्ष ने कोरिया के पूर्व पीएम से मुलाकात में भारत की आतंकवाद के प्रति जीरो टॉलरेंस नीति को दोहराया

▶▶ नई दिल्ली

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने शुक्रवार को संसद भवन में कोरिया गणराज्य के पूर्व प्रधानमंत्री किम बू क्यूम के नेतृत्व वाले एक संसदीय प्रतिनिधिमंडल के साथ बैठक के दौरान भारत की आतंकवाद के प्रति 'जीरो टॉलरेंस' की अटूट नीति को दोहराया।

बिरला ने जम्मू-कश्मीर में हुए हालिया आतंकवादी हमले, जिसमें 26 निर्दोष नागरिक मारे गए थे, की कड़ी निंदा की और कहा कि इस प्रकार की जघन्य घटनाएं अंतरराष्ट्रीय समुदाय की अंतरात्मा

को झकझोर देती हैं। लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि पाकिस्तान द्वारा अपनी धरती पर मौजूद आतंकी ढांचे के खिलाफ कार्रवाई न करने के कारण, भारत ने अपनी संप्रभुता का प्रयोग करते हुए जवाब दिया।

भारत-कोरिया के संबंध प्रगाढ़ होंगे

बिरला ने पहलगाम आतंकी हमले की निंदा करने और हाल ही में अहमदाबाद में हुए विमान दुर्घटना पर संवेदना संदेश भेजने के लिए कोरियाई राष्ट्रीय विधानसभा के अध्यक्ष को धन्यवाद दिया। उन्होंने कोरिया की जनता को हाल ही में सम्पन्न राष्ट्रपति चुनाव के सफल आयोजन पर बधाई दी और भारतीय संसद की ओर से नवनिर्वाचित राष्ट्रपति ली जे-म्युंग को हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि राष्ट्रपति ली के नेतृत्व में भारत-कोरिया संबंध और अधिक प्रगाढ़ होंगे।

छत्तीसगढ़ के नारायणपुर में मुठभेड़

सुरक्षा बलों ने छह नक्सली किए ढेर, हथियार और विस्फोटक जब्त

▶▶ नारायणपुर

छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले में शुक्रवार को सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में छह नक्सलियों को मार गिराया। बस्तर क्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक सुंदरराज पी ने बताया कि नारायणपुर जिले के अबूझमाड़ क्षेत्र में माओवादियों की मौजूदगी की जानकारी के आधार पर सुरक्षाबलों के संयुक्त दलों को नक्सल विरोधी अभियान पर भेजा गया था। अभियान के दौरान शुक्रवार दोपहर से सुरक्षाबलों और माओवादियों के बीच रुक-रुक कर मुठभेड़ चल रही है। अब तक तलाशी अभियान के दौरान मुठभेड़ स्थल से छह नक्सलियों के शव, एके-47 और एसएलआर राइफल, कई अन्य हथियार, विस्फोटक सामग्री तथा दैनिक उपयोग की वस्तुएं बरामद की गई हैं। पुलिस महानिरीक्षक ने बताया कि सुरक्षा बलों की संयुक्त टीम को एक पक्का खुफिया इनपुट मिला था कि इलाके में बड़ी संख्या में नक्सली मौजूद हैं।

प्रथम सेमेस्टर में प्रवेश के लिए पोर्टल फिर से खोला, 22 जुलाई अंतिम तिथि

दैनिक किस्मत भीलवाड़ा

बनेड़ा राजकीय महाविद्यालय में स्नातक प्रथम सेमेस्टर में रिक्त सीटों पर आवेदन मांगे गए हैं। इसके लिए ऑनलाइन पोर्टल फिर से खोला गया है। इच्छुक विद्यार्थी 22 जुलाई तक इसमें आवेदन कर सकेंगे। बनेड़ा महाविद्यालय प्राचार्य प्रो. (डॉ.) के. एल. मीणा ने बताया कि स्नातक स्तर पर कला संकाय में विभिन्न आरक्षण श्रेणियों में रिक्त सीटों के आधार पर 22 जुलाई तक छात्र/छात्राएं पुनः ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। कला संकाय में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति तथा ईडब्ल्यूएस वर्ग के लिए विद्यार्थी ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। 25 जुलाई को प्रतीक्षा सूची का प्रकाशन किया जाएगा। विद्यार्थियों के महाविद्यालय में मूल दस्तावेजों का सत्यापन तथा ऑनलाइन फीस जमा करने की अंतिम तिथि 29 जुलाई रहेगी। 30 जुलाई को प्रवेशित विद्यार्थियों की सूची का प्रकाशन किया जाएगा।

निशुल्क चार दिवसीय नेत्र जांच एवं परामर्श मोतियाबिंद ऑपरेशन शिविर 20 से

दैनिक किस्मत भीलवाड़ा

भीलवाड़ा श्री गणेश उत्सव प्रबंध एवं सेवा समिति एवं अन्धता निवारण सोसायटी के संयुक्त तत्वाधान में चार दिवसीय निशुल्क जांच एवं परामर्श मोतियाबिंद शिविर 20 जुलाई को आरसी व्यास कॉलोनी स्थित अपना घर वृद्धाश्रम में प्रातः 10 बजे आयोजित किया जाएगा समिति मीडिया प्रभारी महावीर समदानी ने बताया कि डॉ कृष्णा हेडा फेको सर्जन द्वारा 20 जुलाई को नेत्र रोगियों की शुगर, ब्लड प्रेशर कि निशुल्क जांच की जाएगी, जांच के दौरान आंखों में दवाई डालकर ऑपरेशन योग्य रोगियों को चयनित किया जाएगा उन सभी जरूरतमंद ऑपरेशन योग्य रोगियों के 21 जुलाई को स्पर्श हॉस्पिटल में ऑपरेशन किए जाएंगे, 22 जुलाई को निशुल्क दवाइयां व काले चश्मे वितरित किए जाएंगे एवं 23 जुलाई को नेत्र रोगियों की पुन जांच की जाएगी

बौद्ध भिक्षुओं के कथित अश्लील वीडियो

ब्लैकमेल कर महिला ने कमाए 102 करोड़ रुपए, अब गिरफ्तार

एजेंसी ▶▶ बैंकॉक

थाईलैंड में बौद्ध भिक्षुओं को सेक्सुअल रिलेशनशिप में उलझाकर ब्लैकमेल करने के एक बहुत बड़े कांड का पुलिस ने पर्दाफाश किया है। आरोप है कि 35 साल की महिला विलवान एम्सावत ने बौद्ध भिक्षुओं के साथ शारीरिक संबंध बनाए और इसके तस्वीरें और वीडियो बनाकर उन्हें ब्लैकमेल किया। पुलिस ने महिला को बैंकॉक के नॉर्थ में नॉनथाबुरी स्थित उनके आलीशान घर से गिरफ्तार कर लिया है। उसके फोन से कई बौद्ध भिक्षुओं के साथ सेक्स करते हुए वीडियो और ब्लैकमेलिंग चैट मिले हैं। महिला के घर से पुलिस ने 80 हजार से ज्यादा न्यूड फाइल्स बरामद की हैं, जिन्हें वह बौद्ध भिक्षुओं को ब्लैकमेल कर पैसे ऐंठने के लिए इस्तेमाल करती थी। यह मामला जून में तब सामने आया था, जब बैंकॉक में एक बौद्ध मठ के मठाधीश अचानक लापता हो गए थ। पुलिस का मानना है कि महिला द्वारा ब्लैकमेल किए जाने के बाद उन्होंने वाट त्रि थोत्साथेप मठ छोड़ दिया था।

विशाखापत्तनम में हुए एक समारोह में रक्षा राज्य मंत्री ने निस्तार को नौसेना में किया शामिल

नौसेना की प्रमुख सुरक्षा भागीदार की मजबूत भूमिका का प्रतीक 'निस्तार'

▶▶ नई दिल्ली

सीमाओं पर बढ़ती चीन-पाकिस्तान की साझा युद्ध जैसी चुनौती के बीच शुक्रवार को स्वदेशी रूप से डिजाइन के साथ निर्मित पहला डाइविंग सपोर्ट युद्धपोत 'आईएनएस निस्तार' नौसेना के जंगी बेड़े में आधिकारिक रूप से शामिल किया गया। विशाखापत्तनम में एक भव्य समारोह हुआ। जिसमें रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। यह युद्धपोत हिंदुस्तान शिपयार्ड लिमिटेड (एचएसएल) द्वारा निर्मित दो में से पहला है। जिसे गहरे समुद्र में गोताखोरी और बचाव कार्यों के सफल क्रियान्वयन के लिए देश के अंदर तैयार किया गया है। वर्तमान में यह क्षमता दुनिया के कुछ गिने-चुने देशों के पास ही है। अब इस सूची में भारत का नाम भी शुमार हो गया है। रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में यह जानकारी दी।

पनडुब्बी बचाव में मददगार

नौसेनाप्रमुख एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी ने कहा, निस्तार एक तकनीकी संपत्ति के साथ एक अहम परिचालन प्रवर्तक है। निस्तार नौसेना के अलावा हमारे क्षेत्रीय भागीदारों को पनडुब्बी बचाव सहायता प्रदान करेगा। जिससे देश एक पसंदीदा पनडुब्बी बचाव भागीदार के रूप में उभर सकेगा। यह युद्धपोत आत्मनिर्भर भारत के साथ ही हमारे समुद्री औद्योगिक आधार की बढ़ती क्षमता की परिपक्वता का प्रमाण है।

निस्तार की विशेषताएं

मंत्रालय ने कहा कि निस्तार गहरे समुद्र में 300 मीटर की गहराई तक गोताखोरी और बचाव कार्यों में सहयोग कर सकता है। इसमें अत्याधुनिक डाइविंग उपकरण (रिमोट संचालित वाहन, स्व-चालित हाइपरबेरिक लाइफबोट, डाइविंग कम्प्रेशन चेंबर) लगे हुए हैं। पोत की मदद से समुद्री सतह से काफी नीचे संकट में फंसी हुई पनडुब्बी से कर्मियों को बचाने और उन्हें बाहर निकालने के लिए गहरे जलमग्न बचाव पोत की तरह से भी कार्य किया जा सकता है। इसकी लंबाई 118 मीटर और कुल वजन-विस्थापन क्षमता 10 हजार टन से अधिक है। निस्तार के निर्माण में 120 एमएसएमई ने योगदान दिया है। इसमें 80 फीसदी से अधिक स्वदेशी सामग्री लगाई गई है। समारोह में नौसेना और एचएसएल के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।

देश की तकनीकी संपत्तिः सेठ

समारोह को संबोधित करते हुए रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने कहा कि निस्तार युद्धपोत क्षेत्र में नौसेना की प्रथम प्रतिक्रियाकर्ता और मुख्य सुरक्षा भागीदार की भूमिका को मजबूती के पुष्ट करता है। ये न केवल देश की तकनीकी संपत्ति है। बल्कि एक महत्वपूर्ण परिचालन प्रवर्तक भी है। जिसे नौसेना में शामिल किया जाना तकनीकी उपलब्धि के साथ ही भविष्य के लिए तैयार बल के निर्माण की दिशा में भारतीय जहाज निर्माण के अध्याय में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा, स्वदेशी जहाज निर्माण उद्योग सरकार के आत्मनिर्भर भारत अभियान के प्रमुख प्रयासों में से एक रहा है। मौजूदा वक्त में देश के अलग-अलग शिपयार्ड में बनाए जा रहे 57 युद्धपोतों का निर्माण स्वदेशी स्तर पर किया जा रहा है। सेठ ने सशस्त्र बलों की क्षमताओं पर विश्वास जताते हुए कहा कि भारत अपने विरोधियों के किसी भी दुस्साहस से मुकाबला करने के लिए प्रतिबद्ध है।

शोहरत एक दोधारी तलवार की तरह: ईशा कोप्पिकर

बालीवुड अभिनेत्री ईशा कोप्पिकर इन दिनों मानसिक स्वास्थ्य की मुखर पक्षधर बनकर सामने आई हैं। फिल्म इंडस्ट्री के उतार-चढ़ाव भरे सफर से सबक लेकर उन्होंने आत्म-मूल्य, भावनात्मक ईमानदारी और कल्याण पर खुली बातचीत को बढ़ावा देना शुरू किया है। अभिनेत्री ईशा ने बताया कि शोहरत एक दोधारी तलवार की तरह होती है। एक तरफ आपको तारीफ और पहचान मिलती है, तो दूसरी तरफ लगातार उन उम्मीदों पर खरा उतरने का दबाव रहता है जो हमेशा सच नहीं होतीं। उन्होंने कहा कि अक्सर आपसे उम्मीद की जाती है कि आप हर हाल में मुस्कुराएं, चाहे भीतर से टूटे हुए क्यों न हों। ईशा ने ईमानदारी से स्वीकार किया कि बहुत समय तक उन्हें यह एहसास ही नहीं था कि 'मैं ठीक नहीं हूं' कहना भी एक विकल्प हो सकता है। उन्होंने कहा कि इंडस्ट्री में ज्यादा लोगों को यह सुनने की जरूरत है कि कभी-कभी खुद को थका हुआ या हारा हुआ महसूस करना भी पूरी तरह इंसानी बात है और इसका मतलब यह नहीं कि आपको सब कुछ चुपचाप सहना ही पड़े। उन्होंने इस पर बात की कि लगातार अच्छा प्रदर्शन करने, हर समय परफेक्ट दिखने और प्रासंगिक बने रहने का दबाव आपके मानसिक स्वास्थ्य पर गहरी चोट करता है, लेकिन इसके बावजूद इस बारे में बहुत कम लोग खुलकर बात करते हैं। ईशा के मुताबिक यह सोच कि भावनात्मक कमजोरी कमजोरी ही है, अब बदलनी चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि असली ताकत सब कुछ कंट्रोल करने में नहीं, बल्कि खुद के प्रति सच्चे और दयालु बने रहने में है। ईशा ने कहा कि 'आप जैसे हैं, वैसे ही पर्याप्त हैं,' यह एक बेहद सरल सच है जिसे हम अक्सर भूल जाते हैं, खासकर उस दुनिया में जहां सब कुछ फिल्टर और परफेक्शन में लपेटा जाता है। उन्होंने कहा कि वूलनेराबिलिटी यानी अपनी भावनाओं को खुलकर मानना कमजोरी नहीं बल्कि असली साहस है। ईशा कोप्पिकर का यह ईमानदार नजरिया मनोरंजन जगत में सफलता, मजबूती और आत्म-देखभाल को लेकर बनी धारणा को चुनौती दे रहा है। सोशल मीडिया के दौर में, जहां दिखावे और अवास्तविक उम्मीदों का दबाव बढ़ता जा रहा है, उनका यह संदेश न सिर्फ दिल को छू जाता है बल्कि दूसरों को भी खुद को अपनाने और मानसिक स्वास्थ्य को गंभीरता से लेने के लिए प्रेरित करता है। बता दें कि अभिनेत्री 'क्या कूल हैं हम', 'कृष्णा कॉटेज', 'एक विवाह ऐसा भी', 'शबरी' और 'डॉन' जैसी फिल्मों में अपने यादगार किरदारों के लिए जानी जाती हैं।

विक्रांत के 'डॉन 3' से बाहर होने को लेकर अटकलें जारी

बालीवुड अभिनेता विक्रांत मैसी के 'डॉन 3' से बाहर होने को लेकर अटकलें लगाई जा रही है। यह वही प्रोजेक्ट है जो रणवीर सिंह के 'डॉन' बनने की वजह से पहले से हाईलाइट में है। खबरों के मुताबिक विक्रांत फिल्म के अहम विलेन रोल से अचानक बाहर हो गए हैं। इस रोल में वह एक शातिर स्कैमस्टर का किरदार निभाने वाले थे, जिसका रणवीर सिंह के 'डॉन' से सीधा टकराव होता। इंडस्ट्री सूत्रों के मुताबिक विक्रांत को स्क्रिप्ट में अपने किरदार की गहराई कम लगी। उन्हें लगा कि यह रोल उनके एक्टिंग स्टैंडर्ड के हिसाब से 'लेयर्ड' या चुनौतीपूर्ण नहीं है। इसके अलावा रोल के लिए एक बड़ा फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन भी जरूरी था, जिसे लेकर वह असमंजस में थे। इस वजह से उन्होंने प्रोजेक्ट छोड़ने का फैसला किया। फरहान अख्तर अब नए विलेन की तलाश में हैं। पहले ही फिल्म की लीड फीमेल रोल में बदलाव हो चुका है कियारा आडवाणी के प्रेग्नेंट होने की वजह से उनकी जगह कृति सेनन को लिया गया। अब विक्रांत की एग्जिट ने मेकर्स के लिए कास्टिंग और जटिल कर दी है।

फिलहाल खबर है कि इस दमदार विलेन रोल के लिए विजय देवरकोंडा और आदित्य रॉय कपूर से बात चल रही है। दोनों में वह चार्म और इंटेंसिटी है जो रणवीर सिंह के 'डॉन' के मुकाबले एक करिश्माई विलेन के लिए जरूरी मानी जा रही है। हालांकि किसी की ओर से अभी तक आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। 'डॉन 3' की शूटिंग जनवरी 2026 से शुरू होनी है। फरहान अख्तर इसे इंटरनेशनल स्केल पर ले जाने की तैयारी में हैं और इसके लिए एक मजबूत स्टार कास्ट बनाना चाहते हैं। कुल मिलाकर विक्रांत मैसी के लिए यह वक्त चुनौतीपूर्ण कहा जा सकता है एक तरफ उनकी लेटेस्ट फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह पिट रही है, दूसरी तरफ उन्होंने जिस हाई-प्रोफाइल फिल्म से खुद को बाहर किया, वही रोल किसी और स्टार को एक बड़ा ब्रेक दे सकता है। उनके फैन्स भी इस बात को लेकर थोड़े हैरान हैं कि यह फैसला उनके करियर के लिए सही साबित होगा या बड़ी गलती बन जाएगा यह तो वक्त ही बताएगा। विक्रम मैसी की 'आंखों की गुस्ताखियां' की बात करें तो यह एक रोमांटिक-ड्रामा फिल्म है जिसमें विक्रांत के अपोजिट शनाया कपूर नजर आईं। शनाया ने इसी फिल्म से अपना बॉलीवुड डेब्यू किया। हालांकि, यह फिल्म दर्शकों को थिएटर तक खींचने में नाकाम रही और बॉक्स ऑफिस पर बेहद कमजोर प्रदर्शन कर रही है। ट्रेड एनालिस्टों का तो कहना है कि फिल्म 2025 की सबसे बड़ी फ्लॉप या 'डिजास्टर' साबित होने के कगार पर है। फिल्म के कंटेंट और प्रचार को लेकर कई सवाल उठ रहे हैं। दर्शकों और समीक्षकों को इसकी कहानी और निर्देशन में वह पकड़ नजर नहीं आई जो रोमांटिक-ड्रामा को हिट बना सके।

महिलाओं को लेकर पुरानी सोच अभी भी कायम: फातिमा सना शेख

बालीवुड अभिनेत्री फातिमा सना शेख ने कहा कि 30 साल की उम्र के बाद भी शादी न करने वाली महिलाओं को लेकर कुछ हद तक पुरानी सोच अभी भी कायम है, मगर पहले जैसा दबाव अब नहीं रह गया है। अभिनेत्री ने हाल ही में समाज में महिलाओं की शादी और रिश्तों को लेकर बदलती सोच पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने माना कि लोग अब व्यक्तिगत पसंद और रिश्तों में बदलाव को पहले से कहीं ज्यादा सहजता से स्वीकार करने लगे हैं। फातिमा के मुताबिक पहले एक निश्चित उम्र तक शादी करने का दबाव बहुत ज्यादा था, लेकिन समय के साथ चीजें बदल रही हैं और रिश्तों की परिभाषा भी बदल गई है। आज के दौर में कई लोग खुद पर या अपने करियर पर ध्यान देना पसंद करते हैं, तो कुछ अकेले रहना ही चुन लेते हैं। उन्होंने कहा कि समाज भी धीरे-धीरे इस बदलाव को अपनाना सीख रहा है। उन्होंने यह भी माना कि रिश्तों का मतलब अब अलग हो गया है और कई लोग अब अकेले रहने में भी खुशी महसूस करते हैं या अपनी प्राथमिकताओं पर ध्यान देते हैं। फातिमा ने यह भी कहा कि उन्हें यह नहीं पता कि यह बदलाव सही है या गलत, लेकिन अब उस पर पहले जैसी सख्ती या पाबंदी नहीं रही। बातचीत के दौरान फातिमा ने अपने पहले प्यार की यादें भी साझा कीं। जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्होंने कभी किताबों में फूल रखे या कोई ऐसा फिल्मी रोमांटिक पल जिया है, तो वह मुस्कुरा कर बोलीं, 'हां, बिल्कुल।'

उन्होंने बताया कि उनके उस वक्त के पार्टनर ने उनके जन्मदिन पर खास सरप्राइज प्लान किया था, जिसमें दरवाजे से कमरे तक का रास्ता फूलों से सजाया गया था। चारों तरफ फूल बिखरे थे और केक के आसपास मोमबत्तियां जली हुई थीं। हालांकि यह सरप्राइज वैसा नहीं रहा जैसा सोचा गया था, क्योंकि उनके वहां पहुंचने तक ज्यादातर मोमबत्तियां पिघल चुकी थीं। उन्होंने हंसते हुए कहा कि बाद में हमें सब कुछ साफ करना पड़ा। फातिमा ने उस लम्हे को बेहद खास और सच्चे प्यार का एहसास बताया और कहा कि तब वह काफी छोटी थीं और उस समय उनके पास फेसबुक या इंस्टाग्राम जैसे प्लेटफॉर्म भी नहीं थे।

सलमान ने 'बैटल ऑफ गलवान' को बताया करियर की कठिन फिल्म

बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान ने कहा कि एक्शन फिल्म की तैयारी हर गुजरते साल, महीने और दिन के साथ और अधिक चुनौतीपूर्ण होती जा रही है। उन्होंने अपनी अगली फिल्म 'बैटल ऑफ गलवान' को उन फिल्मों में शुमार किया, जिसके लिए उन्हें शारीरिक पहलू पर सबसे ज्यादा मेहनत करनी पड़ रही है।

सलमान 'शूटआउट एट लोखंडवाला' फेम निर्देशक अपूर्व लाखिया की फिल्म 'बैटल ऑफ गलवान' में अपने किरदार की तैयारियों में जीजान से जुटे हुए हैं। यह बहुप्रतीक्षित फिल्म भारत और चीन के बीच 2020 में पूर्वी लद्दाख की गलवान घाटी में हुए संघर्ष पर आधारित है। सलमान ने 'एजेंसी' के साथ बातचीत में कहा, ''यह (एक्शन फिल्म की तैयारी) शारीरिक रूप से बहुत चुनौतीपूर्ण है। हर साल, हर महीने, हर दिन यह और अधिक कठिन होती जा रही है। मुझे अब तैयारी के लिए अधिक समय देना होगा। पहले मैं एक या दो हफ्ते में तैयारी कर लेता था, अब मुझे काफी शारीरिक मेहनत करनी पड़ रही है। इस फिल्म के लिए यह सब जरूरी है।'' सलमान इस साल दिसंबर में 60 वर्ष के हो जाएंगे। उन्होंने कहा, ''उदाहरण के लिए 'सिकंदर' में एक्शन अलग था, किरदार अलग था। लेकिन यह फिल्म (बैटल ऑफ गलवान) शारीरिक पहलू पर अधिक मेहनत करने की मांग करती है। इसके अलावा, लद्दाख में ऊंचे स्थानों पर और ठंडे पानी में शूटिंग करना (एक और चुनौती है)।'' अभिनेता ने बताया कि परियोजना से जुड़ी टीम इस महीने के अंत में शूटिंग के लिए लद्दाख रवाना होगी। उन्होंने कहा, ''जब मैं फिल्म के लिए अपनी सहमति दे रहा था, तो मुझे लगा कि यह कमाल की है, लेकिन यह एक बहुत ही मुश्किल फिल्म है। मुझे लद्दाख में 20 दिन काम करना है और फिर सात से आठ दिन ठंडे पानी में शूटिंग करनी है। हम इसी महीने शूटिंग शुरू करेंगे।'' निर्माताओं के मुताबिक, यह फिल्म भारत की सबसे भीषण लड़ाइयों में से एक पर आधारित है, जो समुद्र तल से 15,000 फुट की ऊंचाई पर बिना एक भी गोली चलाए लड़ी गई थी। जून 2020 में गलवान घाटी में हुई झड़पों में भारतीय सेना के 20 जवानों ने अपने प्राणों की आहुति दी थी, जो दशकों में भारत और चीन के बीच सबसे गंभीर सैन्य संघर्ष था। सलमान ने बताया कि 'बैटल ऑफ गलवान' उनकी पिछली कुछ फिल्मों की तरह ईद पर रिलीज नहीं होगी, बल्कि यह अगले साल जनवरी में सिनेमाघरों में दस्तक देगी। उन्होंने पुष्टि की कि 2015 में प्रदर्शित उनकी सुपरहिट फिल्म 'बजरंगी भाईजान' के सीक्वल पर काम किया जा रहा है। बृहस्पतिवार को रिलीज के 10 साल पूरी करने वाली 'बजरंगी भाईजान' का जिक्र करते हुए सलमान ने कहा, ''मुझे यह फिल्म बहुत पसंद आई थी। इसका (सीक्वल) विषय और भावनात्मक पक्ष लगभग वही होगा, लेकिन यह एक अलग फिल्म होगी।'' कबीर खान के निर्देशन में बनी 'बजरंगी भाईजान' भगवान हनुमान के एक भक्त के बारे में थी, जो पाकिस्तान की एक मूक लड़की को उसके परिवार से मिलाने के लिए सीमा पार मिशन पर निकलता है। साइकिल और मोटरसाइकिल चलाने के शौकीन सलमान ने इंडियन सुपरक्रॉस रेसिंग लीग (आईएसआरएल) के दूसरे सीजन के लिए आयोजित संवाददाता सम्मेलन से इतर 'पीटीआई-भाषा' से बातचीत की। वह आईएसआरएल के ब्रांड एंबेसडर भी हैं। सलमान ने कहा, ''मैं हमेशा से ही साइकिल चलाने का शौकीन रहा हूं। साइकिल से लेकर मोटरसाइकिल तक, मुझे सब पसंद हैं। हालांकि, अब मुझे साइकिल चलाने का ज्यादा मौका नहीं मिलता।'' उन्होंने अपने प्रशंसकों को सड़कों पर 'बाइक रेस' लगाने के प्रति आगाह किया।

अभिनेता रणदीप हुड्डा को हुआ राइटिंग से लगाव, लिख रहे छोटी-छोटी कहानियां

-वर्सोवा और आराम नगर पर आधारित एक सीरीज पर कर रहे काम

फिल्म मेकर और एक्टर रणदीप हुड्डा की एक्टिंग उनका पहला प्यार है, रणदीप को पिछले कुछ सालों में राइटिंग से गहरा लगाव हो गया है। यह बात खुद रणदीप हुड्डा कह रहे हैं। उन्होंने कि यह उनके लिए किसी भी रचनात्मक प्रक्रिया का सबसे अच्छा हिस्सा है। जब वह अभिनय करते हैं, तो वह दूसरों की लिखी कहानियों का हिस्सा बनते हैं, लेकिन लेखन उन्हें वह कहानियां गढ़ने का मौका देता है, जिन्हें उन्होंने जिया, देखा या कल्पना की है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक वह वर्तमान में मुंबई के वर्सोवा और आराम नगर पर आधारित छोटी कहानियों की एक सीरीज बना रहे हैं। ये कहानियां हर रविवार को सड़क किनारे बांसुरी बेचने वाले एक व्यक्ति के जीवन, शहर में संघर्षरत अभिनेताओं के सफर, कास्टिंग काउच की कठोर सच्चाइयों और कई अन्य कहानियों को छूती हैं। रणदीप ने कहा कि वर्सोवा और आराम नगर मानवीय महत्वाकांक्षाओं और अस्तित्व के ऐसे खामोश रंगमंच रहे हैं और वह इन कहानियों को जीवंत करना चाहते थे। उन्होंने बताया कि हर रविवार उन्हें एक बांसुरी वाला उसी कोने पर खड़ा दिखता है, जो ऐसी धुनें बजाता है जो शहर के शोर में अक्सर दब जाती है। उसके पीछे महत्वाकांक्षी अभिनेताओं, रोजमर्रा के संघर्षों, छोटी जीतों और दिल टूटने की दुनिया है। उन्होंने कहा कि इन कहानियों को लिखने से उन्हें उद्देश्य की अनुभूति होती है और उनके आसपास की जिंदगी की परतों पर विचार करने का मौका मिलता है।

बता दें रणदीप 'मैचबॉक्स' में नजर आएंगे, जो सैम हार्ग्रेव के निर्देशन में बन रही अमेरिकी एक्शन एडवेंचर कॉमेडी फिल्म है। यह फिल्म इसी नाम के मशहूर टॉय ब्रांड पर आधारित है और इसमें जॉन सीना, जेसिका बील, सैम रिचर्डसन, आर्टुरो कास्त्रो, टेयोना पैरिस, रणदीप हुड्डा, दनाई गुरिरा और कोरी स्टोल नजर आएंगे। यह फिल्म 2026 में रिलीज होगी। रणदीप के पास 'ऑपरेशन खुकरी' नामक एक महाकाव्य युद्ध ड्रामा भी है। रणदीप ने मेजर जनरल राजपाल पुनिया और दामिनी पुनिया की किताब 'ऑपरेशन खुकरी- द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ द इंडियन आर्मीज ब्रेवेस्ट पीसकीपिंग मिशन अब्रॉड' के आधिकारिक फिल्म अधिकार हासिल कर लिए हैं। फिल्म 'ऑपरेशन खुकरी' 2000 की वास्तविक घटनाओं को पर्दे पर लाएगी, जब पश्चिम अफ्रीका के सिएरा लियोन में विद्रोही बलों ने 233 भारतीय सैनिकों को बंधक बना लिया था।

तमन्ना भाटिया के नए लुक को फैंस ने खूब पसंद किया

हाल ही में अभिनेत्री तमन्ना भाटिया ने इंस्टाग्राम पर अपनी कुछ बेहद खास तस्वीरें पोस्ट कीं, जिन्होंने लोगों का ध्यान खींच लिया और उनके लुक को फैंस ने खूब पसंद किया। इन तस्वीरों में तमन्ना ने एक अनोखा और कंट्रास्ट स्टाइल अपनाया है। उन्होंने काले रंग की चमकीली गाउन के साथ एक सिंपल ग्रे टी-शर्ट पहनकर यह दिखाया कि फैशन में विरोधाभास भी खूबसूरती पैदा कर सकता है। उनके इस लुक में ग्लैमर और कैजुअल अंदाज का ऐसा मेल नजर आया, जो उनके फैशन के प्रति सोच को भी बयां करता है। तमन्ना ने अपने पोस्ट के कैप्शन में लिखा कि फैशन उनके लिए केवल नए ट्रेंड्स को फॉलो करना नहीं है, बल्कि खुद को जाहिर करने का जरिया है। उन्होंने कहा कि फैशन में ग्लैमर और आराम, ताकत और नर्मी के बीच संतुलन होना चाहिए। उन्होंने लेयरिंग की ताकत को समझाते हुए लिखा कि एक काला गाउन और ग्रे टी-शर्ट दो अलग-अलग दुनिया से हो सकते हैं, लेकिन उनके लिए ऐसा लगता है जैसे वे मिलने के लिए ही बने हों। तमन्ना ने अपने विचार साझा करते हुए कहा कि विरोधाभास टकराव नहीं है, बल्कि यह वह जगह है जहां मर्दाना और स्त्री स्वभाव में तालमेल बैठता है।

'सरफिरा' मेरे करियर का सबसे चुनौतीपूर्ण अनुभव: राधिका मदान

बालीवुड की फिल्म 'सरफिरा' के रीलिज को एक साल पूरे होने पर अभिनेत्री राधिका मदान ने अपनी भूमिका को याद किया और कहा कि यह फिल्म मेरे करियर का सबसे चुनौतीपूर्ण अनुभव रहा है। अभिनेत्री राधिका ने कहा कि यह यकीन करना मुश्किल है कि फिल्म को रिलीज हुए एक साल हो गया है, ऐसा लगता है मानो अभी कुछ दिन पहले ही अक्षय और उन्होंने इसकी शूटिंग की हो। उन्होंने माना कि 'रानी' का किरदार उनके करियर का सबसे कठिन रोल रहा। फिल्म में राधिका ने अक्षय कुमार की पत्नी का किरदार निभाया था जो एक महाराष्ट्रीयन महिला है। इस रोल के लिए उन्होंने मराठी संस्कृति और बोली को आत्मसात करने में काफी मेहनत की। दिल्ली की रहने वाली राधिका ने बताया कि उन्होंने हर प्रोजेक्ट में अलग-अलग बोलियों को सीखकर खुद को चुनौती दी है, चाहे वह उत्तर प्रदेश की बोली हो, जयपुरी लहजा हो या अब मराठी। मराठी के लिए उन्होंने लोकल लोगों के साथ समय बिताया ताकि उनकी भाषा और संस्कृति को समझकर उसे पर्दे पर ईमानदारी से उतार सकें। राधिका ने कहा कि मुंबई में मराठी बोलने वालों की संख्या काफी ज्यादा है और इसलिए सही उच्चारण और अंदाज सीखना जरूरी था। उन्होंने बताया कि इस प्रक्रिया में उन्हें बहुत कुछ सीखने को मिला और यह उनके लिए बेहद रोमांचक रहा। इसके अलावा उन्होंने अक्षय कुमार, परेश रावल और निर्माता विक्रम मल्होत्रा जैसे अनुभवी और प्रतिष्ठित कलाकारों के साथ काम करने को अपने लिए गर्व की बात बताया। राधिका ने यह भी कहा कि अक्षय कुमार के साथ 'सरफिरा' में काम करने के बाद अब वह उनके अगले प्रोजेक्ट 'सूबेदार' के लिए बेहद उत्साहित हैं। फिल्म 'सरफिरा' की बात करें तो इसे राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता सुधा कोंगरा ने निर्देशित किया था और इसकी कहानी भारत में तेजी से बढ़ती स्टार्टअप दुनिया और एविएशन सेक्टर के इर्द-गिर्द घूमती है। फिल्म में एक व्यक्ति के सपने को दिखाया गया है जो हवाई यात्रा को आम आदमी की पहुंच में लाना चाहता है और इसके लिए तमाम मुश्किलों का सामना करता है। राधिका मदान के वर्कफ्रंट की बात करें तो वह जल्द ही फिल्म 'सूबेदार' में नजर आएंगी जिसमें वह अनिल कपूर की बेटी की भूमिका निभा रही हैं।

संक्षिप्त समाचार

कंबोडिया में साइबर अपराध पर नकेल, 1000 गिरफ्तार

नामपेन्ह, एजेंसी। एशियाई देश कंबोडिया में साइबर अपराध के खिलाफ सख्त कार्रवाई हो रही है। प्रधानमंत्री हुन मानेट ने देश में आपराधिक साइबर कृत्यों पर नकेल कसने और कार्रवाई करने के आदेश दिए हैं। इसी का नतीजा है कि महज एक हफ्ते में 1,000 से अधिक संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया है। प्रधानमंत्री मानेट ने सुरक्षा, सार्वजनिक व्यवस्था और सामाजिक सुरक्षा को बरकरार रखने और संरक्षित करने के निर्देश दिए हैं। आदेश में कहा गया है कि कंबोडिया में, विदेशी आपराधिक समूह ऑनलाइन घोटाले करने के लिए घुसपैठ कर चुके हैं। साइबर अपराध के अंतरराष्ट्रीय आपराधिक गिरोह प्रतिवर्ष अरबों डॉलर कमाते हैं। संयुक्त राष्ट्र और अन्य एजेंसियों का अनुमान है कि अधिकांश साइबर घोटालों के तार दक्षिण-पूर्व एशिया से जुड़े होते हैं। इन्हीं बातों के मद्देनजर देश की सरकार सख्त कदम उठा रही है। साइबर स्कैम और जुए के धंधों के लिए कुख्यात थाईलैंड की सीमा से सटे कंबोडियाई शहर पोइपेट में बुधवार को 45 महिलाओं समेत कम से कम 270 इंडोनेशियाई लोगों को गिरफ्तार किया गया। इसके अलावा, उत्तरपूर्वी प्रांत क्राटी में पुलिस ने थाईलैंड, बांग्लादेश, इंडोनेशिया, म्यांमार और वियतनाम के नागरिकों समेत 312 लोगों को गिरफ्तार किया।

बेल्जियम के टुमॉरोलैंड संगीत समारोह के मुख्य मंच में लगी आग

ब्रुसेल्स, एजेंसी। बेल्जियम में होने वाले टुमॉरोलैंड म्यूजिक फेस्टिवल के शुरू होने से दो दिन पहले, बुधवार को इसके मुख्य मंच में आग लग गई। आयोजकों ने बताया कि आग से मंच को काफी नुकसान पहुंचा है। इस हादसे में किसी के घायल होने की खबर नहीं है। सोशल मीडिया और खबरों में आई तस्वीरों में दिखा कि आग की लपटें मंच को घेर रही थीं और धुआं आसमान में फैल रहा था। आग पास के जंगल तक भी पहुंच गई। यह फेस्टिवल ब्रुसेल्स के पास बूम शहर में होता है और शुक्रवार से शुरू होने वाला था। इसमें यूरोप के कई देशों से हजारों लोग शामिल होते हैं।

न्यू जर्सी में बिजली गिरने से 1 व्यक्ति की मौत, 13 घायल

न्यू जर्सी , एजेंसी। अमेरिका के न्यू जर्सी के एक तीरंदाजी रेंज में बिजली गिरने से एक व्यक्ति की मौत हो गई और 13 अन्य घायल हो गए। न्यू जर्सी के जैक्सन टाउनशिप के पुलिस प्रमुख ने बताया कि बुधवार शाम करीब 7.15 बजे पुलिस को सूचना मिली कि ब्लैक नाइट बोबेंडर्स तीरंदाजी रेंज में बिजली गिरने से कई लोग उसकी चपेट में आए हैं। पुलिस ने बताया कि हादसे में 61 वर्षीय एक व्यक्ति की मौत हो गई और 13 अन्य घायल हुए हैं। घायलों में कुछ जलने से घायल हैं तो कुछ बेहोश हो गए थे। घायलों का नजदीकी अस्पताल में इलाज चल रहा है। घायलों में एक 7 साल का बच्चा भी शामिल है।

डोनाल्ड ट्रम्प ने जेफ्री एप्सटीन से जुड़ी विश्वसनीय जानकारी सामने लाने को कहा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी संसद के स्पीकर माइक जॉनसन के जेफ्री एप्सटीन से जुड़े दस्तावेज सामने लाने की मांग के बाद डोनाल्ड ट्रम्प ने अटॉर्नी जनरल पाम बॉन्डी से विश्वसनीय जानकारी सार्वजनिक करने को कहा है। हालांकि, पहले ट्रम्प ने कहा था कि एप्सटीन का मामला अब पुराना है और देश को आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने बॉन्डी का समर्थन करते हुए कहा कि वह जो दस्तावेज ठीक समझें, उन्हें जारी कर सकती हैं। इसके चलते ट्रम्प की रिपब्लिकन पार्टी के समर्थकों में गुस्सा बढ़ गया था क्योंकि खुद ट्रम्प 10 साल से एपस्टीन फाइल्स को अपने विरोधियों पर सियासी हमले करने के लिए इस्तेमाल करते रहे हैं। बॉन्डी ने एप्सटीन पर सवालों से बचते हुए कहा था कि उनका ध्यान ड्रग्स और मानव तस्करी जैसे बड़े मुद्दों पर है। एप्सटीन एक फाइनेंसर थे, जिन्होंने 2019 में जेल में आत्महत्या कर ली थी। उन पर सेक्स ट्रैफिकिंग के गंभीर आरोप थे।

इराक के शॉपिंग मॉल में लगी भीषण आग, 50 लोगों की जिंदा जलने से मौत

बगदाद, एजेंसी। इराक के एक शॉपिंग मॉल में भीषण आग लगने कम से कम 50 लोगों के जिंदा जलकर मारे जाने की खबर है. न्यूज एजेंसी एएफपी के मुताबिक दावा किया जा रहा है कि यह हादसा इराक के अल-कूट के एक सुपरमार्केट में हुआ है. वायरल तस्वीरों में दिखाई दे रहा है कि इमारत के बड़े हिस्से में आग लगी हुई है और धुएं का गुबार निकल रहा है. हादसे से जुड़ा एक वीडियो भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म काफी वायरल हो रहा है, जिसमें पांच मंजिला इमारत आग की लपटों में घिरी दिखाई दे रही है, जबकि दमकलकर्मी आग पर काबू पाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं. वासित प्रांत के गवर्नर मोहम्मद अल-मियाही ने आधिकारिक आईएनए समाचार एजेंसी को बताया, एक बड़े शॉपिंग सेंटर में लगी इस आग में मरने वाले पीड़ितों की संख्या लगभग 50 हो गई है. हालांकि, आग लगने का सही कारण अभी स्पष्ट नहीं है, लेकिन आईएनए के अनुसार, गवर्नर ने कहा कि जांच के प्रारंभिक निष्कर्ष 48 घंटों के भीतर जारी किए जाएंगे. आग किस वजह से लगी, इसका आधिकारिक कारण अब तक स्पष्ट नहीं हो पाया है. हालांकि, ईराक की सरकारी समाचार एजेंसी आईएनए के मुताबिक, आग लगने के पीछे के कारणों की जांच की जा रही है।

बांग्लादेश में फिर भड़की हिंसा, 4 लोगों की मौत; शेख हसीना के गढ़ में उपद्रव के बाद लगा कर्फ्यू

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में हिंसा का दौर फिर से शुरू हो गया है। नेशनल सिटिजन पार्टी की ओर से आयोजित रैली के दौरान बुधवार को भीषण हिंसा हुई और इसमें 4 लोग मारे गए हैं। यह हिंसा शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग के कार्यकर्ताओं और नेशनल सिटिजन पार्टी के लोगों के बीच हुई। गोपालगंज में पूरे दिन ही रुक-रुककर झड़पें होती रहीं, जिसमें बड़ी संख्या में लोग घायल भी हुए हैं। यह घटनाक्रम अहम है क्योंकि गोपालगंज शेख हसीना का होमटाउन है। उनके पिता शेख मुजीब-उर-रहमान का जन्म यहीं हुआ था। जिले के पोरा पार्क में सिटिजन पार्टी की रैली का आयोजन होना था और उससे पहले हिंसक झड़पें शुरू हो गईं। बांग्लादेश के अखबार डेली स्टार की रिपोर्ट के मुताबिक इस रैली का अवामी लीग के लोग विरोध कर रहे थे। उनकी ओर से रैली का रास्ता रोकने के लिए कई जगहों पर पेड़ों को काटकर डाल दिया गया था। इसके अलावा हथियारों से लैस होकर रास्तों पर उन्हें घेरने का भी आरोप है। इसके अलावा आरोप यह भी है कि उन लोगों ने सरकारी वाहनों को भी आग के हवाले कर दिया। इसके बाद नेशनल सिटिजन पार्टी के रैली स्थल पर भी हमला होने का आरोप है। बता दें कि बांग्लादेश में अवामी लीग की सभी राजनीतिक गतिविधियों पर रोक प्रतिबंध लगा दिया गया है। फिलहाल दक्षिणी जिले में सरकार ने कर्फ्यू लगा दिया है ताकि स्थिति को नियंत्रित किया जा सके। इसके अलावा गोपालगंज जिले में स्कूली परीक्षाओं तक को स्थगित कर दिया गया है। गोपालगंज के सिविल सर्जन अबू सैयद मोहम्मद फारूक का कहना है कि इस हिंसा में 4 लोग मारे गए हैं और 13 घायल हुए हैं। मारे गए लोगों की पहचान दीसो साहा, रमजान काजी, सोहले और ईमान के तौर पर हुई है। दीसो साहा के परिजनों का कहना है कि उनका बेटा किसी भी राजनीतिक दल से नहीं जुड़ा था। वह घर से लंच करने के बाद दुकान लौट रहा था। इसी दौरान उसके पेट पर गोली मार दी गई। सुरक्षाबलों की फायरिंग में मारे गए लोग या फिर हिंसा के शिकार? हालांकि यह फायरिंग सुरक्षाबलों की ओर से किए जाने की बात सामने आ रही है। एक दुकानदार ने कहा कि सुरक्षाबलों ने जब फायरिंग की तो दो लोगों को गोलियां लगीं और मैंने उन्हें जमीन पर नीचे गिरते हुए देखा। माना जा रहा है कि इस हिंसा के बाद भारत में निर्वासित होकर रह रहीं शेख हसीना की मुश्किलें और बढ़ सकती हैं। उनकी पार्टी के लोगों पर सरकारी ऐक्शन तेज हो सकता है। पहले ही अवामी लीग की गतिविधियों पर रोक लगी हुई है। इसके अलावा उसके कार्यकर्ता भी ज्यादातर शहरों में भूमिगत होकर जी रहे हैं। हिंसा के बाद भी एनसीपी ने रैली की, गोपालगंज में 22 घंटे कर्फ्यू हिंसा के बावजूद एनसीपीने गोपालगंज में अपनी रैली पूरी की। क्षतिग्रस्त मंच पर टूटी हुए साउंड सिस्टम के साथ नेताओं ने भाषण दिए। एनसीपी के संस्थापक और कन्वीनर नाहिद इस्लाम ने रैली की अध्यक्षता की। उन्होंने कहा कि अगर सुरक्षा एजेंसियों ने हमें न्याय नहीं दिया, तो हम अपने लिए न्याय खुद लेंगे। एनसीपी नेता सरजिस आलम ने एक फेसबुक पोस्ट में कहा, गोपालगंज में, हत्यारी हसीना के गुर्गों ने हम पर हमला किया। पुलिस बस खड़ी होकर तमाशा देखती और पीछे हट गई। बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस के ऑफिस ने गोपालगंज में बुधवार रात आठ बजे से अगले 22 घंटे का कर्फ्यू लगाने का आदेश दिया है। गोपालगंज में पैरामिलिट्री बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश के लगभग 200 सैनिकों को गोपालगंज में तैनात किया गया है। बांग्लादेश में एनसीपी एक नया उभरता राजनीतिक दल है। 28 फरवरी 2025 को इसका गठन हुआ। यह छात्रों के नेतृत्व वाला पहला राजनीतिक दल माना जाता है। अंतरिम सरकार के प्रमुख मुहम्मद यूनुस को इसका समर्थन मिला हुआ है। युनूस बोले- रैली से रोकना मौलिक अधिकारों का उल्लंघन यूनुस ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, युवाओं को उनके क्रांतिकारी आंदोलन की एक साल की सालगिरह मनाने के लिए शांतिपूर्ण रैली करने से रोकना उनके मौलिक अधिकारों का शर्मनाक उल्लंघन है। यूनुस ने हिंसा के लिए हसीना की अवामी लीग पार्टी और उसके छात्र समूह को जिम्मेदार ठहराया। ?यूनुस ने कहा, अपराधियों की जल्द से जल्द पहचान की जानी चाहिए और उन्हें पूरी तरह से जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। बांग्लादेश के किसी भी नागरिक के खिलाफ इस तरह की हिंसा के लिए कोई जगह नहीं है। हम उन छात्रों के साहस की सराहना करते हैं।

अमेरिका में लाखों रुपये के सामान की चोरी करते पकड़ी गई भारतीय महिला, सोशल मीडिया पर छिड़ी बहस

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में एक भारतीय महिला टारगेट स्टोर में लाखों रुपये के सामान की चोरी करते हुए पकड़ी गई। आरोपी महिला को पुलिस ने हिरासत में लिया है। महिला टारगेट स्टोर में सात घंटे से अधिक समय तक रही, जिससे स्टोर के स्टाफ को उसके स्वभाव पर शक हुआ। इसके बाद पुलिस को सूचित किया गया। पुलिस ने स्टोर से महिला को हिरासत में ले लिया। महिला पर 1300 डॉलर का सामान चुराने का आरोप है। पुलिस कर्मियों के शरीर पर लगे बॉडी कैम का वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट किया गया है। जिसमें दिख रहा है कि जब पुलिस स्टोर पहुंचती है तो स्टोर के स्टाफ ने महिला को एक कमरे में बिठाया हुआ था और उससे पूछताछ की जा रही थी। पुलिस के पहुंचने पर स्टोर के कर्मचारी ने बताया कि यह महिला बीते 7 घंटे से भी ज्यादा समय से स्टोर में मौजूद थी और वह सामान उठा रही थी और बार-बार अपना फोन चेक कर रही थी। महिला ने लिए गए सामान का भुगतान करने के बजाय उसे लेकर पिछले दरवाजे से निकलने की कोशिश की। इसके बाद आरोपी महिला ने चुराए गए सामान का भुगतान करने की कोशिश की। महिला ने ये भी कहा कि वह इस देश की नहीं है। महिला ने माफी मांगकर बात खत्म करने की भी कोशिश की। हालांकि पुलिस ने उसकी कोई बात नहीं मानी और आरोपी महिला को हथकड़ी लगाकर पुलिस स्टेशन ले जाया गया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर आने के बाद इसे लेकर सोशल मीडिया पर बहस छिड़ गई है। कई भारतीय अप्रवासियों ने घटना को लेकर निराशा जाहिर की और कहा कि किसी देश में अप्रवासी होने पर वह कानून तोड़ने से डरता है।

बलूचिस्तान में बस पर ताबड़तोड़ गोलीबारी, 3 लोगों की मौत और 7 घायल

क्वेटा, एजेंसी। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में स्थिति सुधरने का नाम नहीं ले रही है। आए दिन ही प्रांत में कहीं न कहीं आपराधिक घटनाओं के मामले सामने आते रहते हैं। कुछ दिन पहले एक बस से 9 यात्रियों को किडनैप करके उन्हें मौत के घाट उतार दिया गया था। अब बलूचिस्तान में एक और बस को निशाना बनाया गया है। कराची से क्वेटा जा रही यात्रियों से भरी एक बस पर बंदूकधारियों ने ताबड़तोड़ गोलीबारी कर दी। यह हमला बुधवार को कलात शहर में एक चेकपोस्ट के पास हुई। बलूचिस्तान के कलात में यात्रियों से भरी बस पर गोलीबारी में 3 यात्रियों की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार मरने वाले तीनों यात्री कव्वाली गायक थे और कराची से क्वेटा, एक कार्यक्रम में हिस्सा लेने के लिए जा रहे थे। गंभीर रूप से घायल लोगों को क्वेटा के अस्पताल में भेजा गया है। मशहूर कव्वाल माजिद अली साबरी ने बताया कि उनके भाई, भतीजे और लोग शादी समारोह में प्रदर्शन के लिए क्वेटा जा रहे थे। बलूचिस्तान सरकार के प्रवक्ता शाहिद रिंद ने बताया कि सुरक्षा बलों और बचाव दल तुरंत मौके पर पहुंचे और हमलावरों की तलाश में अभियान शुरू किया गया है।

अलास्का में 7.3 तीव्रता का भूकंप : सुनामी की चेतावनी वापस ली गई

जूनो, एजेंसी। अमेरिकी राज्य अलास्का में गुरुवार तड़के करीब 2 बजे (भारतीय समयानुसार) भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। रिक्टर पैमाने पर इसकी तीव्रता 7.3 रही। इसके बाद राज्य के तटवर्ती इलाकों में सुनामी की चेतावनी जारी की गई है। हालांकि, कुछ घंटों बाद इसे वापस ले लिया गया। नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी के मुताबिक भूकंप अलास्का के पॉपोफ आइलैंड पर सैंड पॉइंट के पास आया। इसका केंद्र जमीन से 36 किलोमीटर नीचे था। हालांकि, इसमें अभी तक किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। अलास्का भूकंप एजेंसी के मुताबिक यहां एक सप्ताह में, लगभग 400 भूकंप दर्ज किए गए। सबसे बड़ा भूकंप 16 जुलाई को अटका के पास 5.1 तीव्रता का था। मिशिगन टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी के अनुसार, 7.0 से 7.9 तीव्रता वाला भूकंप नुकसान पहुंचाने में सक्षम माना जाता है। अलास्का में हर साल लगभग 10-15 ऐसे भूकंप दर्ज किए जाते हैं। लोगों से सुरक्षा निर्देशों का पालन करने की अपील भूकंप के बाद, सुनामी चेतावनी प्रणाली ने अलास्का के कुछ तटीय हिस्सों के लिए सुनामी की चेतावनी जारी की है। प्रभावित क्षेत्रों में अधिकारियों ने लोगों से सतर्क रहने और सुरक्षा निर्देशों का पालन करने की अपील की है। अमेरिकी जियोलॉजिकल सर्वे ने बताया कि सैंड पॉइंट के दक्षिण में आया यह भूकंप प्रशांत और उत्तर अमेरिकी प्लेटों के बीच सबडक्शन जोन पर या उसके पास थ्रस्ट फॉल्टिंग के कारण हुआ। अलास्का रिंग ऑफ फायर का हिस्सा अलास्का अमेरिका का भूकंपीय रूप से सक्रिय राज्य है, जहां दुनिया के लगभग 11प्रतिशत भूकंप और पूरे अमेरिका के 17.5प्रतिशत भूकंप आते हैं। अलास्का पैसेफिक रिंग ऑफ फायर का हिस्सा है, जो लगातार आने वाले भूकंपों और सक्रिय ज्वालामुखियों के लिए जाना जाता है। अलास्का में

मार्च 1964 में 9.2 तीव्रता का भूकंप आया था, जो उत्तरी अमेरिका में अब तक का सबसे शक्तिशाली भूकंप था। इस भूकंप ने एंकोरेज शहर को तबाह कर दिया। बाद में एक सुनामी आई, जिससे अलास्का की खाड़ी, अमेरिका के पश्चिमी तट और हवाई इलाके को तबाह कर दिया।

ट्रंप सरकार के खिलाफ सड़कों पर लोग, अप्रवासन-स्वास्थ्य सेवाओं में कटौती के खिलाफ देशव्यापी प्रदर्शन : वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में ट्रंप प्रशासन के खिलाफ विरोध बढ़ता जा रहा है। यही वजह है कि गुरुवार को सरकार के खिलाफ देशव्यापी विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। खासकर अप्रवासन नीति और स्वास्थ्य सेवाओं में कटौती के खिलाफ लोगों में गहरी नाराजगी है। दरअसल गुरुवार को अमेरिका में नेशनल एक्शन डे भी है, जो नागरिक अधिकार कार्यकर्ता जॉन लेविस के सम्मान में आयोजित किया जाता है। नेशनल एक्शन डे पर ट्रंप प्रशासन के खिलाफ देशभर में 1600 से ज्यादा जगहों पर विरोध प्रदर्शन होंगे। कई सामाजिक संगठन इन विरोध प्रदर्शनों का आयोजन कर रहे हैं। ऐसे ही एक संगठन पब्लिक सिटीजन की सह-अध्यक्ष लिजा गिलबर्ट ने कहा कि हम बेहद खराब दौर से गुजर रहे हैं। इस सरकार में नागरिक अधिकार, आजादी और लोकतंत्र को चुनौती दी जा रही है।

अटलांटा, सेंट लुइस, ऑकलैंड, कैलिफोर्निया, एनापोलिस और मैरीलैंड में भी विरोध प्रदर्शन होंगे। बता दें कि ट्रंप प्रशासन ने अप्रवासियों के खिलाफ सख्त रुख अपनाया हुआ है। इस सरकार में अभी तक लाखों अवैध अप्रवासियों को अमेरिका से निकाला जा चुका है और लाखों पर निर्वासन की तलवार लटक रही है।

थाईलैंड में बड़े सेक्स स्कैंडल का भंडाफोड़, एक महिला गिरफ्तार

बैंकॉक , एजेंसी। थाईलैंड में एक बड़े सेक्स स्कैंडल का भंडाफोड़ हुआ है। यहां एक महिला को कई साधुओं के साथ यौन संबंध बनाने और बाद में उन्हें ब्लैकमेल करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। खबर है कि पहले लुभा कर सेक्स में फंसाने और ब्लैकमेल के इस खेल के जरिए करीब 385 मिलियन बाथ की उगाही की गई है। भारतीय मुद्रा में यह रकम 100 करोड़ रुपये से ज्यादा है। फिलहाल, पुलिस मामले की जांच कर रही है। पीटीआई भाषा के अनुसार, रॉयल थाई पुलिस सेंट्रल इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो ने बताया कि इस कांड में शामिल कम से कम नौ बौद्ध भिक्षुओं और वरिष्ठ भिक्षुओं को भिक्षु पद से हटा दिया गया है। पुलिस ने बताया कि उत्तरी थाईलैंड स्थित एक बौद्ध मंदिर के बैंक खाते से एक वरिष्ठ भिक्षु की तरफ से विलावान एम्सावत के खाते में भेजी गई धनराशि का भी पता चला है। लगभग 35 वर्षीय विलावान एम्सावत को राजधानी बैंकॉक के उत्तर में नोंथबुरी प्रांत स्थित उसके घर से जबरन वसूली, धन शोधन और चोरी का सामान लेने के आरोपों में गिरफ्तार किया गया। अपनी गिरफ्तारी से पहले विलावान ने ऐसे एक संबंध की बात स्वीकारी थी और कहा था कि उसने उस बौद्ध भिक्षु को पैसे दिए थे। गिरफ्तारी के बाद से विलावान ने कोई बयान नहीं दिया है और यह स्पष्ट नहीं है कि उसका प्रतिनिधित्व करने के लिए कोई वकील है या नहीं। रिपोर्ट के मुताबिक, पुलिस ने बताया कि विलावान ने वित्तीय लाभ के लिए जानबूझकर वरिष्ठ भिक्षुओं को निशाना बनाया। पुलिस ने पाया कि प्रेम संबंध शुरू करने के बाद कई भिक्षुओं ने बड़ी धनराशि विलावान को ट्रांसफर की थी। पुलिस ने बताया कि पिछले तीन साल में विलावान के बैंक खाते में 1.19 करोड़ अमेरिकी डॉलर की धनराशि प्राप्त हुई लेकिन इसमें से अधिकतर राशि ऑनलाइन जुए वाली वेबसाइट पर खर्च की गई।

मुझे कुछ होता है तो आसिम मुनीर होंगे जिम्मेदार : इमरान खान

इस्लामाबाद, एजेंसी। जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने बुधवार को अपनी पार्टी के सदस्यों से कहा कि यदि जेल में उनके साथ कोई भी अनहोनी होती है तो उसके जिम्मेदार सेनाध्यक्ष प्रमुख फील्ड मार्शल असीम मुनीर होंगे। क्रिकेटर से नेता बने 72 वर्षीय खान कई मामलों में अगस्त 2023 से जेल में हैं।

खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) शहबाज शरीफ सरकार और सैन्य प्रतिष्ठान पर खान को रिहा करने के लिए दबाव बनाने के लिए पांच अगस्त से पूरे देश में एक बड़े अभियान की शुरुआत करने की तैयारी कर रही है। खान ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, हाल के दिनों में, जेल में मेरे साथ होने वाला कठोर व्यवहार और भी बढ़ गया है। यही रवैया मेरी पत्नी बुशरा बीबी के खिलाफ भी अपनाया जा रहा है। यहां तक कि उनकी कोठरी का टीवी भी बंद कर दिया गया है। हम दोनों के सभी बुनियादी अधिकार चाहे वे मानवीय हों या कैदियों को दी गई कानूनी निलंबित कर दिए गए हैं।

खान ने कहा कि इसके लिए जवाबदेही होनी चाहिए। उन्होंने दावा किया कि वह पूरी तरह से जानते हैं कि एक कर्नल और जेल अधीक्षक असीम मुनीर के आदेश पर कार्रवाई कर रहे हैं।

पूर्व प्रधानमंत्री ने कहा, इसलिए मैं अपनी पार्टी को स्पष्ट निर्देश देता हूं कि अगर जेल में मेरे साथ कुछ भी होता है तो असीम मुनीर को जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा, मैं अपनी पूरी जिंदगी जेल में बिताने को तैयार हूं, लेकिन अत्याचार और दमन के आगे झुकने का सवाल ही नहीं उठता। पाकिस्तान की जनता के लिए मेरा संदेश एक ही है - किसी भी हालत में इस दमनकारी व्यवस्था के आगे न झुकें। खान ने दोहराया और कहा कि बातचीत का समय बीत चुका है - अब देशव्यापी विरोध का समय है। खान ने कहा कि यहां तक कि दोषी ठहराए गए हत्यारों और आतंकवादियों को भी उनसे बेहतर स्थिति में रखा जाता है। उन्होंने एक सैन्य कर्मी का नाम लेते हुए कहा कि उसे जेल में वीआईपी सुविधा दी जा रही है।

बांग्लादेश में फिल्ममेकर सत्यजीत रे का घर गिराने पर रोक

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में भारत के मशहूर फिल्म निर्देशक सत्यजीत रे के पैतृक घर के तोड़े जाने पर रोक लगा दी गई है। सत्यजीत रे के पुरखों के घर मैमनसिंह शहर में है। अधिकारियों ने अब यह तय करने के लिए एक समिति बनाई है कि इस घर को दोबारा कैसे बनाया जा सकता है। भारत ने मंगलवार को बांग्लादेश से सत्यजीत रे की पैतृक संपत्ति को ध्वस्त करने के फैसले पर रोक लगाने की अपील की थी। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भी इस तोड़फोड़ का विरोध करते हुए कहा कि यह घर बंगाल के सांस्कृतिक इतिहास से गहराई से जुड़ा हुआ है।

सत्यजीत रे एक प्रसिद्ध भारतीय फिल्म डायरेक्टर, लेखक, संगीतकार और चित्रकार थे। उन्हें विश्व सिनेमा के बड़े फिल्मकारों में से एक माना जाता है। बांग्लादेश में सत्यजीत रे का घर लगभग सौ साल पहले बनाया गया था। 1947 में बंटवारे के बाद यह संपत्ति बांग्लादेश सरकार के अधीन हो गई थी।

प्रशासन ने अपनी गलती मानी यह घर दरअसल सत्यजीत रे के दादा, प्रसिद्ध लेखक उपेंद्रकिशोर रे चौधरी से जुड़ा है। हालांकि, बांग्लादेश उच्चायोग के एक अधिकारी फैसल महमूद ने बताया कि सत्यजीत रे खुद कभी इस घर में नहीं रहे थे। उन्होंने यह भी कहा कि उपेंद्रकिशोर भी शायद इस घर में नहीं रहे थे, क्योंकि वह पास के किशोरगंज जिले के कोटियाडी नाम की जगह में रहते थे। वहां उनका असली घर आज भी है और उसे विरासत स्थल के रूप में सुरक्षित रखा गया है।

उन्होंने यह भी बताया कि बांग्लादेश की विरासत सूची में ऐसे 531 संरक्षित स्थल हैं,

लेकिन मैमनसिंह वाला यह घर उस सूची में नहीं था। यह प्रशासन की गलती थी कि इस घर को विरासत स्थल के रूप में नहीं जोड़ा गया, इसलिए इसे बचाने की कोई कानूनी बाध्यता नहीं थी। फिर भी अब जब इस पर विवाद हुआ है, तो सरकार इस पर दोबारा विचार कर रही है। भारत सरकार ने जताई थी चिंता फैसल महमूद ने कहा कि सत्यजीत रे सिर्फ भारत या बांग्लादेश के नहीं हैं, वह पूरी दुनिया की धरोहर हैं। वे सभी बांग्लादेशियों के लिए भी गौरव हैं। इससे पहले भारत सरकार ने इस मुद्दे पर गंभीर चिंता जताते हुए कहा कि यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि मैमनसिंह में सत्यजीत रे के पैतृक घर को गिराया जा रहा है। यह वही घर है जो उनके दादा उपेंद्रकिशोर रे चौधरी से जुड़ा हुआ था और बंगाल के सांस्कृतिक पुनर्जागरण का प्रतीक रहा है। भारत ने कहा कि यह इमारत बांग्लादेश सरकार की संपत्ति है और खराब हालत में है, लेकिन इसकी ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्ता को देखते हुए इसे गिराने के बजाय संग्रहालय या सांस्कृतिक स्थल में बदलना बेहतर होगा। भारत सरकार ने इसके पुनर्निर्माण और संरक्षण में सहयोग देने की पेशकश भी की। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भी इसे बेहद दुखद घटना बताया और कहा कि रे परिवार बंगाली संस्कृति का प्रमुख प्रतीक है।

आईपीएल बनी 'सोने की मुर्गी', बीसीसीआई की 2023-24 में छप्परफाड़ कमाई! सिर्फ ब्याज से मिले 987 करोड़

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने साल 2023-24 के लिए अपनी कमाई का खुलासा किया है। बोर्ड को सबसे ज्यादा कमाई इंडियन प्रीमियर लीग के प्रसारण अधिकार से हुई है। आईपीएल बीसीसीआई के लिए सोने की मुर्गी बन गई है। दुनिया के सबसे अमीर क्रिकेट बोर्ड का खजाना लगातार बढ़ रहा है। इसका श्रेय दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टी20 लीग मानी जाने वाली आईपीएल की बढ़ती लोकप्रियता को दिया जा रहा है।

बोर्ड के पास 30 हजार करोड़ का रिजर्व

इसके अलावा बोर्ड ने पिछले फाइनेंशियल ईयर में सिर्फ ब्याज से 987 करोड़ रुपए कमाए थे। इस दौरान इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल डिस्ट्रीब्यूशन से उन्हें 1,042 करोड़ रुपए मिले हैं। ये नहीं बीसीसीआई को आईपीएल के अलावा रेवेन्यू बढ़ाने के लिए रणजी ट्रॉफी, दिलीप ट्रॉफी या सीके नायडू ट्रॉफी जैसे बड़े टूर्नामेंट के आयोजन से भी काफी मदद मिलती है। इन भी घरेलू टूर्नामेंट से भी बोर्ड को काफी फायदा होता है। इसका अंदाजा आप इस बात से लगा सकते हैं कि बोर्ड के पास लगभग 30 हजार करोड़ का रिजर्व है।

कमाई में आईपीएल का 59 प्रतिशत योगदान

एक रिपोर्ट के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2023-24 में भारतीय क्रिकेट बोर्ड की हुई कमाई में अकेले आईपीएल ने 59 प्रतिशत का योगदान दिया है। बोर्ड ऑफ कंट्रोल फॉर क्रिकेट इन इंडिया को 2023-24 में इंडियन प्रीमियर लीग से कुल 5.761 करोड़ रुपए की कमाई हुई। बीसीसीआई ने साल 2023 से 2027 के लिए आईपीएल के प्रसारण अधिकार कुल 48,390 करोड़ रुपये में बेचे थे। एक रिपोर्ट के अनुसार, बीसीसीआई ने वित्त वर्ष 23-24 में 9,741.7 करोड़ रुपए का रेवेन्यू अर्जित किया, जिसमें आईपीएल का योगदान 5,761 करोड़ रुपए है। आईपीएल के बिना मीडिया राइट्स से भी बीसीसीआई को अच्छी कमाई हुई। रिपोर्ट के अनुसार, इंटरनेशनल टूर्नामेंटों के प्रसारण अधिकारों सहित नॉन-आईपीएल मीडिया अधिकारों की बिक्री से 361 करोड़ रुपए की कमाई हुई।

महिला प्रीमियर लीग से 378 करोड़ की कमाई

वहीं बीसीसीआई ने आईपीएल की सफलता के बाद महिला प्रीमियर लीग की भी शुरुआत की थी। इसके 2023-24 सीजन से उन्होंने 378 करोड़ रुपए की कमाई की। इसके अलावा भारतीय टीम जब दूसरे देशों में क्रिकेट खेलने जाती है तो भी उनकी कमाई होती है। पुरुष क्रिकेट टीम के दौरे से बोर्ड ने 361 करोड़ रुपए की कमाई की है यहीं नहीं बाकी चीजों से भी बीसीसीआई ने 2023-24 में 400 करोड़ रुपए की कमाई की। इसमें एडवरटाइजमेंट और बाकी चीजें शामिल हैं। कमाई के मामले में बाकी देशों के बोर्ड बीसीसीआई से काफी पीछे हैं।

खबर संक्षेप

ईस्ट बंगाल के लिए खेलेंगे ब्राजील के मिगुएल

कोलकाता। इंडियन सुपर लीग क्लब ईस्ट बंगाल ने शुक्रवार को ब्राजील के मिगुएल फिगुएरा, फलस्तीन के मोहम्मद राशिद और अर्जेंटीना के डिफेंडर केविन सिबिल के साथ करार की घोषणा की। लंबे कद के मिडफील्डर फिगुएरा बांग्लादेश के बशुंधरा किंग्स से जुड़े हुए थे, जिसके साथ उनका कार्यकाल काफी सफल रहा। इसमें उन्होंने 2021-24 तक लगातार तीन बांग्लादेश प्रीमियर लीग खिताब और लगातार दो इंडिपेंडेंस कप (2022-24) जीते। बशुंधरा में शामिल होने से पहले वह ब्राजीलियाई सीरी बी क्लब गोइयास ईसी में थे, जिसमें उन्होंने 64 मैच में 37 गोल दागे थे।

अंडर-31 ब्रिज टीम ने जीता कांस्य पदक

नई दिल्ली। भारत की अंडर-31 ब्रिज टीम ने 19वीं विश्व युवा टीम चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता, जबकि अंडर-16 टीम चौथे स्थान पर रही। इटली के साल्सोमगिओरे में आयोजित टूर्नामेंट का अंतिम दिन यह दोनों भारतीय टीमें पोडियम स्थान (शीर्ष तीन) हासिल करने की दौड़ में थीं। अंडर-16 टीम दो करीबी सेटों के बाद सेमीफाइनल प्लेऑफ में फ्रांस से हार गई। यह टीम हालांकि इस प्रतियोगिता के अंतिम चार में पहुंचने वाली पहली भारतीय टीम बन गई। अंडर-31 टीम ने 'बोर्ड ए मैच' स्पर्धा में 24 प्रतिस्पर्धी टीमों में तीसरा स्थान हासिल कर कांस्य पदक जीता। अंडर-16 टीम में प्रखर बंसल, विहा गहरोत्रा, अनन्या मेहता, जशित नारंग, अधियमान जोडिपाचे और अगिलन जोडिपाचे शामिल थे। उन्होंने क्वार्टर फाइनल में चीनी ताइपे को छह आईएमपी (अंतरराष्ट्रीय मैच प्वाइंट) से हराया था। भारतीय अंडर-21 और अंडर-26 टीमें शीर्ष आठ में जगह नहीं बना पाईं।

शिलांग लाजोंग के मुख्य कोच बने बीरेंद्र थापा

शिलांग। मेघालय की शिलांग लाजोंग एफसी ने आई-लीग फुटबॉल टूर्नामेंट के आगामी सत्र से पहले पूर्व खिलाड़ी और लंबे समय से क्लब से जुड़े बीरेंद्र थापा को अपना नया मुख्य कोच नियुक्त किया है। कोच बीरू के नाम से लोकप्रिय थापा पिछले दो दशक से भी अधिक समय से फुटबॉल से जुड़े हुए हैं। वह 2001 से इस क्लब के साथ खिलाड़ी, टीम मैनेजर और सहायक कोच सहित विभिन्न भूमिकाओं में जुड़े हुए हैं। थापा 2001 से 2009 तक क्लब के लिए खेले और वह 2009-10 आई-लीग सत्र के लिए क्वालीफाई करने वाली टीम का हिस्सा थे। पेशेवर फुटबॉल से संन्यास लेने के बाद थापा को टीम मैनेजर और सहायक कोच नियुक्त किया गया।

भारत ने साउथम्प्टन में पहला मैच चार विकेट से जीता था

भारतीय महिला टीम ने इंग्लैंड को टी20 श्रृंखला में हराया

लॉर्ड्स में दूसरा वन डे आज, दोपहर 3:30 बजे होगा शुरू

भारतीय महिला टीम की निगाह इंग्लैंड से वनडे सीरीज जीतने पर

एजेंसी ▶▶| लंदन

कई मैच विजेता खिलाड़ियों से सजी भारतीय महिला क्रिकेट टीम अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए इंग्लैंड के खिलाफ शनिवार को होने वाले दूसरे एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में जीत हासिल करके श्रृंखला में अजेय बढ़त बनाने के साथ ही आगामी विश्व कप के लिए अपनी पुख्ता तैयारी को नए मुकाम पर पहुंचाने की कोशिश करेगी।

भारत ने साउथम्प्टन में पहला मैच चार विकेट से जीता था और लॉर्ड्स में जीत से वह तीन मैचों की इस श्रृंखला में 2-0 की अजेय बढ़त हासिल कर लेगा। इससे हाल के दिनों में इस प्रारूप में उसकी जीत का सिलसिला भी जारी रहेगा, जिसमें मई में श्रीलंका और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ त्रिकोणीय श्रृंखला में मिली जीत भी शामिल है। इंग्लैंड के खिलाफ मैच आईसीसी महिला एकदिवसीय विश्व कप की तैयारी के लिए महत्वपूर्ण हैं, जिसकी मेजबानी भारत इस वर्ष के अंत में करेगा। कई खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन के कारण विश्व कप टीम में जगह बनाने के लिए प्रतिस्पर्धा बढ़ रही है, जो मुख्य कोच अमोल मजूमदार और कप्तान हरमनप्रीत कौर के लिए अच्छा सिरदर्द है।

दीप्ति ने पहले वन डे मारा था एक हाथ से छक्का

स्पिन विभाग भी काफी मजबूत है, जिसमें अब तक शानदार प्रदर्शन करने वाली बाएं हाथ की स्पिनर एन. श्री चरणी के अलावा अनुभवी दीप्ति, स्नेहा राणा और राधा यादव भी शामिल हैं। पहले वनडे में नाबाद अर्धशतक जमा कर भारत को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाने वाली दीप्ति ने अपनी इस पारी के दौरान ऋषभ पंत की तरह एक हाथ से छक्का लगाया था। शनिवार को होने वाले मैच में उनके प्रदर्शन पर सभी की निगाह टिकी रहेगी। भारतीय महिला टीम ने इससे पहले इंग्लैंड को टी20 श्रृंखला में हराया था और अब वनडे श्रृंखला जीतने से उसका 30 सितंबर से शुरू होने वाले वनडे विश्व कप के लिए मनोबल और बढ़ेगा। जहां तक इंग्लैंड की टीम का सवाल है तो उसको जीत हासिल करने के लिए खेल के तीनों विभाग में अच्छा प्रदर्शन करना होगा।

तेज गेंदबाज रेणुका और पूजा चोटिल होने के कारण श्रृंखला से बाहर

टीम में कुछ ऐसे स्थान हैं, जिनमें टीम प्रबंधन के पास कई विकल्प हैं। टीम की गहराई और बेंच स्ट्रेंथ पहले कभी इतनी अच्छी नहीं रही। तेज गेंदबाज रेणुका सिंह ठाकुर और पूजा वस्त्राकर चोटिल होने के कारण इस श्रृंखला में नहीं खेल रही हैं। उनकी अनुपस्थिति में टीम ने पहले मैच में थोड़ी अधिक अनुभवी अरुंधति रेड्डी की जगह क्रांति गौड़ को तरजीह दी और इस 21 वर्षीय खिलाड़ी ने दो विकेट लेकर अपना प्रभाव छोड़ा। प्रतीका रावल शीर्ष क्रम में स्मृति मंधाना की जोड़ीदार के लिए पसंदीदा विकल्प के रूप में उभरी हैं, जबकि शैफाली वर्मा भी टी20 अंतरराष्ट्रीय, महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) और घरेलू क्रिकेट में अपने फॉर्म के कारण दावेदार बनी हुई हैं। हरलीन देओल भी अच्छी फॉर्म में हैं और अगर शैफाली निकट भविष्य में अंतिम एकादश में वापसी करती हैं तो रावल को तीसरे नंबर पर उतारा जा सकता है। ऐसी स्थिति में देओल को टीम में शामिल करना मुश्किल होगा, जिसके बल्लेबाजी विभाग में हरमनप्रीत, जेमिमा रोड्रिग्स, दीप्ति शर्मा और ऋचा घोष भी शामिल हैं।

खेली थी 61 रनों की नाबाद पारी

लॉर्ड्स टेस्ट में जडेजा की जुझारू पारी मिला सबसे मूल्यवान खिलाड़ी का तमगा

एजेंसी ▶▶| लंदन

भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने अनुभवी ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा की प्रशंसा करते हुए इंग्लैंड के खिलाफ लॉर्ड्स टेस्ट में उनके प्रदर्शन को अविश्वसनीय जुझारूपन करार दिया, जिसके लिए उन्हें टीम का सबसे मूल्यवान खिलाड़ी (एमवीपी) का तमगा भी दिया गया। जडेजा 181 गेंदों पर 61 रन बनाकर नाबाद रहे लेकिन उनकी इस शानदार पारी के बावजूद भारत तीसरे टेस्ट में 22 रन से हार गया। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने शुक्रवार को अपनी वेबसाइट पर एक वीडियो जारी किया, जिसमें गंभीर ने जडेजा की जमकर तारीफ की है। गंभीर ने 'द एमवीपी फीट रवींद्र जडेजा' शीर्षक वाले वीडियो में कहा, ' यह अविश्वसनीय जुझारूपन था। जडेजा की जुझारू पारी वास्तव में शानदार थी।' भारतीय टीम 193 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए लड़खड़ा गई और उसके शीर्ष आठ बल्लेबाज 40 ओवर से भी कम समय तक टिक सके। लेकिन सातवें नंबर पर बल्लेबाजी करने आए जडेजा ने दृढ़ता से काम किया और पुछल्ले बल्लेबाजों जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज के साथ मिलकर साहस और धैर्य का शानदार परिचय दिया। बुमराह ने 54 गेंदों का सामना करते हुए पांच रन और सिराज ने 30 गेंदों पर चार रन बनाए। भारत 74.5 ओवर में 170 रन पर आउट हो गया और इस तरह से पांच मैचों की श्रृंखला में 1-2 से पीछे हो गया।

जडेजा में दबाव झेलने की क्षमता

वीडियो में सहायक कोच रेयान टेन डोएशे ने कहा, 'जडेजा की बल्लेबाजी एक अलग ही स्तर पर पहुंच गई है। पिछले दो टेस्ट मैचों में उन्होंने, जो धैर्य दिखाया वह वास्तव में काबिले तारीफ है। मैं उन्हें वर्षों से खेलते हुए देख रहा हूं। मैंने देखा है कि उन्होंने अपने खेल को कैसे निखारा है। उनका डिफेंस बहुत मजबूत है और वे एक बेहतरीन बल्लेबाज लगते हैं।' भारत के बल्लेबाजी कोच सीतांशु कोटक ने कहा, 'मुझे हमेशा लगता था कि उनमें दबाव झेलने की क्षमता है। वह आमतौर पर कुछ ऐसा करते हैं, जिसकी टीम को किसी भी चुनौतीपूर्ण परिस्थिति में जरूरत होती है। वह टीम के लिए वाकई बहुत मूल्यवान हैं।' तेज गेंदबाज सिराज ने कहा, 'उनके जैसा खिलाड़ी मिलना बहुत मुश्किल है। हम भाग्यशाली हैं कि हमारी टीम में ऐसा खिलाड़ी है।'

बटलर ने टी20 क्रिकेट में पूरे किए 13 हजार रन, बने वर्ल्ड क्रिकेट के 7वें खिलाड़ी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

इंग्लैंड में खेली जा रही उनके घरेलू टी20 टूर्नामेंट टी20 ब्लास्ट में जोस बटलर ने यॉर्कशायर टीम के खिलाफ हुए गुरुवार को हुए मैच में एक बड़ी उपलब्धि अपने करियर में हासिल की। बटलर, जो लंकाशायर की टीम से खेलते हैं उनके बल्ले से इस मुकाबले में 77 रनों की बेहतरीन पारी देखने को मिली, जिसके दम पर वह इंग्लैंड की तरफ से टी20 क्रिकेट में 13 हजार रनों का आंकड़ा पूरा करने वाले वर्ल्ड क्रिकेट के 7वें खिलाड़ी बन गए हैं।

बटलर का टी20 कॅरियर

जोस बटलर का टी20 करियर देखा जाए तो वह वर्ल्ड क्रिकेट की अधिकतर टी20 लीग में खेलते हुए दिखते हैं, जिसमें उन्होंने अब तक कुल 457 मैचों में 35.74 के औसत से कुल 13046 रन बनाए हैं। वहीं बटलर के बल्ले से टी20 में 8 शतकीय तो 93 अर्धशतकीय पारियां भी देखने को मिली हैं। जोस बटलर का टी20 क्रिकेट में स्ट्राइक रेट 145.97 का है।

टी20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी

क्रिस गेल	- 14562 रन
कायरन पोलार्ड	- 13854 रन
एलेक्स हेल्स	- 13814 रन
शोएब मलिक	- 13571 रन
विराट कोहली	- 13543 रन
डेविड वॉर्नर	- 13395 रन
जोस बटलर	**- 13046 रन**

यूरो 2025: इंग्लैंड सेमीफाइनल में...

ज्यूरिख। इंग्लैंड ने तीन मिनट के अंदर दो गोल करके पहले स्कोर बराबर किया और फिर पेनल्टी शूटआउट में स्वीडन को 3-2 से हराकर महिला यूरोपीय फुटबॉल चैंपियनशिप (यूरो 2025) के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। अब सेमीफाइनल में इंग्लैंड का सामना मंगलवार को इटली से होगा।

आईसीसी ने प्रतीका पर लगाया जुर्माना

दुबई। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की बल्लेबाज प्रतीका रावल और इंग्लैंड की टीम पर शुक्रवार को साउथम्पटन में खेले गए तीन एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैचों की श्रृंखला के पहले मैच के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की आचार संहिता के उल्लंघन के लिए जुर्माना लगाया गया। रावल पर दो अलग-अलग घटनाओं में लेवल एक के उल्लंघन के लिए मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया और अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में एक डिमेरिट अंक जोड़ दिया गया। रावल को 18वें ओवर के दौरान इंग्लैंड की गेंदबाज लॉरेन फाइलर और उसके अगले ओवर में सोफी एक्लेस्टोन के साथ अनावश्यक शारीरिक संपर्क बनाने का दोषी पाया गया।

फ्रीस्टाइल ग्रैंड स्लैम टूर शतरंज : प्रज्ञानानंदा खिताब की दौड़ से बाहर

अर्जुन का शानदार प्रदर्शन, सेमीफाइनल में पहुंचे

एजेंसी ▶▶| लास वेगास

भारतीय ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगैसी ने उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव को हराकर यहां 750,000 डॉलर इनामी फ्रीस्टाइल ग्रैंड स्लैम टूर शतरंज प्रतियोगिता के सेमीफाइनल में प्रवेश किया लेकिन आर. प्रज्ञानानंदा अमेरिका के फैबियानो कारूआना से हारकर खिताब की दौड़ से बाहर हो गए। अर्जुन ने अब्दुसत्तोरोव पर 1.5-0.5 से जीत हासिल की, लेकिन प्रज्ञानानंदा एक कड़े मुकाबले में कारूआना से 3-4 से हार गए।

क्वार्टरफाइनल चरण में लेवोन अरोनियन और हंस मोके नीमन की अमेरिकी जोड़ी भी जीत हासिल करने में सफल रही। उन्होंने क्रमशः अमेरिका के हिकारू नाकामुरा और उज्बेकिस्तान के जावोखिर सिंडारोव को हराया। जहां अरोनियन ने 2.5-1.5 के अंतर से जीत हासिल की, वहीं निमन को सिंडारोव को 4-2 से हराने में अधिक समय लगा।

सेमीफाइनल में अर्जुन का मुकाबला अरोनियन से जबकि नीमन का कारूआना से होगा।

कार्लसन ने विदित को हराया

निचले वर्ग में दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन ने अपनी जीत की लय वापस पा ली। उन्होंने भारत के विदित गुजराती को आसानी से 2-0 से हराया। निचले वर्ग के अन्य मुकाबलों में अमेरिका के वेस्ली सो ने हमवतन सैमुअल सेवियन को जबकि लीनियर डोमिनगेज पेरेज ने कजाकिस्तान की बिबिसारा अस्सौबायेवा को 1.5-0.5 के समान अंतर से हराया। पहले चरण के विजेता जर्मनी के विन्सेंट कीमर ने अमेरिका के ही रॉबसन रे को 2.5-1.5 के अंतर से पराजित किया।

एरिगैसी ने शुरुआत से ही बनाई बढ़त

अर्जुन ने दोनों ही बाजी में शानदार प्रदर्शन किया और शुरुआत से ही बढ़त बनाए रखी। दूसरी बाजी में सफ़ेद मोहरों से खेलते हुए भारतीय खिलाड़ी ने शुरुआत में ही अपनी स्थिति मजबूत कर ली और फिर अब्दुसत्तोरोव को आसानी से मात दी। इससे पहले पहली बाजी में भी अर्जुन ने बढ़त हासिल की थी, लेकिन बाद में कुछ गलतियों के कारण उज्बेक खिलाड़ी को आधा अंक मिल गया।

प्रज्ञानानंदा नहीं रख पाए लय बरकरार

प्रज्ञानानंदा और कारूआना के बीच कुल सात निर्णायक बाजियां खेली गईं। इस दौरान भारतीय खिलाड़ी ने तीन बार बढ़त बनाई। प्रज्ञानानंदा ने पहली बाजी जीती लेकिन दूसरी बाजी में उन्हें हार का सामना करना पड़ा। छठी बाजी तक यह सिलसिला बना रहा। इसके बाद अमेरिकी खिलाड़ी ने सातवीं बाजी जीत कर सेमीफाइनल में अपनी जगह सुरक्षित की। प्रज्ञानानंदा इस हार से सात अन्य खिलाड़ियों के साथ निचले ब्रैकेट में खिसक गए हैं।

ओलिविया स्मिथ बनी दुनिया की सबसे महंगी महिला फुटबॉलर

एजेंसी ▶▶| लंदन

ओलिविया स्मिथ महिला फुटबॉल इतिहास की सबसे महंगी खिलाड़ी बन गईं हैं। आर्सेनल ने कनाडा की इस 20 वर्षीय खिलाड़ी को 10 लाख पाउंड (लगभग 11 करोड़ 57 लाख रुपए) की विश्व रिकॉर्ड ट्रांसफर फीस पर लिवरपूल से अपनी टीम में शामिल किया।

महिला फुटबॉल में यह नई धनराशि जनवरी में सैन डिएगो वेव से नाओमी गिर्मा को अपनी टीम से जोड़ने के लिए चेल्सी की ओर से भुगतान की गई 900,000 पाउंड की राशि को पार कर गई है। आर्सेनल की महिला फुटबॉल निदेशक क्लेयर व्हीटली ने कहा, 'वह खेल की सबसे प्रतिभाशाली युवा खिलाड़ियों में से एक हैं और क्लब में आगे बढ़ने की उनमें अपार संभावनाएं हैं।' अनुबंध के बारे में जानकारी रखने वाले एक व्यक्ति ने बताया कि इस फॉरवर्ड ने चार साल के अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं संपादक प्रहलाद तेली के लिए मुद्रक अनिल राठी द्वारा अनिल प्रिन्टर्स एण्ड ऑफसेट, 5/एफ-2, न्यू हाउसिंग बोर्ड, शास्त्रीनगर, भीलवाड़ा 311001 (राज.) से मुद्रित एवं ऑफिस 957 वार्ड नंबर 24 धाकड़ मोहल्ला, शाहपुरा, भीलवाड़ा 311404 (राज.) से प्रकाशित। मो. नं. 9115108888, ई-मेल : kismatbhilwara@gmail.com (सभी प्रसंगों का न्याय क्षेत्र भीलवाड़ा होगा)